आराधना

– शंकर अभ्यंकर

महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ.

आराधना

लेखक
शंकर कृ. अभ्यंकर

महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ

जिनकी चैतन्यमयी
बंदिशों से प्रेरणा पाकर
'आराधना' की
निर्मिति हुई है,
उन मेरे मानसगुरु
पं. कुमारगंधर्वजी के
चरणों में
सादर समर्पित ॥

शंकर त्र्यं. अभ्यंकर.

प्रस्तावना

मेरे स्नेही तथा सन्मित्र श्री. शंकर अभ्यंकर द्वारा रचित उनकी समस्त बंदिशों का निरीक्षण करने का तथा उन्हीं के कण्ठ द्वारा उन्हें सुनने का भी अवसर मुझे प्राप्त हुआ, जिन्हें वे 'आराधना' शीर्षक के अन्तर्गत पुस्तक के रूप में प्रकाशित कर रहे हैं। उनकी बंदिशों में अधिकतर 'ख्याल' शैली का ही अनुकरण उन्होंने किया है, जिनमें कुछ विलम्बित लय के तथा अधिकांश द्रुतलय के ख्याल एवम् तरानों का समावेश है। साथ साथ, कुछ स्वनिर्मित रागों की उन्होंने रचना की है और इनका भी समावेश इस 'आराधना' में किया है।

मेरे विचार में, 'ख्याल' का सही अर्थ यदि 'कल्पना-संचार' माना जाय, तो ख्याल गायन में किसी राग का आविष्कार एवम् प्रस्तुतिकरण, उस राग में चुनी हुए बंदिशों के माध्यम से ही करना सुसंबद्ध होगा; और इसी कारणवश हमारे अनन्य रचनाकारोंने एक ही राग में भिन्न भिन्न ढाँचों के बंदिशों की रचना करते हुए इन रागों का पुष्टीकरण किया है, और आजतक यह प्रक्रिया जारी है। अतएव, एक राग में जितनी अधिक बंदिशें उतने ही वे राग परिपक्व होते रहेंगे; और इस दृष्टिकोण से श्री. शंकर अभ्यंकर का यह प्रयास स्तुत्य एवम् सराहनीय मानना होगा।

एक और बात मैं कहना चाहूँगा कि 'बंदिश' याने केवल कुछ तालबद्ध स्वरोंमें शब्दों को जकड़ना ही उसका उद्देश्य नहीं है। बंदिशों में स्वर एवम् शब्दों का लययुक्त संतुलन रखना परमावश्यक है। साथ साथ, बंदिशों में प्रयुक्त साहित्य गेय होना अत्यावश्यक है, उसमें क्लिष्टता कदापि न हो और उन बंदिशों में प्रयुक्त साहित्य द्वारा संक्षेप में किसी विषय के आशय को प्रभावी ढंग से कहने-सुनने का सफल प्रयत्न हो; कहीं पर भी स्वर एवम् साहित्य में परस्पर खींचातानी न होनी चाहिये। तभी जाकर बंदिशें आकर्षक सिद्ध हो सकती हैं। साथ साथ, यदि इन बंदिशों के माध्यम से रागों की ओर दृष्टिगोचर करते हुए एक नयी दिशा मिल जाय तो 'सोने में सुहागा'।

इसी प्रकार नव-राग-निर्मिति भी एक स्वाभाविक तथा संतुलित प्रक्रिया है। भिन्न भिन्न रागों का बेमालूम संमिश्रण चतुरता से किया गया हो तो ऐसे राग अधिक रोचक सिद्ध हो सकते हैं। ऐसे रागांगों की निर्मिति करते समय ध्येय केवल सही होना चाहिये कि विभिन्न रागांगों के के सन्तुलित संमिश्रण द्वारा उस निर्मित राग-कल्पना का स्वतंत्र व्यक्तित्व सामने आना चाहिये तथा उसकी पर्याप्त अनुभूति होनी चाहिये।

इन्हीं दिशाओं में एक सफल प्रयास श्री. अभ्यंकरने अपनी बंदिशों द्वारा किया है जो कि सराहनीय है। हाँ ! इतना अवश्य कहना होगा कि श्री. अभ्यंकर का साहित्यिक अभ्यास मर्यादित है। अतएव उनकी बंदिशों में परम्परागत उपयोग में लाया गया साहित्य ही दिखाई देता है, जिसे सामान्यरूप से समझना आसान है।

वैसे तो श्री. शंकर अभ्यंकर स्वयम् एक अच्छे गायक हैं और पं. नारायणरावजी तथा पं. शंकररावजी व्यास इन दोनों बन्धुओं के निजी मार्गदर्शन में संगीत की बुनियादी शिक्षा पर्याप्त रूप में ग्रहण की है। इनके अतिरिक्त पं. गजाननराव जोशी एवम् अन्य मान्यवर गुणिजनों के सहवास का लाभ भी उन्हें मिला है, जिसके फलस्वरूप संगीत कला के प्रति उनका दृष्टिकोण अधिक बनता गया। किन्तु, श्री. अभ्यंकर सितार-वादन में अपना लक्ष्य अधिक केंद्रितकर, एक सफल सितार वादक के रूप में अधिक प्रसिद्ध हुअे और आज उन्हें एक सिद्ध सितार-वादक के नाते अधिकतर संगीत प्रेमी जानते-पहचानते हैं। मैंने स्वयम् उन्हें एक गायक के नाते ही सर्वप्रथम जाना और बाद में सितार-वादक की हैसियत में।

यहाँपर एक बात कहना आवश्यक समझूँगा कि श्री. अभ्यंकर ने सितार को हाथ में लेते हुवे अपने आदर्श कलाकार पं. रविशंकरजी तथा उस्ताद विलायत खाँ साहेब को माना और इन्हीं दोनों कलाकारों की शैलियों का सुन्दर संमिश्रण अपनी वादनशैली में रखने में वे सफल हुअे। सितार वादन में निपुणता प्राप्त करते हुअे उन्होंने विभिन्न लयकारियों का भी पर्याप्त अभ्यास किया। और, इसी कारण उनकी बंदिशों में लयकारी का आनन्द पर्याप्त प्रमाण में मिलता है। गायक के नाते प्रारम्भ से ही श्री. अभ्यंकर के आदर्श गायक कलाकार पं. कुमार गंधर्वजी रहे हैं और उनकी गायन शैली का गहराई से अभ्यास वे करते रहे हैं; यहाँ तक कि उनकी रचनाओं में इसी शैली का प्रभाव प्रमुखता से जानने-सुनने मिलता है।

पं. कुमारजी की गायन-शैली को आत्मसात् करना तथा उसे अपनाना कोई सामान्य बात नहीं है। जब तक राग-संगीत की गहराई तक न पहुँचे, इस गायकी का मर्म समझकर उससे पर्याप्त रसास्वाद लेना कठिन किंबहुना असम्भव ही है। अतएव श्री. शंकर अभ्यंकर की रचनाओं को केवल स्वरलिपि के माध्यम से सम्पादन करना सरल नहीं है। इस सम्बन्ध में मेरा एक अल्पसा सुझाव है कि इस 'आराधना' पुस्तक के साथ साथ यदि इन बंदिशों को 'केसेटों' द्वारा ध्वनिमुद्रित रूप में संगीत-जिज्ञासुओं के लाभार्थ उपलब्ध कराया जाय तो इन बंदिशों को अधिक प्रभावी ढंग से सीखा-गाया जा सकता है।

अंत में, मैं श्री. शंकर अभ्यंकर को उनके इस उपक्रम के लिये मनःपूर्वक धन्यवाद तथा बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि उनका यह प्रयास संगीत जगत् के लिये एक अति उपयुक्त योगदान सिद्ध होगा। मैं परम कृपालू परमेश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ कि वह श्री. अभ्यंकर को स्वस्थ दीर्घायु देते हुअे भविष्य में भी इसी प्रकार उनके द्वारा अधिकाधिक संगीत सेवा सम्पन्न कराने का सामर्थ्य, मनोबल एवम् अनुकूलता प्रदान करें। यही मेरी मनोकामना है।

- के. जी. गिण्डे

दो शब्द .....

मेरी आज तक की संगीत-साधना का छोटासा फल, यह 'आराधना' रसिकों के सामने रखते हुअे मुझे बडा आनंद होता है । बचपन से निरंतर सुना हुआ गायन-वादन और उसका मनन-चिंतन इन बंदिशों के निर्माणमें अवश्य सहायक हुआ है । किन्तु गुरुवर्य पं. कुमारगंधर्वजी की आकर्षक, चैतन्यमयी बंदिशें इन की प्रमुख प्रेरणा सिद्ध हुई हैं । इस विषयमें उन का भारी ऋण मानना और उन के ऋणमें ही रहना मेरे लिये अतीव आनंद की बात है ।

इन बंदिशों की प्रशंसा करते हुअे इन्हें ग्रंथरूपमें निबद्ध करने के लिये स्वर्गीय पं. वामनरावजी देशपांडे और प्रा. स. ह. देशपांडेजी ने पुनःपुनः प्रोत्साहित किया, इसलिये इस ग्रंथनिर्मितिमें मैं प्रवृत्त हुआ । उन्हें धन्यवाद देना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ ।

'महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ' के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री. सुरेन्द्रजी बारलिंगे और मंडल के भूतपूर्व सदस्य माननीय श्री विद्याधरजी गोखले का इस ग्रंथ के प्रकाशन में बहुत बडा सहयोग रहा है, इसलिये उन के प्रति मैं हार्दिक आभारी हूँ ।

'महाराष्ट राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ' ने इस ग्रंथ का प्रकाशन-कार्य स्वीकार किया, इसलिये ये बंदिशें रसिकों के सामने आ सकीं । इसलिये मंडल का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ ।

हमारी विनंती के अनुसार पं. श्री. के. जी. गिंडेजी ने मेरी बंदिशों का यथोचित मूल्यांकन करती हुई प्रस्तावना लिखी, इसलिये मैं उन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ ।

शास्त्रीय संगीत की बंदिशों का नोटेशनसहित मुद्रण एक बहुत कठिन काम है । लेकिन 'रचना प्रिंटर्स' ने आवश्यक परिश्रम लेकर बंदिशों का अधिकांश निर्दोष और सुंदर मुद्रण किया, इसलिये उन को मैं बहुत बधाई देता हूँ ।

मेरे मित्र श्री. व्ही. सिन्नरकर ने मोहक चित्रों से ग्रंथ का सौंदर्य बढाया है, लेकिन मित्रता के संबंधमें 'आभार' शब्द उचित नहीं होगा ।

ग्रंथनिर्मिति के कार्य में जिन का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूपमें सहयोग मिला है, लेकिन उन का निर्देश यहाँ नहीं किया गया है, उन के प्रति भी मैं कृतज्ञ हूँ ।

इस ग्रंथमें पारंपरिक रागों के साथ साथ कुछ ठुमरी, दादरा, झूला जैसी विविध बंदिशों का अंतर्भाव है । यदि इन बंदिशों से रसिकों को आनंद मिले और कलाकारों की महफिलें सजानेमें ये सहायक हुईं तो मेरी 'आराधना' सार्थक हुई ऐसा मैं मानता हूँ ।

इसी प्रकार अन्त तक संगीत की आराधना का भाग्य मुझे मिले, यही ईश्वर के चरणोंमें प्रार्थना ।

अनुक्रमणिका ।

सुबह के राग

राग - गुजरी तोडी, ताल - झुमरा, लय - विलंबित

भोर भई मैं आयो तोरे मंदर
जित सोहे लय ग्यान, सूरमें दीज्यो तेज
और मेरो मन निर्मल राखो ।
और कछु न माँगत, इत दीज्यो महादेव
देओ आशिस
तोरे पग पर सीस राखियो ॥

स्थाई

| – – –, ग॒ मंध॒निमं |
| भो रभईमैं |
३

| ध॒ – निमंध॒ – | ध॒–ध॒मं, ग॒मं ध॒, – मं –, – रे॒ – ग॒ – | रे॒ – सा – |
| आऽ योऽऽ | तोऽऽऽऽऽ ऽऽरे ऽऽमं ऽऽऽ | दऽरऽ |
× २ ०

ध॒नि॒सारे॒ ग॒मं, सा –सा, – सारे॒ रे॒ग॒ ग॒मं मंध॒ ध॒नि |
जितसोहे लयग्या ऽनऽ सूऽ रऽमेंऽ दीऽ ज्योऽ |
३

| मंध॒–,– – –मंध॒– | मं –ध॒नि निनि ध॒, ध॒नि –मं, ध॒ | सां – सां,सां सां |
| तेऽऽऽ ऽऽजऽऽ | औऽरऽ ऽऽ ऽमेरो ऽमन | निर्मल |
× २ ०

ध॒नि,– सांरें– रें नि ध॒ मं ग॒ रे॒ सा ग॒ मंध॒निमं |
राऽऽऽऽ खोऽऽऽ ऽऽऽभो रभईमैं |
३

आराधना

अंतरा

| – – –, –ग़ मधनिध |
औ रकछुन
३

सां – सां – | सां धनि–म ध – निरें –निधनि | मध–,– –ध– |
माँ ऽ ग ऽ | त इतऽदी ज्यो ऽ ऽ ऽमहाऽ | देऽऽऽ ऽवऽ |
× २ ०

नि,निध,मध,– –नि सांरेंगं रेंसां |
देऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽऽ वोऽ |
३

सां – ध ध | मगम ध,निध–म –धनि –म,ध | सां –सां –धनि |
आ ऽशि स | तोरे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽपग ऽ प र | सी ऽस ऽराखि |
× २ ०

सांरें,–,रेंनि धमगरे सा–,–ग मधनिम |
ऽऽऽयोऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽभो रभईमैं |
३

राग - गुजरी तोडी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

शंकर हर हर महादेव तुम
कर त्रिशुल डमरु
संगीत के महाग्यानी तुम ।
शिव शिव बम् भोलेनाथ
नित करत तेरो ध्यान
प्रकट हो जाओ,
दरसन दीज्यो महादेव तुम ॥

स्थाई

सा	– रे ग रे	सा सा सा ध
शं	ऽ क र ह	र ह र म
	०	३

ध – मं रे	– ग रे सा सा	– रे ग रे	सा सा सा सा
हा ऽ ऽ दे	व तु म शं	क र ह	र ह ऽ र
×	२	०	३

सा रे ग रे ग	ग मं ध नि	निसांरेंगं – रें सां	सां सां नि रें सां,
क र ऽ त्रि शु	ल ड म रू	संऽऽऽ ऽ गी ऽ	त के ऽ म ऽ
×	२	०	३

ध – मंग,- ग	ग रे सा
हा ऽ ग्या ऽऽ	नी तु म
×	२

अंतरा

ध॒	ध॒ मं मं ध॒	मं ध॒ सां –
शि	व शि व बं	ऽ भो ले ऽ
	०	३

सां – निध॒ – नि	मं ध॒ – – ग॒	रे॒ ग॒ मं मं	ध॒ नि मं –
ना ऽ ऽऽ ऽ	थ ऽ ऽ ऽ नि	त क र त	ते रो ध्या ऽ
×	२	०	३

ध॒ सां सां सां	ध॒निसां रें॒ रें॒ नि	ध॒ ध॒नि निसां सांरें॒	रें॒गं॒ सांनि सांनि सांनि
न प्र क ट	होऽऽ ऽजाऽ	वो दऽ रऽ सऽ	नऽ दीऽ ज्योऽ मऽ
×	२	०	३

ध॒ – मंग॒ – –	ग॒ रे॒ सा
हा ऽ देऽऽ ऽ	व तु म
×	२

राग - गुजरी तोड़ी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बोलता जारे दिल खोलता जा, राजारे
जो विचार है मन काहे छिपावो ।
बोलन बिन कैसे समझे तोरा मन
आवो पास हस कर सब बतावो ॥

स्थाई

म ऽम	धु सां सां सां	– सां नि म
बो ऽल	ता जा रे दिल्	ऽ खो ऽल ता
	०	३

धु – – निधु	धुम मग ,सां –	नि धु म धु म धु	धुनि धुनि म धु
जा ऽ ऽ रा ऽ	जाऽ रेऽ, जो ऽ	वि चा ऽ र	हैऽ ऽऽ म न
×	२	०	३

धु नि रें नि	म धु, म ऽम
का हे ऽ छि	पा वो, बो ऽल
×	२

अंतरा

धु धु नि म	म धुनि सां सां
बो लन् ऽ बी	न कैऽ ऽ से
०	३

धुनि निसां सांरें गुंरें	रेंसां सां सां सां	धु धु नि धुम	म धुनि सां सां
सऽ मऽ झेऽ ऽऽ	तोऽ रा म न	बो लन्ऽ बिऽ	न कैऽ ऽ से
×	२	०	३

सां सां नि ध़	सां सां सां –	नि मंध़ मं ध़	ध़नि ध़नि मं ध़
स म झे ऽ	म न आ –	वो पाऽ ऽ स	हऽ सऽ क र
×	२	०	३

ध़ नि रें़ नि	मं ध़, मं ऽमं
स ब ऽ ब	ता वो, बो ऽल
×	२

राग - गुजरी तोडी, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

ता धान् धा धागीना धेत्तान् धातीत्, धेत्तान् धागीना धागीना धाधान्
धा धान् धात्तधान् धान् धागीना, धेत्ता धा धान् धाधान्
धात्तधा, धाधान् धात्तधा, धाधान् धात्त ।
धा धान् धा धा धा त्तदानी,
धे धे दानी धे धे दानी, धे धेत् तादानी, धे धेत् तादानी
धेत्तान् धागीना धागीना धा, धा धात्तधा, धा धात्तधा, धा धात् ।

स्थाई

- सा
ता
४

सा –	सा रे॒	ग॒ रे॒	सा सा	– ध॒	ध॒ सा
धां ऽ	धा धा	गी ना	धे त्तां	ऽ धा	तीत् ता
×	०	२	०	३	४

सा –	सा रे॒	ग॒ रे॒	सा सा	– ध॒	ध॒ –
धां ऽ	धा धा	गी ना	धे त्तान्	ऽ धा	तीत् ऽ
×	०	२	०	३	४

मं॑ मं॑	– ध॒	सा सा	सा सा	सा सा	सा –
धे त्तान्	ऽ धा	गी ना	धा गी	ना धा	धान् ऽ
×	०	२	०	३	४

सा सा	– सा सा	– ग॒ रे॒	– रे॒	– ग॒	मं॑ ध॒
धा धा	ऽन् धा	ऽत धान्	ऽ धा	ऽ धा	गी ना
×	०	२	०	३	४

म॑ ध॒	सां म॑	— सां	सां —	ध॒ — ध॒	ध॒ —
धे त्तां	धा धान्	ऽ धा	धान् ऽ	धा ऽत	धा ऽ
×	०	२	०	३	४

ध॒ ध॒	— ग॒	— ग॒ ग॒	— रे॒	रे॒ —	सा — सा
धा धान्	ऽ धा	ऽ त धा	ऽ धा	धान् ऽ	धा ऽ त्
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ध॒ ध॒	— ध॒	— म॑	— ध॒	— सां	सां सां
धा धान्	ऽ धा	ऽ धा	ऽ धा	ऽ ता	दा नी
×	०	२	०	३	४

सां सां	— सां	सां —	ध॒ नि	— म॑	ध॒ —
धे धेत्	ऽ दा	नी ऽ	धे धेत्	ऽ दा	नी ऽ
×	०	२	०	३	४

सां सां	— सां	नि ध॒	म॑ ग॒	— रे॒	सा सा
धे धेत्	ऽ ता	दा नी	धे धेत्	ऽ ता	दा नी
×	०	२	०	३	४

सा सा	— रे॒	ग॒ रे॒	ग॒ म॑	म॑ ध॒	— सां
धे तान्	ऽ धा	गी ना	धा गी	ना धान्	ऽ धा
×	०	२	०	३	४

— ध॒ ध॒	ध॒ —	ध॒ — ग॒	ग॒ ग॒	— रे॒	— सा सा
धा त्	धा ऽ	धा ऽ धा	त् धा	ऽ धा	ऽ धा त्
×	०	२	०	३	४

राग - तोडी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

रे करोना याद मनवा
जब करत कछु नाही सुझे मनवा ।
प्रीत दिने बीते सुखके री
अब रहियो याद मनमा
जब करत कछु नाही सुझे मनवा ॥

स्थाई

सा	रेग गरे सा
रे	ऽऽकरोना
	३

सा - - -	धग - ग गम	ग ग रे सा ग	म ध नि ध
या ऽ ऽ ऽ	द ऽ म न ऽ	वा ऽ ऽ ऽ ज	ब क र त
×	२	०	३

मप धप मग -	ग रे सा रे	गम गग रे सा	रेग ग रे सा
कऽ छुऽ ना ऽऽ	ही सु झे म	नऽ वा ऽ ऽ रे	ऽऽ क रो ना
×	२	०	३

अंतरा

मप	धप मग म ध
प्री ऽ	ऽऽ त ऽ दि न
	३

सां - - -	सां - सां रेंगं	रें सां सां सां	रेंगं रें सांनि रें सां
बी ऽ ऽ ऽ	ते ऽ सु खऽ	के ऽ री अ	ऽऽ ब र हि यो ऽ
×	२	०	३

नि ध़ – – नि	ध़ध़ मं ध़ निध़	नि नि ध़ – ग़	मं ध़ नि ध़
या ऽ ऽ ऽ	द ऽ ऽम न ऽ	मा ऽ ऽ ऽ ज	ब क र त
×	२	०	३

मंप ध़प मंग़ –	ग़ रे़ सा रे़	ग़मं ग़ग़ रे़ सा	रे़ ग़ ग़ रे़ सा
कऽ छुऽ नाऽऽ	ही सु झे म	न ऽ वाऽऽ रे	ऽऽ क रो ना
×	२	०	३

राग - भटियार (ख्याल), ताल - एकताल, लय - विलंबित

अे नंदलाल जागो रे, रैन गई, अब दिन आयो रे ।
तोरा मुख देखन सब मिलि आयो हैं
सबन को उठि दीज्यो दरस आज ॥

स्थाई
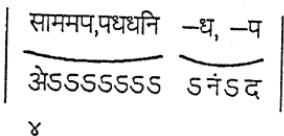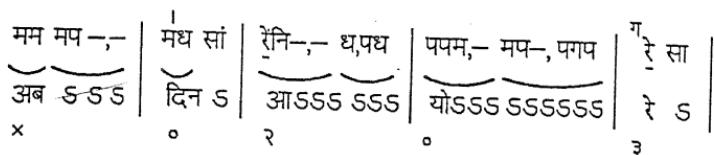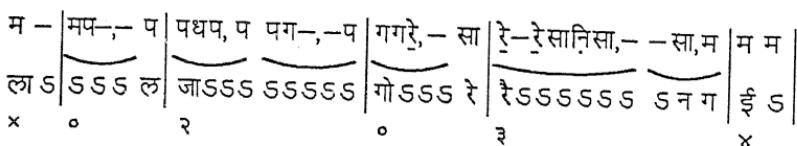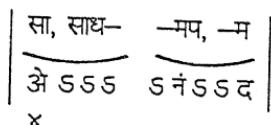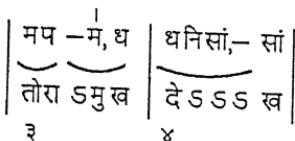
सा, साध–	–मप, –म
अे ऽऽऽ	ऽ नं ऽ ऽ द
४	

म –	मप–,– प	पधप, प	पग–,–प	गगरे॒,– सा	रे॒–रे॒सानि॒सा,–	–सा,म	म म
ला ऽ	ऽ ऽ ऽ ल	जाऽऽऽ	ऽऽऽऽऽ	गोऽऽऽ रे	रैऽऽऽऽऽऽऽ	ऽ न ग	ई ऽ
×	०	२		०	३		४

मम मप –,–	म॑ध सां	रें॒नि–,– ध,पध	पपम,– मप–, पगप	गरे॒ सा
अब ऽऽऽ	दिन ऽ	आऽऽऽ ऽऽऽ	योऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ	रे ऽ
×	०	२	०	३

साममप,पधधनि	–ध, –प
अेऽऽऽऽऽऽऽ	ऽ नं ऽ द
४	

अंतरा

मप –म॑, ध	धनिसां,– सां
तोरा ऽमुख	देऽऽऽ ख
३	४

रेंसां, – –	सांसां निरें–,–	निध पध	पपम,– मप–, पगप	गरे–,– सा
न ऽ ऽ ऽ	सब ऽऽऽऽ	मिलि ऽऽ	आऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ	यो ऽऽ हैं
×	०	२	०	३

–सारे, सानिसा म
ऽसऽबऽऽ न
४

म ममम	मप–,– म॑नि ध	सां रेंनि	ध, पध पपम,–	मप–,पगप गगरे–, सा
को उठि	ऽऽऽऽ दीज्यो	ऽ दर	सऽऽ आऽऽऽ	ऽऽऽऽऽ जऽऽऽऽ
×	०	२	०	३

धपपमप, मपधनि– –ध–प
अेऽऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽनंऽद
४

राग - भटियार, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

दीज्यो बधाई, सब मिलि आज आप
बनरा बनी के घर आयो आज ।
सब घर आनंद बरसत
मंगल सूर सब घर आज बाजत ॥

स्थाई

— म —प, धनि,ध
ऽदी ऽज्योऽऽब

धपम—,—	प — रे॒ं नि ध	प ध प म —, म	पग, रे॒ सा,—म — पधनि, ध
धाऽऽऽऽ	ई ऽस ब मि	लिआ ऽ ऽ ऽज	आऽऽ प दी ऽज्योऽऽब
×	२	०	३

ध पम—,—	प — रे॒ं नि ध	प, प ग रे॒ सा	म,—म —म पध—, प
धा ऽ ऽ ऽ	ई ऽ स ब मि	लिआऽ ऽ ज	बऽन ऽराऽ ऽ ब
×	२	०	३

प —	निध निप पध	प ध मम	पग, रे॒ सा,—म —प, धनिध
नी ऽ	केऽ घऽ रआ	योआ ऽज	आऽऽ प दी ज्यो ऽ ऽ ब
×	२	०	३

अंतरा

– – मं ध – मं, ध
सब घर
३

सां –	सां – सां	गं रें सां सां	मं, – ध –, मं – ध –
आ ऽ	नं ऽ द	ब र स त	स ब ऽ घ ऽ र ऽ
×	२	०	३

सां –	सां – सां	गं रें सां सां	सां – सां – सां
आ ऽ	नं ऽ द	ब र स त	मं ऽ ग ऽ ल
×	२	०	३

रें नि ध प	नि ध नि प प ध	प ध – म	प ग, रे सा – म – प, ध नि ध
सू र स ब	घ र आ ऽ ज बा	ऽ ज ऽ त	आ ऽ ऽ प दी ज्यो ऽ ऽ ब
×	२	०	३

राग - भटियार, ताल - त्रिताल, लय - मध्य

प्रात भयो रवि के किरन आयो हैं
ऐसो लगत सब बन पीत वसन पहनायो ।
छायो किरनबिंब बही सरितापे
ऐसो लगत सजत पीत हेम
मिलन चली सागर ॥

स्थाई

	— म —प म	प ध निंरें निनि	ध म ध प
	प्रा ऽत भ	यो र विऽ केऽ	ऽ कि र न
	२	०	३

प — म —	म, म —प म	प ध नि धध	प म ध प
आऽ ऽ ऽ	यो, प्रा ऽत भ	यो र वि केऽ	ऽ कि र न
×	२	०	३

प — म —	मप — पग प	ग रे सा —	—, मं ध सां
आऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ऽऽऽ ऽ	यो ऽ हैं ऽ	ऽ, ऐ सो ल
×	२	०	३

सां सांनि रेंनि निध	ध प प,धध पम	ध प नि ध	सांम मप पध निध
ग तऽ सऽ बऽ	ब न पीऽऽ ऽऽ	त व स न	पेऽ हेऽ नाऽ ऽऽ
×	२	०	३

प मप ग रे	सा, म —प म	प ध नि धध	प म ध प
ऽ ऽऽ ऽ ऽ	यो, प्रा ऽत भ	यो र वि केऽ	ऽ कि र न
×	२	०	३

अंतरा

मं ध सां सां	सां सां – सां
छा यो कि र	न बिं ऽ ब
२	०

सां सां सां सां	सांनि रें सां –	गं – रें – सां	सां सां रें नि
ब ही स रि	ताऽ ऽ पे ऽ	ऐ ऽसो ऽ ल	ग त स ज
×	२	०	३

ध – प ध म	प – प मंनि	धसां निरें नि ध	पध पध मप मप
त ऽ पी ऽ त	हे ऽ म मिऽ	ऽऽ ऽऽ ल न	चऽ लीऽ साऽ ऽऽ
×	२	०	३

ग रे सा म	– म म प	– ध नि धध	प म ध प
ऽ ग र प्रा	ऽ त भ यो	ऽ र वि केऽ	ऽ कि र न
×	२	०	३

प – ग रे	सा
आ ऽ ऽ ऽ	यो
×	२

राग - भटियार, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

म्हारु कंथा बिदेसा जो पतिया न आयो ।
निसदिन बाट तकत, आस जिया पिया मिलन
बिरहन सह नहि जाय ॥

स्थाई

सा सा
म्हा रु
४

ध –	– प	– प	प – ग	– रे़	सा सा
कं ऽ	ऽ था	ऽ बि	दे ऽ सा	ऽ जो	म्हा रु
×	०	२	०	३	४

सा म	– प	– प	धनि धध	पध पप	म पध
प ति	ऽ या	ऽ न	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	यो ऽऽ
×	०	२	०	३	४

ध –	– प
कं ऽ	ऽ था
×	०

अंतरा

मं ध	– धनि	सां सां	सां –	सांनि रें	सां सां
नि स	ऽ दिऽ	ऽ न	बा ऽ	टऽ त	क त
×	०	२	०	३	४

सां –	सां रें	नि –	नि ध	– म	प प
आ ऽ	स जि	या ऽ	पि या	ऽ मि	ल न
×	०	२	०	३	४

रें नि	सां ध	नि प	ध म	मम पध	नि ध
बि र	ह न	स ह	न हि	जाऽ ऽऽ	ऽ य
×	०	२	०	३	४

ध –	– प
कं ऽ	ऽ था
×	०

राग - भटियार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

कत्तान् धा धा तदानी तदानी ।
तन नित तदानी तदानी तदानी ।
तन नित तदानी तार दानी तदानी
नित दानी तदानी तदानी तदानी ॥

स्थाई

०	३
– म म प	– प ध नि ध
क त्तान् धा	ऽ धा ऽ ऽ त

×	२	०	३
ध – प –	– ध प म	– प म ध	प नि ध ध
दा ऽ नी ऽ	ऽ त दा नी	, त न नि	त त दा नी

×	२
– नि प प	– ध म म
त दा नी	ऽ त दा नी

अंतरा

०	३
मं ध मं ध	– सां सां सां
त न नि त	ऽ त दा नी

सां – सां सां सां	नि रें सां सां	रें नि सां ध	– नि ध ध
ता ऽ र दा नी	ऽ त दा नी	नि त दा नी	ऽ त दा नी
×	२	०	३

– नि प प	– ध म म
ऽ त दा नी	ऽ त दा नी
×	२

राग - अहिर भैरव, ताल - झपताल, लय - मध्य.

कैसे बताऊँ मैं तोहे
सूर देत जो आनंद मोहे मना ।
कहि ना सकत, मिले जो आनंद
जो जाने वोही ले सकत ॥

स्थाई

— — ग मध—, प
कै से ऽ ब
३

म —	मप,प —पग —,पम	गरे गरे	सा, धपम गमगमपधनिसां —धप
ता ऽ	ऊँऽऽ ऽऽऽ ऽमैंऽ	तो ऽ	हे,कैऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ से ब
×	२	०	३

म —	मप,प —पग —पम	गरे गरे	सा — — रे
ता ऽ	ऊँऽऽ ऽऽऽ मैं ऽ	तो ऽ	हे ऽ ऽ सू
×	२	०	३

सानिध	निसा,— — सा	ग —म	प — प
र ऽ ऽ	दे ऽ ऽ त	जो ऽआ	नं ऽ द
×	२	०	३

ध,पम— —	प धध— निनि—	सां —रेंसां	सांनि,धनि पग मध—प
मो ऽऽ ऽ	हे ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽमऽ	नाऽऽऽ ऽकै सेऽब
×	२	०	३

अंतरा

—म धप,प मम
क हेऽना ऽस
३

धनि,सां —	सां — —रें	सांनि,ध —	ध निसां— —सां
कऽऽ ऽ	त ऽ ऽमि	लेऽऽ ऽ	जो ऽऽऽ ऽआ
×	२	०	३

रें रें	निरें— सां —प	सां सांध,नि	प — —प
नं ऽ	ऽ ऽ द ऽजो	जा ऽऽऽ	ने ऽ ऽवो
×	२	०	३

ध,पम —	प ध नि	सां —रेंसां	सांनि धनि पग मध—प
हीऽऽ ऽ	ले ऽ ऽ	ऽ ऽसऽ	कऽ ऽऽ तकै सेऽऽब
×	२	०	३

राग - अहिर भैरव, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आजा बेगी आजा मोरा पिया
तोरे बिन चैन ना परत मैका।
सैंया तुम मोहे ना बिसरायो
दिन दिन मेरो मन झरन लागे ॥

स्थाई

		– – – रे॒ग	मप मग रे॒सा नि॒
		आऽ	ऽऽ जाऽ बेऽ गि
		०	३

रे॒ – – –	सा – रे॒ ग	म प – प	ध नि॒ सां –
आ ऽ ऽ ऽ	जा ऽ मो रा	पि या ऽ तो	रे बि ऽ न
×	२	०	३
धप मप म पग	– ग म पम	रे॒ – सा रे॒ग	मप मग रे॒सा नि॒
चैऽ ऽऽ न नाऽ	ऽ प र तऽ	मै ऽ का आऽ	ऽऽ जाऽ बेऽ गी
×	२	०	३

अंतरा

– – – म	ध पम प म
सैं	या तुऽ ऽ म
०	३

धनि सां सां –	रेंसांसां नि नि सारें	रें – सां सां	नि ध प म
मोऽ ऽ हे ऽ	नाऽऽ ऽ बि सऽ	रा ऽ यो दि	न दि ऽ न
×	२	०	३

प ध नि सां	– ग ग पग	रे – सा रेग	मप मग रेसा नि
मे रो म न	ऽ झ र नऽ	ला ऽ गे आऽ	ऽऽ जाऽ बेऽ गी
×	२	०	३

राग - अहिर भैरव, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

रे बलमवा, सुरत दिखा दे
करत तोरी याद ।
नींद न आवत, तोरे कारन
तरसाय रही मैं तो करत याद ॥

स्थाई

			सां –	– धप	म म
			रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
			०	३	४

म –	प –	ध नि॒सां	सां –	– धप	म म
वा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४
धप मग	रे॒ग मप	धनि॒ सारें॒	सां –	– धप	प म
वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४
म –	– पमम	ग –	गम प	म रे॒	– सा
वा ऽ	ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	सुऽ ऽ	र त	ऽ दि
×	०	२	०	३	४
ग –	– म	– म	प –	ध नि॒	सां –
खा ऽ	ऽ दे	ऽ क	र ऽ	त तो	री ऽ
×	०	२	०	३	४

रें रेंसां	निसां सां	सांनि धनि	सां –	– धप	प म
या ऽऽ	ऽ ऽ द	ऽ ऽ ऽऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४

अंतरा

सां –	– ध	– नि
नीं ऽ	ऽ द	ऽ न
०	३	४

रें –	– सां	– सां	ध –	धनि निसां	सारें रेंगं
आ ऽ	ऽ व	ऽ त	तो ऽ	रेऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

रें सां	– सां	– सां	सां सां	ध निप	म प
का ऽ	ऽ र	ऽ न	त र	सा ऽय	र ही
×	०	२	०	३	४

म –	– प	– प	ध –	– नि	सां –
मैं ऽ	ऽ तो	ऽ क	र ऽ	ऽ त	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

निसां निसारेंसां	– धनि	धनिसांनि –	सां –	– धप	म म
याऽ ऽऽऽऽ	ऽ दऽ	ऽऽऽऽ ऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४

राग - रामकली, ताल - झपताल, लय - मध्य

सनम काहे तुम अब तक न आयो
बलम तोरे कारन जागी सारी रैन ।
जैसे खायो पान वैसे भयो नैन
सारी रैन बहत मोरे नैन ॥

स्थाई

— ध॒ ध॒ |
स नम् |

प — | म प ग म — प प | म॑ म॑ प ध॒ | नि, ध॒ प म॑ प — प म ग म — ग [प]म |
का ऽ | हे ऽ ऽ ऽ ऽ तु म | अ ब त क | न आ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ ऽ ऽ ब लम् |
× | २ | ० | ३ |

रे॒ रे॒ सा | ध॒ ध॒ प | म ध॒ नि सां | म॑, प ध॒ प ध॒ नि ध॒, प म प ग म, ध॒ ध॒ |
तो ऽ रे | का र न | जा गी सा री | रै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ न ऽ ऽ ऽ स नम् |
× | २ | ० | ३ |

अंतरा

— ग म ध॒ — ध॒ |
जै से खा ऽ यो |

सां	सां	सां	नि सां	नि सां रें सां	ध़	ध़	प, – ग म	प म, रे़	– सा
पा	ऽ	न	वै से	भ ऽ यो ऽ	नै	ऽ	न, सा ऽ	री ऽ रै	ऽ न
×		२			०		३		

ध़	ध़	प – ग म नि ध़	सां	सां	म॑, प ध़ प	ध़ नि ध़, प म प	ग म ध़, ध़
ब	ह	त ऽ मो ऽ ऽ ऽ	ऽ	रे	नै ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	न ऽ स नम्
×		२	०		३		

राग - देवगंधार, ताल - झपताल, लय - मध्य

हम बेईमान बनियो हैं
धन और नाम चाहत हम
तप और साधन खो बैठे ।
बहिरंग पे ध्यान सब, अंतरंग भूलि गयो हैं ।
तप और साधन खो बैठे ॥

स्थाई

स्वर	– म म प सां
बोल	ह म बै ऽ
ताल	३

स्वर	ध॒ ध॒ (कण: नि॒ नि॒)	प – – नि॒	ध नि॒ ध नि॒	प, ध॒ म म म प सां
बोल	मा ऽ	न ऽ ऽ ब	न्यो ऽ ऽ ऽ	है ऽ ऽ ह म बै ऽ
ताल	×	२	०	३

स्वर	ध॒ ध॒ (कण: नि॒ नि॒)	प म प नि॒ प ग॒	सा रे – सा	रे, – नि॒ – सा – रे
बोल	मा ऽ	न ब ऽ नि ऽ यो	ऽ ऽ ऽ है	ध ऽ न ऽ औ ऽ र
ताल	×	२	०	३

स्वर	ग –	म – म प ध॒ प	ग॒ ग॒ रे सा	प, ध॒ प गं॒ रें – सां
बोल	ना ऽ	म ऽ चा ऽ ऽ ऽ	ह त ह म	त ऽ प ऽ औ ऽ र
ताल	×	२	०	३

स्वर	सां –	ध॒ प नि॒ ध	नि॒ ध नि॒ ध॒	प ध॒ म म प सां
बोल	सा ऽ	ध न खो ऽ	बै ऽ ऽ ठे	ऽ ऽ ह म बै ऽ
ताल	×	२	०	३

अंतरा

| — म प ध॒ ध॒ ध॒ |

ब हि रं ग पे

३

सां — | सां — सां | नि॒ ध नि॒ ध॒ पम प म प ध॒ नि॒ सां | सां म प ध॒ ध॒ ध॒ |

ध्या ऽ | न ऽ ऽ | स ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ब ब हि रं ग पे |

× २ ० ३

सां — | सां सां सां | ध॒ ध॒ | ध॒ ध॒सां सां |

ध्या ऽ | न स ब | अं त | रं ऽ ऽ ग |

× २ ० ३

सां, रें रें सां नि॒ | — सां — — रें सां | ध॒ प | प, ध॒ प ग॒ रें — सां |

भू ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ लि ऽ ग ऽ ऽ | यो है | त ऽ प ऽ औ ऽ र |

× २ ० ३

सां — | ध॒ प नि॒ ध | नि॒ ध नि॒ ध॒ | प ध॒ म म प सां |

सा ऽ | ध न खो ऽ | बै ऽ ऽ ठै | ऽ ऽ ह म बै ऽ |

× २ ० ३

राग - देवगंधार, ताल - एकताल, लय - द्रुत

जारे जारे काहेको सताओ ललुआ
खिलौने कित प्रकार चाहे तोहे बताओ ।
चाहे जो जो ना देऊँ, लेहो जो मैं देऊँ
और न मांगो, समझदार तुम, काहेको सताओ ॥

स्थाई

— म	प सां
जा	रे ऽ
३	४

नि॒ ध	नि॒ ध॒	प ध॒	म प — ग॒	— रे	सा रे
जा ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ	का ऽ हे ऽ	ऽ को	ऽ स
×	०	२	०	३	४

ग —	— म	— —	प — प	प म	प सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	ल ऽ लु	आ जा	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

नि॒ ध	नि॒ ध॒	प ध॒	म प — ग॒	— रे	सा रे
जा ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ	का ऽ ऽ हे	ऽ को	ऽ स
×	०	२	०	३	४

ग —	— म	— —	प ध॒ प	गं॒ रें	— सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	खि ऽ लौ	ऽ ने	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

नि॒ सां	रें सां ध॒	प प	म प – ग॒	– रे	सा रे
कि त	प्र ऽ का	ऽ र	चा ऽ हे	ऽ तो	हे ब
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– –	प – प	प म	प सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	ल ऽ लु	आ जा	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

म प	– ध॒	– ध॒	ध॒ सां	– सां	– सां
चा हे	ऽ जो	ऽ जो	ना ऽ	ऽ दे	ऽ ऊँ
×	०	२	०	३	४

नि॒ सां	नि॒ सां	– रें सां	ध॒ –	– प	– –
ले हो	ऽ जो	ऽ मैं ऽ	दे ऽ	ऽ ऊँ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

म प नि॒ सां	रें ग॒ रें	सां सां	ध॒ –	प म	प सां
औ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र	ऽ न	मां ऽ	गो स	म झ
×	०	२	०	३	४

नि॒ ध	नि॒ ध॒	प ध॒	म प – ग॒	– रे	सा रे
दा ऽ	र तु	ऽ म	का ऽ ऽ हे	ऽ को	ऽ स
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– –	प – प	प म	प सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	ल ऽ लु	आ जा	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - सालग वराळी, ताल - झपताल, लय - मध्य

सजन दरस पाऊँ मैं कैसे
दिन-रैन तोरे मिलन लागी आस, सुरत दिखा दीज्यो ।
नित तेरो ध्यान करत हूँ
आओ रे सुरत दिखा दीज्यो ॥

स्थाई

| नि॒ध पग॒ पध |
| सज नद रस |
| ३ |

नि॒ — | धप, — पग॒ — ग॒ | ग॒ग॒ रे॒, सा रे॒ग॒ — सा | सा — रे॒ सा, रे॒ग॒ — — ग॒ |
पा ऽ | ऊँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मैं | कै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ से | दि ऽ न ऽ रै ऽ ऽ न |
× | २ | ० | ३

— रे॒ ग॒ | प प प | ग॒ प | ध, धप ग॒ प ध नि॒ सां |
तो रे | मि ल न | ला गी | आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |
× | २ | ० | ३

सां नि॒ —, ध | — प — प ग॒ — ग॒, — रे॒ | — सा — सा | नि॒ ध प ग॒ प ध |
स सु ऽ र | ऽ त ऽ ऽ ऽ ऽ दि ऽ खा | ऽ दी ऽ ज्यो | स ज न द र स |
× | २ | ० | ३

अंतरा

| ग॒, – प – ध – नि॒ सां – |
| नि ऽ त ऽ ते ऽ रो ऽ ऽ |
| ३ |

सां –	सां रें॒ सां सां, नि॒	प नि॒ ध	– गं॒ – रें॒ – सां
ध्या ऽ	न क र ऽ ऽ	त ऽ हूँ	ऽ आ ऽ ओ ऽ रे
×	२	०	३

– नि॒ – ध	– प प ग॒ – ग॒ ग॒ रे॒	– सा – सा	नि॒ ध प ग॒ प ध
सु ऽ र	ऽ त ऽ ऽ ऽ दिऽखा	ऽ दी ऽ ज्यो	स ज न द र स
×	२	०	३

राग - सालग वराळी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

लेता जा लेता जा लेता जा संदेसा
पथकवा पिया जो मोरा देसा ।
दिन दिन मेरो मन झरन लागे
ये है हाल, बता दीज्यो,
पथकवा, पिया जो मोरा देसा ॥

स्थाई

– – सा सा	सारे़ रे़ग़ ग़ ग़	प – प धनि़
ले ता	जाऽ ऽऽ ले ता	जा ऽ ले ताऽ
२	०	३

धध पप ग़ ग़	रे़ सा – ग़	प ध नि़ –	– धप पग़ ग़
जाऽ ऽऽ ऽ सं	दे सा ऽ प	थ क वा ऽ	ऽ पिऽ याऽ जो
×	२	०	३

– ग़रे़ रे़ सा	– सा सा सा	सा रे़ रे़ ग़
ऽ मोऽ रा दे	ऽ सा ले ता	जाऽ ऽऽ
×	२	०

अंतरा

ग़	ग़ प – ध
दि	न दि ऽ न
	३

नि़सां सां सां सां	– नि़ सांरें रें	रें गं रें रें – सां गं	रें – सां –
मे ऽ रो म न	ऽ झ रऽ न	लाऽऽऽ ऽ गे ये	है ऽ हा ऽ
×	२	०	३

सां ध प –	ग़ – ग़ ग़	प ध नि़ –	– धप पग़ ग़
ल ब ता ऽ	दी ऽ ज्यो प	थ क वा ऽ	पिऽ याऽ जो
×	२	०	३

– ग़रे़ रे़ सा	– सा सा सा	सारे़ रे़ग़
ऽ मोऽ रा दे	ऽ सा ले ता	जाऽ ऽऽ
×	२	०

राग - ललित, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सदारंग अदारंग, तनरंग मनरंग सबरंग
रचनाकार को प्रणाम ।
रचना के अलग रंग रूप
प्रेमपिया प्राणपिया गुनीदास
शोकपिया सब तुम
रचनाकार हो महान ॥

स्थाई

— — — सां	सां — ध म ध	ध नि नि रें नि म
स	दा ऽ रं ऽ ऽ ऽ	ग ऽ अ ऽ दा ऽ
२	०	३

ध — म —	म — म म	— म म —	म रे ग ग म —
रं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ग त	ऽ न रं ऽ	ग म ऽ न ऽ ऽ
×	२	०	३

म — म ध	म — ग रे	सा ध ध ध	नि ध ध म —
रं ऽ ग स	ब ऽ रं ऽ	म र च ना	ऽ का ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

ध सां — नि	म — ध सां	सां — म ध म ध	ध नि नि रें नि म
र को ऽ प्र	णा ऽ म स	दा ऽ रं ऽ ऽ ऽ	ग ऽ अ ऽ दाऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — — ध॒	ध॒ ध॒ नि ध॒ ध॒	म॑ ध॒ सां सां
र	च ना ऽ के ऽ	ऽ अ ल ग
२	०	३

सां — — सां	सां — सां ध॒	— ध॒ ध॒ सां —	— ध॒ नि रें॒
रं ऽ ऽ ग	रू ऽ प प्रे	ऽ म पि या ऽ	ऽ प्रा ण पि
×	२	०	३

रें॒ — — रें॒	नि ध॒ — ध॒	ध॒ ध॒ म॑ ग म॑ ध॒	— ध॒ — म॑
या ऽ ऽ गु	नी दा ऽ स	शो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ क ऽ पि
×	२	०	३

म — — म॑	ग रे॒ — सा	— ध॒ ध॒ ध॒	नि ध॒ ध॒ म॑ —
या ऽ ऽ स	ब तु — म	ऽ र च ना	ऽ का ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

ध॒ सां — नि	म॑ — ध॒ सां	सां — म॑ ध॒ म॑ ध॒	ध॒ नि नि रें॒ नि म॑
र हो ऽ म	हा ऽ न स	दा ऽ रं ऽ ऽ ऽ	ग ऽ ऽ ऽ दा ऽ
×	२	०	३

राग - आसावरी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

ए मोरे आँगनमाँ
कगवा बोलन लागे आज ।
भइला सगुन आलेरी
देत खबर पिया आवन, आज ॥

स्थाई
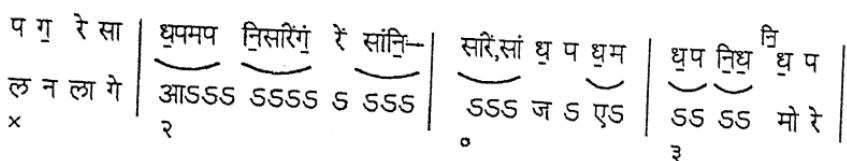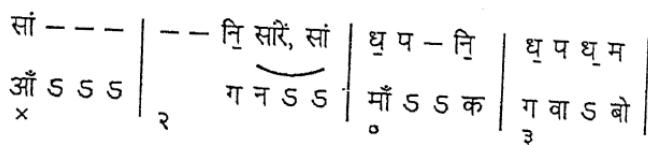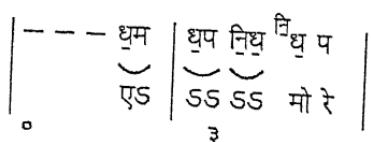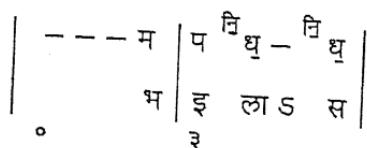
– – – ध॒म	ध॒प नि॒ध॒ नि॒ध॒ प
एऽ	ऽऽ ऽऽ मो रे
०	३

सां – – –	– – नि॒ सारें, सां	ध॒ प – नि॒	ध॒ प ध॒ म
आँ ऽ ऽ ऽ	ग न ऽ ऽ	माँ ऽ ऽ क	ग वा ऽ बो
×	२	०	३

प ग॒ रे सा	ध॒पमप नि॒सारेंगं॒ रें सांनि॒–	सारें,सां ध॒ प ध॒म	ध॒प नि॒ध॒ नि॒ध॒ प
ल न ला गे	आऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ज ऽ एऽ	ऽऽ ऽऽ मो रे
×	२	०	३

अंतरा

– – – म	प नि॒ध॒ – नि॒ध॒
भ	इ लाऽ स
०	३

सां – – –	– सां रेंरें सांनि॒	सां – – म	प ध॒ – ध॒
गु ऽ ऽ ऽ	ऽ न आऽ लेऽ	री ऽ ऽ भ	इ ला ऽस
×	२	०	३

सां –सां रेंरें सांनि॒	सां – मप नि॒सां	रेंगं॒ रें – सां	रेंरें सांनि॒ नि॒सां रेंसां
गु ऽ न आऽ लेऽ	री ऽ देऽ ऽऽ	ऽऽ त ऽ ख	बऽ रऽ पिऽ याऽ
×	२	०	३

ध॒ – प प	ध॒पमप नि॒सारेंगं॒ रें सांनि॒–	सारें,सां ध॒ प ध॒म	ध॒प नि॒ध॒
आ ऽ व न	आऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ज ऽ एऽ	ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

राग - देसकार, ताल - रूपक, लय - मध्य.

अब तुम मानो अरज करत मैं
पिया अब सौतन घर ना जाओ ।
रतिया अंधेरी, चमकत बिजली
जिया डर लागे अब ना जाओ ॥

स्थाई

सा धप	–ध सां
अ बऽ	ऽतु म
२	३

सां – धप–	– गप	–प ध–	पग– गरे,सा सा	सा रे	ध़ सा
मा ऽ नोऽऽ	ऽ अर	ऽज कऽ	रऽऽ तऽऽ मैं	पि या	अ ब
×	२	३	×	२	३

ध प ध	ध सां	धसां रेंगं,रें	सां – धप–	सा धप	–ध सां
सौ त न	घ र	ऽना ऽऽऽ	जा ऽ ओऽऽ	अ बऽ	ऽतु म
×	२	३	×	२	३

अंतरा

ग प	प धसां,ध
र ति	या ऽऽऽ
२	३

सां सां सां	ध सां	–सां रेंसां	सां ध सां ध प	ग प	–ध सां
अं धे री	च म	ऽक ऽत	बि ज ली	जि या	ऽड र
×	२	३	×	२	३

सां सांध– प	ग प	– धप	ग रेसा– सा	सा धप	–ध सां
ला ऽऽऽ गे	अ ब	ऽ नाऽ	जा ऽऽऽ ओ	अ बऽ	ऽतु म
×	२	३	×	२	३

राग - देसकार, ताल - रूपक, लय - द्रुत.

जा जा तोसे नाहीं बोलुँगी सैंया
हमें ना बुलाओ, हमें ना तरसाओ
जाओ जाओ पास न आओ रे सैंया ।
मैं तो जागी सारी रैन, तोरे संग छैला
अब ना छेडो मोरी निंदिया
थाकी हूँ मैं सैंया ॥

स्थाई

सां – सां	सा –	प ध सां	ध – –	ध –	– –
जा ऽ ऽ	जा ऽ	तो से ऽ	ना ऽ ऽ	ही ऽ	ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

सां ध प ग	प –	– –	प ध ध –	रें सां सां ध	सां प ध
बो लुँ ऽ ऽ	गी ऽ	ऽ ऽ	सैं ऽऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

प प –	प –	प ध प	ग ग रे सा	सा –	– –
ह में ऽ	ना ऽ	ऽ ऽ बु	ला ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ	ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

सा रे –	ध –	सा सा	ध – –	धपप ग	ग रेसा
ह में ऽ	ना ऽ	त र	सा ऽ ऽ	ओऽऽ ऽ	ऽ ऽऽ
×	१	२	×	१	२

ग प –	ध –	ध –	सां – –	सां –	सां –
जा ओ ऽ	जा ऽ	ओ ऽ	पा ऽ ऽ	स ऽ	न ऽ
×	१	२	×	१	२

प सां ध –	ग –	प –	प – –	पपध सारेंगं	रें सां –
आ ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ	रे ऽ	सैं ऽ ऽ	याऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

अंतरा

ग – प –	ध –	ध –	सां सां –	सां –	सां –
मैं तो ऽ ऽ	जा ऽ	गी ऽ	सा री ऽ	रै ऽ	न ऽ
×	१	२	×	१	२

ध सां सां रें रें गं	गं रें सां सां	ध –	रें सां –	सां –	ध –
तो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	सं ग ऽ	छै ऽ	ला ऽ
×	१	२	×	१	२

सां सां सां	प ध प	ध सां ध	ध ध –	ध –	– –
अ ब ना	छे डो ऽ	मो री ऽ	निं दि ऽ	या ऽ	ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

ध प –	ग रे सा	सा –	प – –	पपध सारेंगं	रें सां –
था की ऽ	हूँ ऽ ऽ	मैं ऽ	सैं ऽ ऽ	याऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

राग - देसकार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

नितदानी तारे तारेदानी, तारेदानी
नितदानी तादानी तादानी तादानी ।
दुतन तारेदानी दीम् दीम्
तारेदानी तदानी तदानी तदानी ॥

स्थाई

			सां सां प ध
			नि त दा नी
			३
सां — — —	धप — ग प	प ध सांध ध —	सां सां प ध
ता ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ता रे	दाऽ ऽऽ नी ऽ	नि त दा नी
×	२	०	३
सां — — —	धप — सां सां	पसां धप गप धसां	सां सां प ध
ता ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ता रे	दाऽ ऽऽ नीऽ ऽऽ	नि त दा नी
×	२	०	३
सां — — —	धप — प धसां	ग प — सां	सां प ध रें
ता ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ता रेऽ	दा नी ऽ ता	रे दा नी नि
×	२	०	३
सांसां प ध सां	सां सां ग प	प ध प ध	
त ऽ दा नी ता	दा नी ता दा	नी ता दा नी	
×	२	०	

अंतरा

प	ध	प	प	धसां	
दृ	त	न	ता	रेऽ	
	३				

ध	—	—	—	ध	—	सां	प	सां	ध	—	सांरें	गंरें	सां	—	धप
दा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	दी	म्	दी	म्	ऽ	ताऽ	रेऽ	दा	ऽ	नीऽ
×				२				०				३			

ग	प	ग	प	प	ध	प	ध	प	सां	प	ध
त	दा	ऽ	नी	त	दा	ऽ	नी	त	दा	ऽ	नी
×				२				०			

राग - देसकार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रूठनेवाले फेर काहे तू आयो, आयोरे
जानत हूँ तो तेरो रे झूठो राग ।
सच करत प्रीत वोही रूठ जात
जानत मैं तोरी प्रीत और राग ॥

स्थाई

	– – साग –ग रूऽ ऽठ २	प ध सां सां ने वा ले फे ०	–सां प धसां ध ऽर का हेऽ तू ३
सां ध – ध सांध आ ऽ यो आऽ ×	धप ग साग –ग योऽ रे रूऽ ऽठ २	प ध सां सां ने वा ले फे ०	–सां प धसां ध ऽर का हेऽ तू ३
ध – ध – आ ऽ यो ऽ ×	– – धसां धसां ऽ ऽ जाऽ ऽऽ २	प ध सां रें न त हूँ तो ०	– गंरें सांसां ध ऽ तेऽ रोऽ रे ३
– सां सां पसां ऽ झू ठो राऽ ×	धप ग साग –ग ऽऽ ग रूऽ ऽठ २	प ध सां सां ने वा ले फे ०	–सां प धसां ध ऽ र का हेऽ तू ३

अंतरा

– – ग प	ध सां ध सां	– सां सांरें सांसां
स च	क र त प्री	ऽ त वोऽ हीऽ
२	०	३

– प ध सांध	– ध सांरें गंरें	सां सां सां ध –	सां सां पध प
ऽ रू ठ जाऽ	ऽ त जाऽ ऽऽ	न त मैं ऽ	तो री प्रीऽ ऽ
×	२	०	३

ध सां सां पसां	धप ग साग –ग	प ध सां सां	–सां प धसां ध
त औ र राऽ	ऽऽ ग रूऽ ऽठ	ने वा ले फे	ऽ र का हेऽ तू
×	२	०	३

राग - देसकार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जाने दे जाने देरे बलमा
राखो ना मनमा कल जो बतिया ।
धरो ना अब राग पिया रे
करत अरज बोलो ना रे
राखो ना मनमा कल जो बतिया ॥

स्थाई

		सा	ध प ध सां
		जा	ने दे जा ने
			३
सां — — —	धपप ग प धसां	सांध पप ग सा	ध प ध सां
दे ऽ ऽ ऽ	रेऽऽ ऽ ब लऽ	माऽ ऽऽ ऽ जा	ने दे जा ने
×	२	०	३
सां — — धपप	— ग प गरे	सा सा ध़ सा	— ध प ध
दे ऽ ऽ रेऽऽ	ऽ ब ल माऽ	ऽ रा खो ना	ऽ म न मा
×	२	०	३
— सां ध सां	— ग प पध	पधसांध — पग सा	ध प ध सां
ऽ क ल जो	ऽ ब ति याऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ जा	ने दे जा ने
×	२	०	३

अंतरा

सा	ग प धसां ध	
ध	रो ना अऽ ब	
	३	

सां — — —	[सां]ध — सां रें	गरें सांसां — सां	ध सां — ध
रा ऽ ऽ ऽ	ग ऽ पि या	रेऽ ऽ ऽ ऽ क	र त ऽ अ
×	२	०	३

प ध — ग	पग गरे सा सा	— सा ध़ सा	— ध प ध
र ज ऽ बो	लोऽ नाऽ ऽ रे	ऽ रा खो ना	ऽ म न मा
×	२	०	३

— सां ध सां	— ग प पध	पधसांध — पग सा	ध प ध सां
ऽ क ल जो	ऽ ब ति याऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ जा	ने दे जा ने
×	२	०	३

राग - देसकार, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

कुहू कुहू कूक करत कोयलिया
बेचैन मन मोरा घर नाही रसिया ।
करो ना पुकार अरी ओ कोयलिया
कूक सुन कलेजवा अकुलाय, घर नाही रसिया ॥

स्थाई

सा ध	प ध	सां –
कु हू	ऽ कु	हू ऽ
०	३	४

सांध पप	धसां सांध	पप ग	सा ग	– प	–ध सां
कूऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ क	कु हू	ऽ कु	हू ऽ
×	०	२	०	३	४
ध –	– ध	– –	सां सां	– ध	सांध पप
कू ऽ	ऽ क	ऽ ऽ	क र	ऽ त	ऽऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४
प ध	प गरे	ग रेसा	सा रे	– ध़	सा सा
को य	लि याऽ	ऽ ऽऽ	बे ऽ	ऽ चै	ऽ न
×	०	२	०	३	४
प –ध	– ग	– प	सां सां	– ध	सांसां धप
म ऽन	ऽ मो	ऽ रा	घ र	ऽ ना	हीऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प —ध	सांध सांध	पग —	प —ध	सां प	—ध सां
र ऽसि	ऽऽ याऽ	ऽऽ ऽ	कु ऽहू	ऽ कु	हू ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग प	— प	धसां ध	सां —	— सां	— —
क रो	ऽ ना	ऽऽ पु	का ऽ	ऽ र	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सां सां	— पसां	ध सां	प ध	ग प	— —
अ री	ऽ ओऽ	ऽ ऽ	को य	लि या	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

ध —	प ध	— प	ग ग	पग गरे	सा —
कू ऽ	क सु	ऽ न	क ले	जऽ वाऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सा ग	— प	ध ध	सां सां	— ध	सांसां धप
अ कु	ऽ ला	ऽ य	घ र	ऽ ना	हीऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प —ध	सांध सांध	पग —	प —ध	सां प	—ध सां
र ऽसि	ऽ ऽ याऽ	ऽऽ ऽ	कु ऽहू	ऽ कु	ऽहू ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - देशी, ताल - रूपक, लय - मध्य.

तोपे वारू तन मन
आज जो सुनायो, मेरे नैन भर आयो ।
लय सूर मेल अजब सुनायो
सुध राग रूप सुन, मेरे नैन भर आयो ॥

स्थाई

– रेम
तोपे
३

परे	–ग़	सा	रे,–नि़	–सा	–सा,	मम	प –	–ध	मप	ग़रे	–	पसांनि़सां
वाऽ	ऽरू	ऽ	तऽन	ऽम	ऽन,	आज	जोऽ	ऽसु	नाऽ	योऽ	ऽ	मेऽरेऽ
×			२		३		×		२		३	

नि़सां,–	पध़	प	मप	–ग़	रे रे	रेम
नैऽऽ	ऽन	ऽ	भर	ऽआ	ऽयो	तोपे
×			२		३	

अंतरा

– म,–म	–ध	–प
लऽय	ऽसू	ऽर
२	३	

सां – सां	निनि सारेंमंगं	रेंगं रेंसां,–	निसां,– –प	सां –सां	–सां –प
मे ऽ ल	अज बऽऽऽ	ऽऽ सुऽऽ	नाऽऽ ऽयो	सु ऽध	ऽ रा ऽग
×	२	३	×	२	३

सां –प –	ध पम,म	– पसांनिसां	निसां,– पध प	मप –ग	रेरे रेम
रू ऽप ऽ	सु ऽऽन	ऽ मेऽरेऽ	नै ऽ ऽ ऽन ऽ	भर ऽआ	ऽयो तोपे
×	२	३	×	२	३

राग - देशी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

दारा दीम् दारा दीम् दरानी
दीम् दारा दीम् दारा दारा दीम् दारा दीम् ।
दारा दीम् दारा दीम् दरानी
दीम् दारा दीम् दारा दारा दीम् दारा दीम् ॥

स्थाई

रे	ग॒ रे —ग॒ सा	रे नि़ —सा प	
दा	रा दी ऽम् दा	रा दी ऽम् द	
	०	३	

ग॒ — रे ग॒	सारे — सा , सा	रे नि़ —सा रेम	मप पसां पध॒
रा ऽऽऽ	नीऽ ऽ ऽ , दा	रा दी ऽम् दाऽ	राऽ दीऽ ऽम द
×	२	०	३

ग॒ — रे ग॒	सारे — सा , ध	—ध प प ध॒	—ध॒ प प प
रा ऽऽ ऽ	नीऽ ऽ ऽ , दी	ऽम् दा रा दी	ऽम् दा रा दा
×	२	०	३

सां सां —प म	प —ग॒ रे सा
रा दी ऽम् दा	रा ऽदी म् दा
×	२

अंतरा

म	म प –प ध	ध प –प सां
दा	रा दी ऽम् दा	रा दी ऽम् द
	०	३

सां – – प	ध॒ ध॒ प , गं॒	–गं॒ रें सां सां	–सां प प प
रा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ , दी	ऽम् दा रा दी	ऽ म् दा रा दा
×	२	०	३

सां प –ध म	प रे –ग॒ सा
रा दी ऽम् दा	रा दी ऽम् दा
×	२

राग - बिलावल, ताल - झपताल, लय - मध्य

आज बना बन ब्याहन आयो
घर नौबत बाजे रे ।
सीस सेरा बिराजत
और नयन कजरा
सजत सज आयो रे ॥

स्थाई

	साग— गप—	पधध,प —ग मप,म
	आ ऽ	ऽ ज ऽऽब
	०	३

ग —	गरे— गनि— सा	साग— गरे	गप— — प
ना ऽ	ब ऽ न	ब्या ऽ ऽऽ	ह ऽ न
×	२	०	३

पधध, प —	प,—प ग,—म रेग,—	$^{\text{प}}$ग $^{\text{प}}$ग	प — प
आऽऽऽ ऽ	यो ऽ ऽ ऽ रे ऽ	घ र	नौ ऽ ब
×	२	०	३

पपधनि सां,—नि	धप गम रेग—	साग— गप—
तऽऽऽ ऽऽऽ	बाऽ जेऽ रेऽ	आऽऽ ऽऽऽ
×	२	०

अंतरा

पधधप —गम	रेग,प —धनि सांनि
सीऽऽऽ ऽसऽ	ऽऽसे ऽराऽ ऽबि
०	३

सां सां	सां निसां— सां	ध नि	सां गंरें— सां
रा ऽ	ज ऽ त	औ र	न य ऽ न
×	२	०	३

सांरेंसांसां —	(नि)ध (नि)धप	सा गरे	ग प प
कऽजऽ ऽ	रा ऽ ऽ	स जऽ	त स ज
×	२	०	३

पपधनि सां,—नि	धप गम रेग—	साग— गप—
आऽऽऽ ऽ ऽ ऽ	योऽ ऽऽ रेऽ	आऽऽ ऽऽऽ
×	२	०

राग - बिलावल, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सावरिया नींद न आवत, सावरिया
गरज गरजत अत जोर बरसत
सावनकी बदरिया ।
एक तो डर लागे रैन अंधेरी
दूजे बिजली चमकत
और बैरी बिरहा मारे कटरिया ॥

स्थाई

	– – प सांसां	धप मग रेग गप	– पध निसां नि
	सा व ऽ	रिऽ याऽ ऽऽ नींऽ	ऽ दऽ ऽऽ न
	२	०	३
सां – निध निध	प प प धप	गग रेग – सा	ग रे ग प
आ ऽ ऽ ऽ	व त सा वऽ	रिऽ याऽ ऽ ग	र ज ग र
×	२	०	३
प प पनि धनि	निसां – सां ध	नि ध प पनि	धनि प म ग
ज त अऽ तऽ	जोऽ ऽ र ब	र स त साऽ	ऽऽ व न की
×	२	०	३
रे ग प प	पध पध पध निध	धप मग रेग ग	प पध निसां नि
ऽ ब द री	याऽ ऽऽ साऽ ऽऽ	वऽ रिऽ याऽ नीं	ऽ दऽ ऽऽ न
×	२	०	३

अंतरा

— — — सा	धध पप गप धप	गम —रे ग ग	प पध निसां नि
ए	कऽ तोऽ डऽ रऽ	लाऽ गे ऽ रै	ऽ नऽ ऽ ऽ अं
×	२	०	३

सां — सां —	ध नि सांरें गंरें	सां — ध नि॒	ध प साग —
धे ऽ री ऽ	दू जे बिऽ जऽ	ली ऽ च म	क त औऽ ऽ
×	२	०	३

रे ग प नि	ध नि सांनि ध	प पनि॒ धनि॒ प	म ग रे ग
र बै ऽ री	ऽ बि र ऽ हा	ऽ माऽ ऽऽ ऽ	ऽ रे ऽ क
×	२	०	३

प प रे गप	ग पध प सांनि	धप मग रेग ग	प पध निसां नि
ट रि या ऽऽ	ऽ ऽऽ सा व ऽ	रिऽ याऽ ऽऽ नीं	द ऽऽ ऽऽ न
×	२	०	३

राग - बिलावल, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

संदेसा कैसे भेजूँ मैं,
सैंया जो बिदेसा
कागा रूठे, भौरा रूठे
रूठ बैठे पथकवा भी ।
अरज करत सबनकी
कहते हैं तकत बाट हम हमरे प्रीतमकी ॥

स्थाई

ग ग	प ^{नि}ध	– नि
सं दे	सा कै	ऽ से
०	३	४

सां सां	धनि̱ धनि̱	पध पध	ध ध	नि̱ ध	– प
भे ऽ	जूँऽ ऽऽ	मैंऽ ऽऽ	सैं या	ऽ जो	ऽ बि
×	०	२	०	३	४

ध ग	– म	रेग –	साग गम	गम रे	गप प
दे ऽ	ऽ ऽ	सा ऽ	काऽ गाऽ	ऽऽ ऽ	रूऽ ठे
×	०	२	०	३	४

पध धनि̱	धनि̱ प	म ग	पनि नि	ध नि	सां सां
भौऽ राऽ	ऽऽ ऽ	रू ठे	रूऽ ऽ	ठ बै	ऽ ठे
×	०	२	०	३	४

सां सां	सांनि धनि̱	धनि̱ प
प ध	कऽ वाऽ	ऽऽ भी
×	०	२

अंतरा

पध निध	धप मग	रेग प
अऽ रऽ	जऽ कऽ	रऽ त
०	३	४

ध नि	सांनि रें	सां –	निसां गंरे	सां –	ध प
स ब	न ऽ की	ऽ ऽ	कऽ हऽ	ते ऽ	हैं ऽ
×	०	२	०	३	४

सां सां	सांनि ध	नि प	पध ध	ध प	म ग
त क	तऽ बा	ऽ ट	हऽ म	ह म	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

पसां निसां	धनि धनि	पध पध
प्रीऽ ऽऽ	तऽ मऽ	कीऽ ऽऽ
×	०	२

राग - देवगिरी बिलावल, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जाने दे लंगरवा मैका
बिनती करत हूँ, छांड दे मोहे ।
पनिया भरन मैं चली जात
अब न करो हमसंग बरजोरी
पाँव परू मैं, छांड दे मोहे ॥

स्थाई

सा –रे ग रे	सा – ध़ प़
जा ऽने ऽ दे	लं ऽ ग र
०	३

ग – – –	– – ग रे	ग ग प प	ध नि सां –
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मै का	बि न ती क	र त हूँ ऽ
×	२	०	३

सां – धप मम,ग	– रेग – रे	सा –रे ग रे	सा – ध़ प़
छां ऽ डऽ देऽऽ	ऽ मोऽ ऽ हे	जा ऽने ऽ दे	लं ऽ ग र
×	२	०	३

अंतरा

ग प – नि	ध नि सां सां
प नि ऽ या	ऽ भ र न
०	३

नि —रें गं रें	सांनि ध — प	ध नि सां रें	सां — ध प
मैं ऽऽ ऽ च	लीऽ जा ऽ त	अ ब न क	रो ऽ ह म
×	२	०	३

रे ग पग म	ग रेसा सा —	— ग प प	धनि सां सां —
सं ग बऽ र	जो ऽऽ री ऽ	ऽ पाँ व प	रूऽ ऽ मैं ऽ
×	२	०	३

सां — धप मम,ग	— रेग — रे	सा —रे ग रे	सा — ध़ प़
छां ऽ डऽ देऽऽ	ऽ मोऽ ऽ हे	जा ऽने ऽ दे	लं ऽ ग र
×	०	२	३

दोपहर और सांज के राग

राग - गौडसारंग, ताल - रूपक, लय - मध्य.

सैंया कैसे आऊँ, आऊँ तोरे मिलन
घन गरजत और बरसत ।
डर लागे सैंया, घर मोहे रे
जिया तरसत मेहा बरसत ॥

स्थाई

ग मप, रे	—सा रेसा
सैं ऽऽ या	ऽ कै ऽ से
२	३

ग — ग	सागरेम गपधप	मग,—रे —सा	ग — ग	ग रे म ग	प,पनि धनि,प
आ ऽ ऊँ	सैंऽऽऽ ऽऽऽऽ	याऽऽकै ऽ से	आ ऽ ऊँ	आऽ ऊँऽ	ऽतोऽ रेऽऽ
×	२	३	×	२	३

—पध पप,म ग	सा रेसा	—ग रेम	ग — ग	प धनिधपप	—पध पप—
ऽमिऽ लऽन ऽ	घ नऽ	ऽग रऽ	ज ऽ त	औ रऽऽऽऽ	ऽबऽ रऽऽ
×	२	३	×	२	३

म ग ग	सागरेम गपधप	मग,—रे —सा
स ऽ त	सैंऽऽऽ ऽऽऽऽ	याऽऽकै ऽसे
×	२	३

अंतरा

गरे मग	—पध पप—
डऽ रऽ	ऽलाऽ गेऽऽ
२	३

सां – सां	सां रेंसां	–सां गंरेंमंगं	पं रें – सां	सां –धप	–म ग
सैं ऽ या	घ र ऽ	ऽमो ऽऽऽऽ	हे ऽ रे	जि ऽयाऽ	ऽत र
×	२	३	×	२	३

ग रे म ग	प धनिधपप	–पध पप–	म ग ग
सऽ ऽ त	मे हाऽऽऽऽ	ऽबऽ रऽऽ	स ऽ त
×	२	३	×

राग - गौडसारंग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बदरा जा जाज्योरे
गरजत तू जा पियाके देसवा ।
पियासे बता छाँड परदेसा
तरसन जिया मोरा, बेगि आवो घरवा ॥

स्थाई

ग रे सा –
ब द रा ऽ
३

ग – – –	ग मप रे –	सा – पध पप	ग रे सा –
जा ऽ ऽ ऽ	जा ऽऽ ज्यो ऽ	रे ऽ आऽ जऽ	ब द रा ऽ
×	२	०	३

ग – – –	ग मप रे –	सा – ग रे	म ग पध पप
जा ऽ ऽ ऽ	जा ऽऽ ज्यो ऽ	रे ऽ ग र	ज त तूऽ ऽऽ
×	२	०	३

सां रें सांनि धप	– सां – धप	– म ग मप	ग रे सा –
जा ऽ पिऽ याऽ	ऽ के ऽ देऽ	ऽ स वा ऽऽ	ब द रा ऽ
×	२	०	३

अंतरा

पध पप प सां
पिऽ याऽ से ब
३

सां – – प	– नि सां रें	सां – धप –	पध पप प सां
ता ऽ ऽ छाँ	ऽ ड प र	दे ऽ साऽ ऽ	पिऽ याऽ से ब
×	२	०	३

सां – प –	नि सां रें सां	– धप ग रे	म ग पध पप
ता ऽ छाँ ऽ	ड प र दे	ऽ साऽ त र	स त जिऽ याऽ
×	२	०	३

सां रें सां –	प सां – प	– ग ग मप	ग रे सा –
मो रा बे ऽ	गि आ ऽ वो	ऽ घ र वाऽ	ब द रा ऽ
×	२	०	३

राग - मदमाद सारंग, ताल - झपताल, लय - मध्य.

कहेलादे जारे भवरा रे,
पिया मोरा जो देसा, कहियो सँदेसा ।
पूछे जो पिया तोहे रे
बता देओ, काहे छांड गयो परदेसा ॥

स्थाई

–म पनि॒नि॒प –रे
ऽक हेऽलाऽ ऽदे
३

म –	म प प	नि॒,नि॒प पम,म	मम पनि॒नि॒प –रे
जा ऽ	रे भ व	राऽऽ ऽऽऽ	रेक हेऽलाऽ ऽदे
×	२	०	३
म –	म प प	नि॒पप,म –	मरे– सानि॒सारे –सा
जा ऽ	रे भ व	राऽऽऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ रे
×	२	०	३
नि॒ सा	रेम,म – म	म म म,पनि॒	मम पनि॒– प
पि या	मोऽऽ ऽ रा	जोऽ ऽऽऽ	देऽ ऽऽऽ सा
×	२	०	३
म प	पनि॒– नि॒सां– –म	प पनि॒पप	मम पनि॒नि॒प –रे
क हि	योऽऽ ऽऽऽ ऽसँ	दे साऽऽऽ	ऽक हेऽलाऽ ऽदे
×	२	०	३

अंतरा

म म	पनि॒पप मम– नि॒प	सां सां	सांनि॒– सरें– सां
पू छे	जोऽऽऽ ऽऽऽ पिया	तो ऽ	हे ऽ ऽ ऽऽऽ रे
×	२	०	३

प रेंसां	सरें,रें –,सांनि॒ सां	म पनि॒,प	प मरे– म
ब ताऽ	देऽऽ ऽ ऽ ऽ ओ	का हेऽऽ	छां ऽऽऽ ड
×	२	०	३

म प	सां नि॒ सां सां	सां म पनि॒पप	मम पनि॒नि॒प –रे
ग यो	प ऽ र	दे साऽऽऽ	ऽक हेऽलाऽ ऽदे
×	२	०	३

राग - मदमाद सारंग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

लागेना पिहरुवा मोरा रे मनवा ।
कछु ना सूझत पियारे
आरे आ तोरे बिन भयो रे
उदास मोरा रे मनवा ॥

स्थाई

मम पसां नि॒नि॒ पप	नि॒पपम – पनि॒ प
लाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ गे
०	३

प म – –	– म प म	प – – म	पनि॒ नि॒ सां –
ना ऽ ऽ ऽ	ऽ पि ह रु	वा ऽ ऽ मो	राऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

नि॒प – – रे	म मप मपनि॒प –	मम पसां नि॒नि॒ पप	नि॒पपम – पनि॒ प
रेऽ ऽ ऽ म	न वाऽ ऽऽऽऽ ऽ	लाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ गे
×	२	०	३

अंतरा

म म – म	पनि॒ नि॒ नि॒ –
क छु ऽ ना	ऽऽ सू झ ऽ
०	३

सां – – –	नि॒प नि॒ सां सां	नि़ सा – रे	म म प म
त ऽ ऽ ऽ	ऽऽ पि या रे	आ रे ऽ आ	ऽ तो रे बि
×	२	०	३

प – निनि पम	पनि सां – रें	रेंसां निसां – प	म प नि सां
न ऽ भऽ योऽ	रेऽ ऽ ऽ उ	दाऽ ऽ ऽ ऽ स	ऽ मो रा ऽ
×	२	०	३

निप – – रे	म मप मपनिप –	मम पसां निनि पप	निपपम – पनि प
रेऽ ऽ ऽ म	न वाऽ ऽऽऽऽ ऽ	लाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ गे
×	२	०	३

राग - मधुवंती, ताल - झपताल, लय - मध्य.

चलोना पिया रंगमेहेला
टेर करत तोसे ।
पिया तोपे मैं तनमन
वारूँ, चेरी रहूँगी जनमकी ॥

स्थाई

			– – ग॒ मं
			चलो
			३
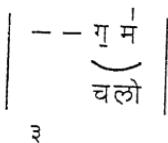
प प	धपप,मं पनि॒,ध धप	मं ग॒ ग॒	सारे– रेसा ग॒मं
ना ऽ	ऽऽऽऽ पिऽऽ याऽ	रं ग	मेऽऽ हेला चलो
×	२	०	३

प प	धपप,मं पनि॒,ध धप	रे,रेसा नि॒सा–	मं,मंग॒ साग॒– मं
ना ऽ	ऽऽऽऽ पिऽऽ याऽ	टेऽऽ ऽऽऽ	रऽऽ ऽऽऽ क
×	२	०	३

पनि,सां धप	धपमंप –,ग॒सा ग॒ मं
रऽऽ तऽ	तोऽऽऽ ऽसेऽ चलो
×	२

अंतरा

			– – ग॒ मं
			पिया
			३
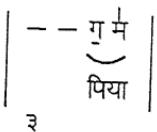
पनि– –	सां – सां	नि नि	सां गं रेंसां
तोSS S	पे S मैं	त न	म S नS
×	२	०	३

रेंसांनिसां –	निधपमं ग –	रे,रेसा निसा–	मं,मंग सागु– मं
वाSSS S	रूँSSS S S	चेSS SSS	रीSS SSS र
×	२	०	३

पनि– सां	ध ध प	मं ग	रे सा ग मं
हूँSS S	गी S S	ज न	म की चलो
×	२	०	३

राग - मधुवंती, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

नैना जल बरसन लागी
पिया कित छिपाऊं याद तोरी मनमाँ ।
पिया ये मैं दुख कासे कहूं
बिरह मन दिन बीत जात ॥

स्थाई

— — ग॒मं पध	प — ग॒ ग॒	नि॒ सा ग॒ मं
नैऽ ऽऽ	ना ऽ ज ल	ब र स न
२	०	३

प — मं प	ग॒ सा ग॒ मं	प प निसां ध	— प मं प नि॒ध
ला ऽ ऽ ऽ	गी ऽ पि या	कि त छिऽ पा	ऽ ऊंऽ या ऽऽ
×	२	०	३

धप मं प ग॒	ग॒ मं ग॒मं पध	प —
दऽ तो री म	न माँ नैऽ ऽऽ	ना
×	२	०

अंतरा

ग॒ मं — प	— धध पमं प
पि ा ऽ ये	ऽ मैंऽ दुऽ ख
०	३

सां — नि सां	गं॒रें रेंसां सां —	नि ध ध पमं	ग॒ ग॒मं पध ध
का ऽ ऽ से	ऽऽ कऽ हूं ऽ	बि र ह मऽ	न दिऽ ऽऽ न
×	२	०	३

निध	—ध	प	मं	पग	गमं	पध	प	—	(मं)ग	ग
बीऽ	ऽत	ऽ	जा	ऽत	नैऽ	ऽऽ	ना	ऽ	ज	ल
×				२			०			
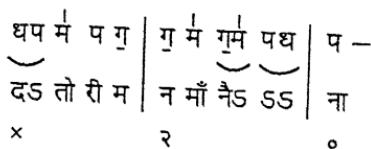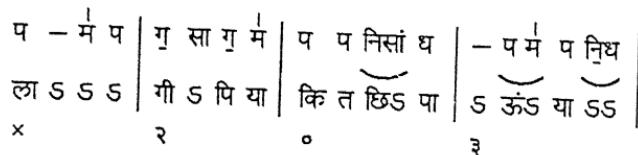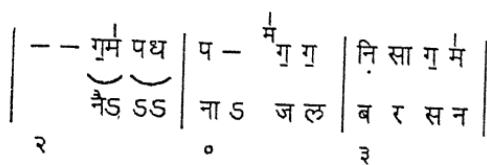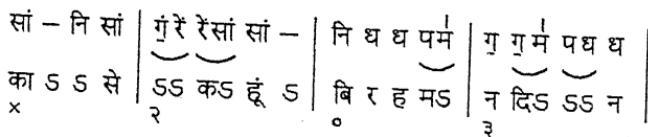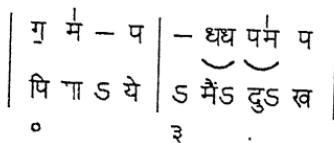
राग - भीपमलासी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

अब ना घर आयो शाम
जिया डर मोहे लागे
सांझ भई बावरी मैं तो ।
धेनू सब आये, पाछे न आये शाम
सखी कैसे कहूँ मैं तो
सूझे ना कछु काम ॥

स्थाई

ग॒ मप–	पसांनि॒सां पनि॒ सां
अ बऽऽ	नाऽऽऽ ऽघ र
०	३

सां सां	नि॒ पध– प	नि॒ धप,म	–म मपधध प
आ यो	शा ऽऽऽ म	जि याऽऽ	ऽड रऽऽऽ ऽ
×	२	०	३

[म]ग॒ [म]ग॒	सारे– – सा	साम– –	मग॒ मप– प
मो हे	लाऽऽ ऽ गे	सांऽऽ ऽ	झऽ भऽऽ ई
×	२	०	३

[नि]प [सां]नि॒	[नि]सां [सां]नि॒ धप,म	ग॒ मप–
बा व	री मैं तोऽऽ	अ बऽऽ
×	२	०

अंतरा

| नि धपमप | धप–म गम– प सांनि |
| धे नूऽऽऽ | ऽऽऽऽ ऽऽऽ स ब |
० ३

सां सां | सांनि सांनि सारें– सां | निप सांनि | रेंसां सांगं रेंसांरें |
आ ऽ | ऽ ऽ ऽऽऽ ये | पा छे | न आ येऽऽ |
× २ ० ३

नि सां सां | सांनि पध– प | नि धप,म | –,मप ध प |
शा ऽ | म ऽऽऽ ऽ | स खीऽऽ | ऽ कै ऽ से |
× २ ० ३

मग मग | सारे– – सा | सा म | मप,मपधप –म गम– |
क हूँ | मैंऽऽ ऽ तो | सू झे | नाऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽऽ |
× २ ० ३

नि प निसां | सांनि पध– प | ग मप– |
क छू | का ऽऽऽ म | अ बऽऽ |
× २ ०

राग - भीमपलासी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

कहियो जा कहियो जा
जा रे भँवरा जा जा
मोरा पियाको कहियो जा मोरा संदेसा।
पिया मोरा जबसे गये परदेस
उन बिन मोरा जिया तरसे
बेगि बेगि कहियो जा मोरा संदेसा ॥

स्थाई

								–	–	–	नि़	सा	^म^ग॒	म	नि॒
											क	हियो	जा	क	हियो
								०				३			
ध	प	–	ग॒	–	सा	ग॒म	धप	ग॒	–	^रे^सा	ग॒	म	प	धध	पम
जा	ऽ	ऽ	जा	ऽ	रे	भँव	राऽ	जा	ऽ	जा	मो	रा	पि	याऽ	कोऽ
×				२				०				३			
प	सांनि॒	सांनि॒	धप	प	ध	म	प	धप	मग॒	म	नि़	सा	^म^ग॒	–म	नि॒
कहि	योऽ	जाऽ	ऽऽ	मो	रा	सं	दे	साऽ	ऽऽ	ऽ	क	हियो	जा	ऽक	हियो
×				२				०				३			

अंतरा

–	–	–	नि॒	धप	म	प	^सां^नि॒
			पि	याऽ	ऽ	मो	रा
०				३			

सां सां सां –	प नि॒ सां गं॒	रेंसांनि॒सां नि॒सारें– सां प	नि॒ सां मंगं॒ गं॒
ज ब से ऽ	ग ये प र	देऽऽऽ ऽऽऽऽ स उ	न बि ऽ न
×	२	०	३

रेंसांसां सांनि॒ – सारिंरेंसां –	पसां नि॒ ध प	म पध प ग॒	म प धध प म
मो ऽ ऽ ऽ ऽ राऽऽऽ ऽ	जिऽ या त र	से ऽऽ ऽ बे	गि बे ऽऽ गिऽ
×	२	०	३

प सांनि॒ सांनि॒ धप	प ध म प	धप मग॒ म नि॒	सा मग॒ म नि॒
कहि योऽ जाऽ ऽऽ	मो रा सं दे	साऽ ऽऽ ऽ क	हियो जा क हियो
×	२	०	३

राग - भीपमलासी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बलमा जा जा जा, काहे घर रहियो
काहे तुम हम संग नित करत बरज ।
कैसे कैसे कहुँ आज मैं
कौन उपाय समझाऊँ मैं, तोहे रे ॥

स्थाई

– – नि॒नि॒ सा	साग॒ – म प –
बल मा	जाऽ ऽ जाऽ ऽ
०	३

प धधप म –	म ग॒ ग॒रे रेसा सारे	नि॒ सा ग॒ म	प नि॒ध धप म
जा ऽऽऽ ऽ ऽ	काऽ हेऽ घऽ रऽ	रहि यो का हे	तु मऽ हऽ म
×	२	०	३

मप धप ग॒ म	पम मग॒ मग॒ ग॒रे	रेसा सा नि॒नि॒ सा	साग॒ – म प –
संऽ गऽ नि त	कऽ रऽ तऽ बऽ	रऽ ज बल मा	जाऽ ऽ जाऽ ऽ
×	२	०	३

अंतरा

नि॒ –धप म प	– म नि॒प सांनि॒
कै ऽसेऽ ऽ कै	ऽ से क हुँ
०	३

सां – – प	सांनि॒ नि॒ध प –	नि॒ – धप म	प नि॒ धप धप
आ ऽ ऽ ज	ऽ ऽ मैंऽ ऽ ऽ	कौ ऽ नऽ उ	पा ऽ यऽ सऽ
×	२	०	३

प ग॒ — सा	प — ग॒ मग॒	रे सा ऩिऩि सा
म झा ऽ ऊँ	मैं ऽ तो हेऽ	रे ऽ ब ल मा
×	२	०

राग - भीमपलासी, ताल - एकताल, लय - द्रुत - तराणा

तदियन रे तदियन रे तदियन रे तन
दीम् तनन दीम् तनन दीम् तनन ।
दिर दिर तानों तन देरेना
तन देरेना देरेना
तदियन रे तन दीम् तनन दीम् तनन दीम् तनन ॥

स्थाई

नि़ सा
त दि
४

ग॒ रे	सा ग॒	म प	धध पम	प सांनि॒	सां नि॒
य न	रे त	दि य	नऽ रेऽ	त दि	य न
×	०	२	०	३	४

सां नि॒	ध प	प नि॒	–नि॒ धप	म म	म प
रे ऽ	त न	दी ऽ	ऽम् तऽ	न न	दी ऽ
×	०	२	०	३	४

म धप	ग॒ म	म ग॒	–ग॒ रे	सा सा	नि॒ सा
म् तऽ	न न	दी ऽ	ऽम् त	न न	त दि
×	०	२	०	३	४

अंतरा

मम पप
दिर दिर
४

नि॒ –	धपम	प ^सां^नि॒	सां नि॒	सां –	नि॒ सां
ता ऽ	नोऽ ओम्	त न	दे रे	ना ऽ	त न
×	०	२	०	३	४

ग॒ रें	सां –	नि॒ सांनि॒	ध प	प नि॒	सां नि॒
दे रे	ना ऽ	दे रे ऽ	ना ऽ	त दि	य न
×	०	२	०	३	४

सां नि॒	ध प	प नि॒	–नि॒ धप	म म	म प
रे ऽ	त न	दी ऽ	ऽम् तऽ	न न	दी ऽ
×	०	२	०	३	४

–म प	ग॒ म	म ग॒	–ग॒ रे	सा सा	नि̣॒ सा
ऽम् त	न न	दी ऽ	ऽम् त	न न	त दि
×	०	२	०	३	४

ग॒ रे	सा
य न	रे
×	०

राग - शामकल्याण, ताल - झपताल, लय - मध्य.

सो जारे राजा तोसे गाऊं गीत
हौले हौले पलना झुलावत ।
गोरे गालोंपे कजरा की बिंदिया
लगाई हूँ मैं, किसी की नजरिया ना लागे ॥

स्थाई
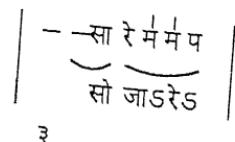
			– –सा रे मं मं प
			सो जाऽरेऽ
			३
ग –	मरे,– सा रे मं	मं प मं,पध–	प,गम– रे सा रे मं मं प
रा ऽ	ऽऽऽ जा तोसे	गाऊं गीऽऽऽ	ऽऽऽऽ त सो जाऽरेऽ
×	२	०	३
ग –	मरे,– सा –	रे मं मं प निध,प	प,गम रे रे मं मं प
रा ऽ	ऽऽऽ जा ऽ	तोऽसेऽ गाऽऊं	गीऽऽ त हौऽलेऽ
×	२	०	३
पनि–,– –धप	प –ध मं प	मं प ग ग	म रे सासा रे मं मं प
हौऽऽऽ ऽऽऽ	ले ऽप लना	ऽझु लाऽ	ऽव त सो जाऽरेऽ
×	२	०	३

अंतरा

रे मं मं प
गोऽरेऽ

पनि–,– नि	सां – सां	निध पमं	प ग म रे –सा
गाऽऽऽ ऽ	लों ऽ पे	कज राऽ	की बिं दिया ऽल
×	२	०	३

म,मरे सारे,–	प,पमं मं –	प –	प – – रें
गाऽऽ ऽऽऽ	ईऽऽ ऽ ऽ	हूँ ऽ	मैं ऽ ऽकि
×	२	०	३

सां –	निध–,– पध पध	मंप गग	म रे सासा रेमंमंप
सी ऽ	कीऽऽऽ ऽन जरि	याऽ नाऽ	ऽला गे सो जाऽरेऽ
×	२	०	३

राग - शामकल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जारे जारे सजन मैं तोसे ना बोलूं
कछु न कहियो मोसे, रूठी हूँ मैं तोसे
अब कछु सह नहीं जाय ।
काहे रे उतर बनावत
बन न जाऊँ मैं तो, काहे मोहे समझाय ॥

स्थाई

	– – सा सा	रे मं –मं प प	ग म रे सा सा
	जा रे	जाऽ ऽरे ऽ स	जन मैं तो से
	२	०	३

रे मं – पध,प –	गम रे सा सा	– रे मं –मं मं	प पमं गम रे
नाऽ ऽ ऽऽऽ ऽ	बोऽ लूं जा रे	ऽ कछु ऽन क	हि योऽ मोऽ से
×	२	०	३
– निसा –म मरे	सारे मं प प	– रे मं –प नि	नि ध मंप ग
ऽ रूठी ऽहूं ऽऽ	ऽऽ मैं तो से	ऽ अब ऽक छु	स ह नऽ हीं
×	२	०	३
रे – मं पध,प	गम रे सा सा		
जा ऽ ऽ ऽऽऽ	यऽ ऽ जा रे		
×	२		

अंतरा

– – सां धनि	मंप गम रे रे	मं पनि – नि
का हेऽ	रेऽ ऽऽ ऽ उ	त रऽ ऽ ब
२	०	३

सां – – –	सां सां निसां मंरे	सां नि ध मं	प सांनि धनि मं
ना ऽ व त	तु म ब ऽ नऽ	न जा ऊँ मैं	तो काऽ हेऽ मो
×	२	०	३

प ग म रे	– सा सा सा
हे स म झा	ऽ य जा रे
×	२

राग - हंसकिंकिणी, ताल - रूपक, लय - मध्य.

झरत मेरे नैन आज
साच और सुंदर, तेरो रे सुनकर गान ।
सुरीले हो रसीले गायक तुम
नायक महान ॥

स्थाई

				साग गम धप,ग॒	ग॒रे —सा
				झऽरऽ तऽमे	रेनै ऽ न
				२	३

ग मनि॒ —ध	प,धप मग,ग	मधपग॒ —रेसा	रेसासानि॒ — सा	ग—म धप,ग॒	—रे —सा
आ जझ ऽर	ऽतऽ ऽऽमे	रेऽऽनै ऽनऽ	साऽऽऽ ऽ च	औऽर ऽऽसुं	ऽद ऽ र
×	२	३	×	२	३

प प प	धपप,म मध,प	पनि॒— धप	धपमग — ग	साग गम धप,ग॒	ग॒रे — सा
ते रो रे	सुऽऽऽ नऽऽ	कऽऽ रऽ	गाऽऽऽ ऽ न	झऽरऽ तऽमे	रेनै ऽ न
×	२	३	×	२	३

अंतरा

				— गम	—प निनि
				सुरी	ऽले ऽहो
				२	३

सां सां सां	पनि— सांगं॒—	रें सां	रेंसांसां,नि॒ ध प	धपप,म मध,प	नि॒ ध प प
र सि ले	गाऽऽ ऽऽऽ	य क	तुऽऽऽ ऽ म	नाऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ य कम
×	२	३	×	२	३

धपमग – ग	सागगम धप,ग॒	ग॒रे –सा
हाऽऽऽ ऽ न	झऽरऽ तऽमे	रेनै ऽ न
×	२	३

राग - मुलतानी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

सांझ भई, आलेरिया, न आये लंगर घर
न जाने कित जाय बसेरा ।
सखी जाओ जाओ ले आओ शाम
उन बिन परत नहि चैन ॥

स्थाई

| — मं ग॒ —मं पनि,सां |
| ऽ सां ऽझ भऽ ई |
३

सां — | रें॒सांसां,नि —सांरें॒सां निध॒,— | प मंप,ग॒ | —ग॒ —मं पनि,सां |
आ ऽ | लेऽऽऽ ऽऽऽऽ रिऽऽ | ऽ ऽऽया | ऽसां ऽझ भऽई |
× २ ० ३

सां — | रें॒सांसां,नि सारें॒ध॒ प,पध॒ | मंप— मंग॒— | रें॒सा— — —सा |
आ ऽ | लेऽऽऽ ऽ री ऽनऽ | आऽऽ ऽऽऽ | येऽऽ ऽ ऽलं |
× २ ० ३

मं ग॒ | मंप— मंग॒,रे॒ सासा | प मंप | मंग॒ — ग॒मंमंप |
ग ऽ | ऽऽऽ रऽघ र न | जा ऽऽ | ने ऽ किऽतऽ |
× २ ० ३

पनि— — | सां — —गं॒ | रें॒सां रें॒सांनि,ध॒पप | ग॒ ग॒ —मं पनि,सां |
जाऽऽ ऽ | य ऽ ऽब | सेऽ राऽऽऽऽऽ | ऽसां ऽझ भऽई |
× २ ० ३

अंतरा

—ग॒ म॑, प नि — नि
ऽस खी जा ऽ ऽओ
३

सां —	सां — सां	नि —	सां — — गं॒
जा ऽ	ओ ऽ ऽ	ले ऽ	आ ऽ ऽओ
×	२	०	३

रें॒सा— निसां—	निध॒— प पध॒पप	म॑ग॒— —	रे॒सा— — —सा
शाऽऽ ऽऽऽ	मऽऽ ऽ उऽनऽ	बिऽऽ ऽ	नऽऽ ऽ ऽप
×	२	०	३

म॑ ग॒	म॑ प नि	सां रें॒सांनि,ध॒पप	ग॒ ग॒ — म॑ पनि,सां
र ऽ	त न हि	चै नऽऽऽऽऽ	ऽसां ऽझ भऽई
×	२	०	३

राग - श्री, ताल - झपताल, लय - मध्य.

लगत सांझ उदास
पिहरुवा, घर मोहे तोरे बिन ।
कह गयो आवत तू तो
अब तक काहे ना आयो ॥

स्थाई

— — ग रेसा
ऽल गत
३

प —	धपप,रे —रे —रे	रेप — मं—पध	मंग रेग रेसा
सां —	झऽऽऽ ऽऽ ऽउ	दाऽऽ ऽऽऽ	सऽ ऽपि हरु
×	२	०	३

रे —	रे—रे पप निसां—निसांरें	रेंप— मंप—मंपध	धरे,— — ग रेसा
वा ऽ	घऽर मोहे तोऽ ऽऽऽ	रेऽऽ बिऽऽऽऽ	नऽऽ ऽल गत
×	२	०	३

अंतरा

— —मंमं —पनिसां
— क ह ऽगऽयो
३

सां —	सां — सां	रेंसांसांनि,नि सांरेंनिध	निध प,पप —पधपप
आ ऽ	व ऽ त	तूऽऽऽऽ ऽऽऽऽ	तोऽ ऽअब ऽतऽकऽ
×	२	०	३

रे̣ –	रे̣प – निसां – निसांरें	रें̣प – मंप – मंपधृ	धृरे̣ – – ग रे̣सा
का ऽ	हेऽऽ ना ऽ ऽऽऽ	आऽ ऽऽऽऽऽ	योऽऽ ऽल गत
×	२	०	३

राग - श्री, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

सांझ परी आयो,
परी ना आयो पिहरुवा मोरा ।
आवो रे आवो
धीर ना रहत अब पिहरुवा मोरा ॥

स्थाई

ग –	– रे॒	सा सा
सां ऽ	ऽ झ	प री
०	३	४

प –	– –	– रे॒	प प	– मं प	मंपध॒ –
आ ऽ	ऽ ऽ	ऽ यो	प री	ऽ नाऽ	ऽऽऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

ध॒ रे॒ –	– रे॒	– रे॒	रे॒ –	रे॒ रे॒	– रे॒
आऽ ऽ	ऽ यो	ऽ पि	ह –	रु वा	ऽ मो
×	०	२	०	३	४

प –	– ध॒पप	रे॒ –	ग –	– रे॒	सा सा
रा ऽ	ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	सां ऽ	ऽ झ	प री
×	०	२	०	३	४

अंतरा

मं –	– पनि	सारें॒ रें॒
आ ऽ	ऽ वोऽ	ऽऽ रे
०	३	४

रें̱ –	– सां	– –	रें̱ नि	– ध̱	प प
आ ऽ	ऽ वो	ऽ ऽ	धी र	ऽ ना	ऽ र
×	०	२	०	३	४

प –	प प	– प	प प	प ध̱पप	रे̱ रे̱
ह ऽ	त अ	ऽ ब	पि ह	रु वाऽऽ	ऽ मो
×	०	२	०	३	४

प –	– ध̱पप	रे̱ –	ग –	– रे̱	सा सा
रा ऽ	ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	सां ऽ	ऽ झ	प री
×	०	२	०	३	४

राग - मारवा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

घर न आयो शाम जिया डर लागे
उन बिन चैन ना मोहे ।
होवन लागी सांझ ग्वाल सब आये
बाल सब आये, संग ना आयो शाम
उन बिन चैन ना मोहे ॥

स्थाई

मं	धध	मंग	रे॒सा	सा
घ	रऽ	नऽ	आऽ	यो
	३			

सा	–	सा	नि॒रे॒	नि॒	ध॒	ध॒	निरे॒	रे॒	–	रे॒	, सा	सा	सा	ध	ध
शा	ऽ	म	जिऽ	या	ऽ	ड	रऽ	ला	ऽ	गे	, उ	न	बि	ऽ	न
×				२				०				३			

धमं	गरे॒	रे॒ग	मंध	–	मं	–	ग	–	रे॒	सा	, मं	धध	मंग	रे॒सा	सा
चैऽ	ऽऽ	नऽ	ऽऽ	ऽ	ना	ऽ	मो	ऽ	हे	ऽ	, घ	रऽ	नऽ	आऽ	यो
×				२				०				३			

अंतरा

रें॒ रें॒	निरें॒	निध	मं	ध
होऽ	वऽ	नऽ	ला	गी
	३			

सां – सां ध	निरें रें रें रें	रें रें निनि ध , ध	मं ध मं ग
सां ऽ झ ग्वा	ऽऽ ल स ब	आऽ ऽऽ ये , बा	ऽ ल स ब
×	२	०	३

रे – रे ग	मं ध मं ग	रे – सा सा	सा सा साध ध
आ ऽ ये सं	ग ना आ यो	शा ऽ म उ	न बि ऽऽ न
×	२	०	३

धमं गरे रेग मंध	– मं – ग	– रे सा मं	धध मंग रेसा सा
चैऽ ऽऽ नऽ ऽऽ	ऽ ना ऽ मो	ऽ हे ऽ घ	रऽ नऽ आऽ यो
×	२	०	३

राग - मारवा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सब मिल आओ रे गाओ आज
नयो राग नयो ताल सुंदर अंग सुनाओ रे ।
चहुँ ओर सूर नाद गूंजत
नयो राग नयो ताल
आनंद देत मना ॥

स्थाई

रे॒ग	—ग	मं	मंध	ध	ध	निरें॒	निध
सऽ	ऽब	ऽ	मिऽ	ल	आ	ओऽ	रेऽ
०				३			

ध	—	मं	—	ग	—	रे॒सा	सा	सा	सा	—	ध	—	ध	ध	निरें॒
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	आऽ	ज	न	यो	ऽ	रा	ऽ	ग	न	योऽ
×				२				०				३			

नि	ध	—	ध	सां	—	—	सां	—	सां	नि	—	रें॒	नि	ध	ध
ऽ	ता	ऽ	ल	सुं	ऽ	ऽ	द	ऽ	र	अं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	सु
×				२				०				३			

ध	—	मं	—	ग	—	रे॒सा	—
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	रेऽ	ऽ
×				२			

अंतरा

ग ग – म॑ध	– ध ध निरें
च हुँ ऽ ओऽ	ऽ र सू रऽ
०	३

रें – नि ध	सां – सां सां	रें नि – ध	– ध रें नि
ना ऽ ऽ द	गूं ऽ ज त	न यो ऽ रा	ऽ ग न यो
×	२	०	३

– ध – ध	सां – – सां	– सां नि –	रें नि – ध
ऽ ता ऽ ल	आ ऽ ऽ नं	ऽ द दे ऽ	ऽ त ऽ म
×	२	०	३

रेंनि धम॑ धनि रें	– निध म॑ग रेंसा
नाऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - विलंबित.

बता देवो कैसे मैं कैसे समझाऊं
समझत नाही मोसे, पिया रे ।
तुम बिन कासे नाहीं प्रीत
राखोना संदेहा मन, पिया रे ॥

स्थाई

मंधनिसां	नि धपपमं,ध –धनिसां– निनिध,पप
बतादेवो	कै सेऽऽऽमैं ऽकैसेऽऽ ऽसऽऽम
	३

प –मंप ग रेमंगपमंध,ग	प मं,पध ध –,मंप,ग
झा ऽऽऽ ऊं सऽमऽझऽत	ना ऽऽऽ ही ऽमोऽसे
×	२

रेमंगपमंधप– मंग,–रेग,– रेसा मंधनिसां
पिऽयाऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ ऽरे बतादेवो
०

अंतरा

पप	मंध–,– मंप,ग –,मंध –सां,सां
तुम	बिऽऽऽ ऽऽन ऽकासे ऽनाहीं
	३

रें सां –,–निसां सां –नि,ध | नि,–ध –ध,निसांनि– नि,धप पप |
प्री ऽऽऽऽ त ऽराखो | नाऽऽ ऽ सं दे ऽ ऽ हाऽऽ मन |
× २

प,धनिध– प,मंप– ग मंधनिसां |
पियाऽऽऽ ऽ ऽ ऽ रे बतादेवो |
०

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

पिहरुवा आजा रे
बेगि बेगि आओ मोरे मंदरवा ।
आजा रे आजा तू आवन जा
तोरे दरस बिन मेरो मन तरफत
बेगि बेगि आओ मोरे मंदरवा ॥

स्थाई

		– – – ग	मं ध नि –
		पि	ह रु वा ऽ
		०	३

नि – धनि ध	धपप मं ध नि	निध पमं ग , मं	प मं – ग
आ ऽ ऽऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ आ जा	रेऽ ऽऽ ऽ , बे	गि बे ऽ गि
×	२	०	३

मं मं ग रे ग ग	रे मं गमं मंध धनि	– सांनि धप , ग	मं ध नि –
आऽ ओऽ मो रे	मंऽ ऽऽ दऽ रऽ	ऽ वाऽ ऽऽ , पि	ह रु वा ऽ
×	२	०	३

अंतरा

		– – – मं	ध निध पमं ध
		आ	जा रेऽ ऽऽ आ
		०	३

सां – सां –	ध निरें नि ध	सांनि – ध प मं	ध नि नि नि
जा ऽ तू ऽ	आ ऽऽ व न	जाऽ ऽऽऽ ऽ तो	रे द र स
×	२	०	३

ध निसांनि– प धनिध–	मं प मं ग	मंमं ग रे ग मं	प मं – ग
बि नऽऽऽ मे रोऽऽऽ	म न त र	फऽ ऽऽ त बे	गि बे ऽ गि
×	२	०	३

मं मं ग रे ग ग	रे मं गमं मंध धनि	– सांनि ध प , ग	मं ध नि –
आऽ ओऽ मो रे	मंऽ ऽऽ दऽ र ऽ	ऽ वा ऽ ऽऽ , पि	ह रु वा ऽ
×	२	०	३

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मोरा रे मंदरवा आज
करत बरस गुनीजन सूर-ताल ।
मंदर चहुँ ओर गूंज उठत सूर
भेदाभेद करत गुनी सूर-ताल ॥

स्थाई

ग –मंनि ध धपपमं	– ध नि ध
मो ऽराऽ ऽ रेऽऽऽ	ऽ मं द र
०	३

नि – – –	– निध पमं ग	प –धनि ध धपपमं	– ध नि ध
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ आऽ ऽऽ ज	मो ऽराऽ ऽ रेऽऽऽ	ऽ मं द र
×	२	०	३

नि – धनि सांनि	निध पमं ग मं	मंग –रे़ सा नि	ध –मं – रे़
वा ऽ आऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ज क	र ऽत ऽ ब	र ऽस ऽ गु
×	२	०	३

ग मं ध ध	निसांनि– –निध प प	ग –मंनि ध धपपमं
नी ज न सू	रऽऽऽ ऽताऽ ऽ ल	मो रा ऽ ऽ रेऽऽऽ
×	२	०

अंतरा

	ग ग ग मं	ध धनि सां सां
	मं द र च	हुँ ओऽ ऽ र
	०	३

सां – सां सां	नि रें सां सां	नि –रें गं गंरें	सांनि ध निध पमं
गूं ऽ ज उ	ठ त सू र	भे ऽदा ऽ भेऽ	ऽऽ द कऽ रऽ
×	२	०	३

रेग मं ध ध	निसांनि- – निध प प	ग –मंनि ध धपपमं	– ध नि ध
तऽ गु नी सू	र ऽ ऽ ऽ ताऽ ऽल	मो ऽ रा ऽ ऽरेऽऽऽ	ऽ मं द र
×	२	०	३

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

अंधियारा कर दो उजाला गुरुजी
दीज्यो ग्यान आयो तोरे द्वार ।
कैसे पाऊं तुम बिन ग्यान
अन्जान मैं आयो तोरे द्वार ॥

स्थाई

	– – सां सांनि	धनि –,धपप मं ध	निसां,नि निध,प – प
	अं धिऽ	याऽ ऽराऽऽ ऽ क	र ऽ ऽ दोऽऽ ऽ उ
	२	०	३

प –प निध	मं नि सां सांनि	धनि –,धपप मं ध	निसां,नि निध,प – प
जा ऽ ला गुऽ	रु जी अं धिऽ	याऽ ऽराऽऽ ऽ क	र ऽ ऽ दोऽऽ ऽ उ
×	२	०	३

प – प –	– – मं – ध	नि मं – मं	ध नि सां नि
जा ऽ ला ऽ	ऽ ऽ दी ऽज्यो	ऽ ग्या ऽ न	आ यो तो रे
×	२	०	३

प –,धनि ध पप	मं ध
द्वा ऽऽऽ ऽ ऽ	ऽ र
×	२

अंतरा

	– – नि धनि	मं – मं – ध	मं धनि सारें सां
	कै सेऽ	पा ऽऊं ऽ तु	म बिऽ ऽऽ न
	२	०	३
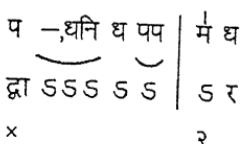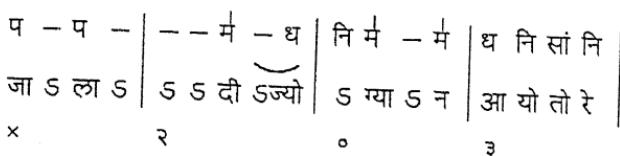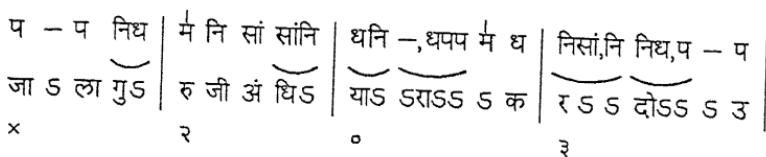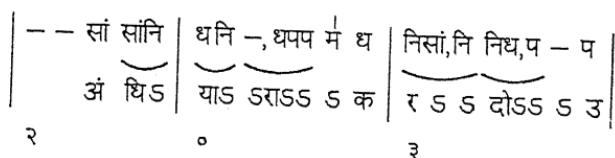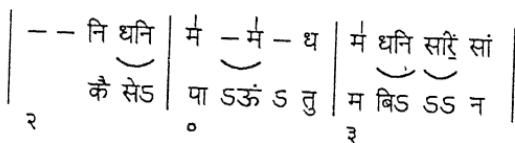
सां – – –	सां – , नि धनि	मं – मं – ध	मं धनि सारें सां
ग्या ऽ ऽ ऽ	न ऽ , कै सेऽ	पा ऽऊं ऽ तु	म बिऽ ऽऽ न
×	२	०	३

सां – मं –	मं ध नि रेंनि	निध मं – ध	ध निरें नि नि
ग्या ऽ न ऽ	अं ऽ जा ऽऽ	नऽ मैं ऽ आ	यो ऽऽ तो रे
×	२	०	३

प –धनि ध पप	मं ध सां सांनि
द्वा ऽऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ र अं धिऽ
×	२
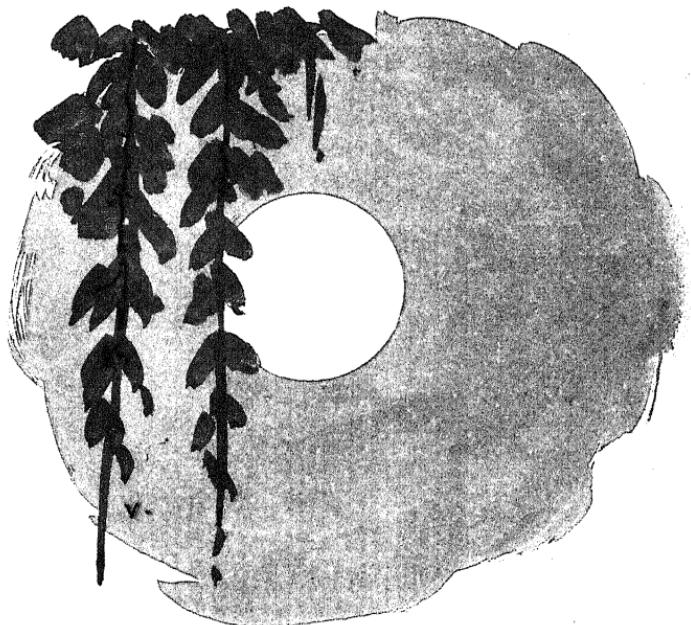
रात्रि के राग

राग - यमन, ताल - रुपक, लय - मध्य.

रे कैसे जानूं मनवा मैं तोरा
बोलोना, बोलोना, पिहरुवा मोरा ।
बोलन बिन कैसे जानूं मैं पियारे
जो है सो बोलो, पिहरुवा मोरा ॥

स्थाई

ऩिग,रे –	–ऩि रे
रेऽऽ ऽ	ऽकै से
२	३

ग – ग	ग मंनि–	प –रे	मंग–रे ऩिरे– सा	सा ऩि ध़	–ऩिरे –रे
जा ऽ नू	म नऽऽ	वा ऽमैं	तोऽऽ ऽऽऽ रा	बो लोऽ	ना ऽ ऽबो
×	२	३	×	२	३

गमंधप –मं– ग रे	सां –निध	–मं –रे	मंग–रे ऩिरे– सा
लोऽऽऽ ऽ नाऽ	पि ऽहऽ	रु ऽवा	मोऽऽ ऽऽऽ रा
×	२	३	×

अंतरा

– मं ग	–मं सां ध
बोलन	ऽबि न
२	३

सां – सां	– धनि	–रें –गं	गंरेंसांसां –निध पर्म,ग	ग –	–ग र्मध,पप
कै ऽ से	ऽ जानूं	ऽमैं ऽपि	याऽऽऽ ऽरेऽ ऽऽऽ	जो ऽ	ऽहै ऽऽसोऽ
×	२	३	×	२	३

रे गर्म–ग रे	सां –निध	–र्म –रे	र्मग–रे निरे– सा
बो ऽऽऽऽ लो	पि ऽहऽ	ऽरु ऽवा	मोऽऽऽ ऽऽऽ रा
×	२	३	×

राग - यमन, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रंगरेजुवा रंगा दे चिरा
आज मैं तो सासन घर चली जायो रे ।
ऐसो रंग दीजो सोहे मोहे अंग
पिया मिलन चली जायो, सासन घर ॥

स्थाई

— — प मं	रे गमं गरे नि़	रे ग — मं
रं ग	रे जुऽ वाऽ रं	गा दे ऽ चि
२	०	३

ग — — —रे	नि़ ^ग रे — प मं	रे गमं गरे नि़	रे ग — मं
रा ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ रं ग	रे जुऽ वाऽ रं	गा दे ऽ चि
×	२	०	३

ग — — —	पध पमं गरे रे	नि — प प	रे रे ग मंध
रा ऽ ऽ ऽ	आऽ जऽ मैंऽ तो	सा ऽ स न	घ र च लीऽ
×	२	०	३

प —मं गरे —	सा — प मं
जा ऽऽ योऽ ऽ	रे ऽ, रं ग
×	२

अंतरा

मं धमं ध नि	निध पमं ग मं	— ध नि ध
ऐ सोऽ रं ग	दीऽ ऽऽ जो सो	ऽ हे मो हे
२	०	३
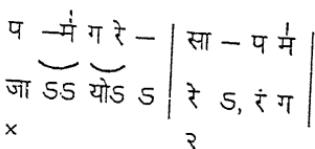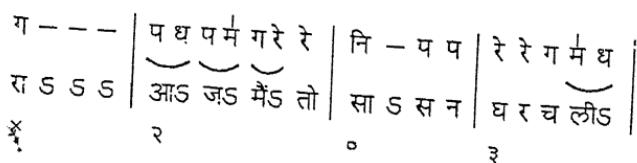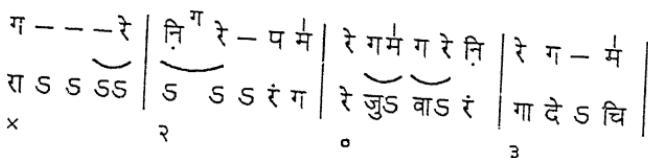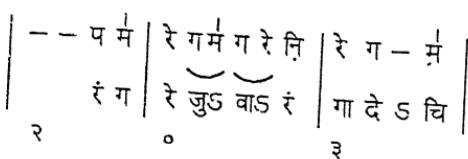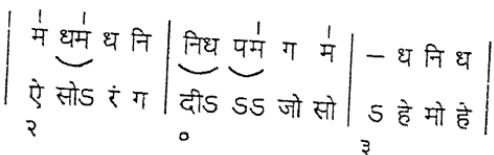
सां – – सां	नि रें – गं रें	सांनि ध निरें नि ध	मं – ग रे रे
अं ऽ ऽ ग	पि या ऽ मिऽ	लऽ न चऽ लीऽ	जा ऽ योऽ ऽ
×	२	०	३

प –मं मंग– गरे	सा सा प मं
सा ऽऽ स ऽ नऽ	घ र रं ग
×	२

राग - यमन, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जारे जा लेता जा संदेसा मोरा
पिहरुवा जो देसा भँवरा रे ।
मिले जो पिया तोहे रे
हलिया बता दीजो भँवरा रे ॥

स्थाई

			— — प मं
			जा रे
			३
ग — पध पमं	रे — रे गमं,ग	— गमं,ग —रे नि़	रे — ध ध
जा ऽ लेऽ ताऽ	जा ऽ सं देऽऽ	ऽ साऽऽ ऽऽ मो	रा ऽ पि ह
×	२	०	३
ध नि़रे — रे	— प मं रे ग	— निध प —	रे ग प मं
रु वाऽ ऽ जो	ऽ दे ऽ साऽ	ऽ भँव रा ऽ	रे ऽ जा रे
×	२	०	३

अंतरा

— निध पमं ध
मिऽ लेऽ जो
३

सां – – –	निध – नि रें	गंरें सांसां – –	– निध सां सां
पि ऽ ऽ ऽ	याऽ ऽ तो हे	रेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ह लि
×	२	०	३

निध पर्म रे रे	– ग रे ग	– निध प –	रे ग प र्म
याऽ ऽऽ ब ता	ऽ दी ऽ जो	ऽ भँव रा ऽ	रे ऽ जा रे
×	२	०	३

राग - यमन, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा)

देर्नां तदारे दानी, तारे दानी
दानी दानी, देरेना देरेना तारे दानी
तन तादानी, तन तादानी, तन तादानी ।
तदरे दानी तारे दानी
तदरे दानी तारेदानी, दानी दानी
देरेना देरेना तारे दानी
तन तादानी, तन तादानी, तन तादानी ॥

स्थाई

नि़ग रे सा सा	नि़ रे – रे
देऽ ऽ र्नां ऽ	त दा ऽ रे
०	३

ग – ग –	प मं रे रे	मंग – ग रेसा	– सा नि़ ध़
दा ऽ नी ऽ	ता रे दा नी	दाऽ ऽ नी दाऽ	ऽ नी दे रे
×	२	०	३

– नि़ रे –	रे रे – ग	– पध पमं रे	– रे मं ध
ऽ ना ऽ ऽ	दे रे ऽ ना	ऽ ताऽ रेऽ दा	ऽ नी त न
×	२	०	३

सारें सांनि निध मं	– मं – रे	ग मंध पमं मंग	– रे – रे
ताऽ ऽऽ ऽऽ दा	ऽ नी ऽ त	न ताऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२	०	३

ऩि रे गर्म ग	रे सा – सा
त न ताऽ ऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२

अंतरा

– निध पर्म ध
तऽ दऽ रे
३

सां – – –	नि ध नि रें	गं रें सांसां –नि धप	– निध पर्म ध
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ता रे	दाऽ ऽऽ ऽऽ नीऽ	ऽ तऽ दऽ रे
×	२	०	३

सां – सां –	ध नि रें रें	गं –रें – सां	– सां सां –ध
दा ऽ नी ऽ	ता रे दा नी	दा ऽनी ऽ दा	ऽ नी दे ऽरे
×	२	०	३

नि प – –	रे रे – ग	– पध पर्म रे	– रे र्म ध
ऽ ना ऽ ऽ	दे रे ऽ ना	ऽ ताऽ रेऽ दा	ऽ नी तं न
×	२	०	३

सारें सांनि निध र्म	– र्म – रे	ग र्मध पर्म र्मग	– रे – रे
ताऽ ऽऽ ऽऽ दा	ऽ नी ऽ त	न ताऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२	०	३

ऩि रे गर्म ग	रे सा – सा
त ऽ ताऽ ऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२

राग - बिहाग, ताल - झपताल, लय - मध्य.

दरस कैसे पाऊँ, तोरे.
महादेव, आदिदेव,
ध्यान करूँ कैसे ।
मुंडमालधारी कर शूलधारी
समझत नाहीं, ध्यान करूँ कैसे ॥

स्थाई

सां	नि धप–	धनिध,प मंग,म प म
द	र ऽऽऽ	सऽऽऽ ऽऽऽ कैसे
	०	३

ग ग	रेसा,– सा,मग पसां	नि धप–	धनिध,प मंग,म प म
पा ऽ	ऽऽऽ ऊँतोऽ रे द	र ऽऽऽ	सऽऽऽ ऽऽऽ कैसे
×	२	०	३

ग ग	रेसा– सा साम	ग रेसा–	प मंग– ग
पा ऽ	ऽऽऽ ऊँ ऽम	हा ऽऽऽ	दे ऽऽऽ व
×	२	०	३

गमगमपध ग,मपम	ग रेसा– सा	सागमप मंध,गमग	प – –निसारिंसां
आऽऽऽऽऽ ऽऽऽदि	दे ऽऽऽ व	ध्याऽऽऽ ऽऽऽऽऽ	न ऽ ऽकऽऽऽ
×	२	०	३

नि धपप,ग	गमपम,ग रेसा–मग पसां	नि
रूँ ऽऽऽऽ	कैऽऽऽसे ऽऽतोऽ रे द	र
×	२	०

अंतरा

| —ग म,पनि —नि |
| ऽमुं डमाऽ ऽल |
३

सां सां | सां निध सारेंसांसां | नि धप— | पग म,धपप —म |
धा ऽ | री कर शूऽलेऽ | धा ऽऽऽ | रीस मझऽऽ ऽत |
× २ ० ३

ग — | रेसा,— सा — | सामगप मंध,गमग | प — —,निसारेंसां |
ना ऽ | ऽऽऽ हीं ऽ | ध्याऽऽऽ ऽऽऽऽऽ | न ऽ ऽकऽऽऽ |
× २ ० ३

नि धपप,ग | गमपम,ग रेसा—,मग पसां | नि
रूँ ऽऽऽऽ | कैऽऽऽसे ऽऽऽतोऽ रेद | र
× २ ०

राग - बिहाग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

पिया मोरा मनवा लरजे
मिलन कैसे आऊँ अब घन गरजे ।
चहुँ ओर करे शोर कोयलिया
जियरा घबरावे, अब घन गरजे ॥

स्थाई

	– – प पर्म	गमग –गरे सा सा	ग म प नि
	पि याऽ	मोऽऽ ऽराऽ ऽ म	न वा ल र
	२	०	३

सां – नि –	धप – साम गप	मंध ग मग प	– प निध प
जे ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ मिऽ लऽ	नऽ कै सेऽ आ	ऽ ऊँ अऽ ब
×	२	०	३

– ग म ग	गरे सा प पर्म
ऽ घ न ग	रऽ जे पि याऽ
×	२

अंतरा

	– – पनि धनि	प – प ग	म पनि नि नि
	चऽ हुँऽ	ओ ऽ र क	रे शोऽ ऽ र
	२	०	३

सां	–	सां	गं रे	सां	–	साम	गप	मंध	ग	मग	प	–	प	निध	प
को	ऽ	य	लिऽ	या	ऽ	जिऽ	यऽ	राऽ	घ	बऽ	रा	ऽ	वे	अऽ	ब
×				२				०				३			

–	ग	म	ग	गरे	सा	प	पमं
ऽ	घ	न	ग	रऽ	जे	पि	याऽ
×				२			

राग - बिहाग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मेरो लाल घर आजा रे तुम
दीजो दरस परत नहीं चैन ।
रैन दिन याद आवत, पियारे
तोरे मिलन तरसे जियरा ॥

स्थाई

			– – प नि
			मे रो
			३

सां – – नि	धप – पनि धनि	पध पप – ग	– म गरे सा
ला ऽ ऽ ल	ऽऽ घऽ रऽ	आऽ ऽऽ ऽ जा	ऽ रे तुऽ म
×	२	०	३
सा – ग – म	प प पनि सारें	सांसां पध प प ग	– म प नि
दी ऽजो ऽ द	र स पऽ रऽ	त ऽ नऽ हिऽ चै	ऽ न मे रो
×	२	०	३

अंतरा

– – – रेंसां	निध पप गम पनि
रैऽ	ऽऽ नऽ दिऽ नऽ
०	३

सां — — —	प — प नि	सांगं रें सां निध	प —मं गम ग
या ऽ ऽ ऽ	द ऽ आ व	तऽ ऽ ऽ पिऽ	या ऽऽ रेऽ ऽ
×	२	०	३

सा —ग — म	प प पनि सारें	सां — पध पप	ग म प नि
तो ऽरे ऽ मि	ल न तऽ रऽ	से ऽ जिऽ यऽ	रा ऽ मे रो
×	२	०	३

राग - बिहाग, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

अब कारी करूं
तोरे बिन जिया घबरावे ।
बेगी आवो रे आवो
बैठी हूँ अकेली,
तोरे बिन जिया तरसाए ॥

स्थाई

म॑ प
अ ब
४

ध ग	— प	— म	ग —	रेसा —	सा नि़
का ऽ	ऽ री	ऽ क	रू —	ऽऽ ऽ	तो रे
×	०	२	०	३	४

सा म	ग प	म॑ प	प म॑	म ग	म॑ प
बि न	जि या	घ ब	रा ऽ	ऽ वे	अ ब
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग म
बे गी
४

पनि –	– सां	– नि	ध नि	प ग	– म
आऽ ऽ	ऽ वो	ऽ रे	आ ऽ	वो बै	ऽ ठी
×	०	२	०	३	४

धप पम	म ग	– –	सा –	– –	सा म
हूँऽ ऽऽ	अ के	ऽ ऽ	ली ऽ	ऽ ऽ	तो रे
×	०	२	०	३	४

ग प	प नि	नि सां	प मं	म ग	मं प
बि न	जि या	त र	सा ऽ	ऽ ये	अ ब
×	०	२	०	३	४

राग - बिहाग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

तानों तारे दानी
तदरे तदरे दानी, दानी ।
रे तदरे दानी तारे दानी
तदरे तदरे दानी, दानी ॥

स्थाई

		– – – ग	म निध प –
		ता	ऽ ऽऽ नों ऽ
		०	३

प – – –	– – प मं	ग मं ग – प	मं ग – प
ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	दाऽ नी ऽ त	द रे ऽ त
×	२	०	३
म ग – सा	– सा निसां निसां	धनि प – ग	म निध प –
द रे ऽ दा	ऽ नी दाऽ ऽऽ	ऽऽ नी ऽ ता	ऽ ऽऽ नों ऽ
×	२	०	३

अंतरा

		– – – निमं	प ग म प
		रेऽ	ऽ त द रे
		०	३

नि – – –	सां – सांरें सांसां	नि ध प प	सां नि – मं
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ताऽ रे ऽ	दा ऽ नी त	द रे ऽ त
×	२	०	३

ध प – ग	म ग निसां निसां	धनि प – ग	म निध प –
द रे ऽ दा	ऽ नी दाऽ ऽ ऽ	ऽऽ नी ऽ ता	ऽ ऽऽ नों ऽ
×	२	०	३

राग - शंकरा (ख्याल), ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

दरसन दीजो आज महादेव
चरनकमल पर सीर तेरो ।
आयो तोरे मंदर, लेत तेरो नाम
सुनलो पुकार
पूरन करो मन की आस ॥

स्थाई

| – – – पनि | सां, सांगरें– रेंसांसां,– निधपपग– प–सारें, सांसां,– |
| दर | सऽऽऽऽ नऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ ऽऽदीऽ जोऽऽ |
० ३

नि – निसांनि–,– धप–,– | – पधपप ग,–प रेग–,– |
आ ऽ जऽ ऽऽऽ ऽऽऽऽ | ऽ मऽहाऽ ऽऽऽ देऽऽऽ |
× २

–,–रेसा सा सा सापगप | साप –,–पग – –,गप |
ऽ ऽऽऽ व ऽ चऽरऽ | न ऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽकऽ |
० ३

पनि,नि –ध निसांनि –,– धप–,– | –,गप पनि,नि –,–धप सां |
म ऽऽ ऽऽ लऽऽऽऽ ऽऽऽऽ | ऽपऽ रऽऽ ऽऽऽऽ सी |
× २

धपपग,– गग पधपगगग –,–रेसा | साग– गप,– सां,–निधपपग प– सारें, सांसां,– |
रऽऽऽऽ तेऽ ऽऽऽरोऽऽ ऽऽऽऽ | दऽऽ रऽऽ सऽऽनऽऽऽ ऽऽ दीऽ जोऽऽ |
० ३

अंतरा

– –,रेंसांनिध पपग–,प –नि,नि
ऽआऽऽऽ ऽऽऽऽयो ऽतोरे
३

सां – निसां–,सां सां | – निध –सारें,सांसां– नि |
मं ऽ ऽऽऽद र | ऽ लेत ऽतेऽरोऽऽ ना |
× २

धप–,– प पग–,– – | गग गपपनिनिसांसांगं –रेंसांसांनि धपपग,गप |
ऽऽऽऽ म ऽऽ ऽ ऽ | सुन लोऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽपुऽ |
० ३

रेग,– रेसा–,– सा सापगम | साप –,–पग –,गप पनिनि, धप |
काऽऽ ऽऽऽऽ र पूऽरऽ | नऽ ऽऽऽऽ ऽकऽ रोऽऽऽऽ |
× २

गप सां धपपग,–प रेग–,रेसा– |
मन की आऽऽऽऽऽ सऽऽऽऽऽ |
०

धपपगरे,सा– निधपपगरे,सा– सां,निधपपग प–सारें,सांसां |
दऽऽऽऽऽऽ रऽऽऽऽऽऽऽ सऽऽनऽऽऽ ऽऽदीऽजोऽ |
३

राग - शंकरा, ताल - रुपक, लय - मध्य.

डम डमत डमरू बाजे
हाथ सूल साजे
सीस गंगा बिराजे ।
शीतल भालचंद्र
नररूंड गले माल
शंकर हरदानी, पशुपत साजे ॥

स्थाई

– –प	–प गग
डम्	ऽड मत
२	३

प प प	धपप,ग ^प^रेग,ग	गग पधपप	रेग,– रेसा,– सा	^प^ग पनि	–सां –गंरें
ड म रू	बाऽऽऽ जेऽहा	ऽथ सूऽलऽ	साऽऽ ऽ ऽ जे	सी सगं	ऽगा ऽबिऽ
×	२	३	×	२	३

सां सां निसांनिधानिरेंसां	निधपप,ग ग प	–प गग
रा ऽ ऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽ जे,डम्	ड मत
×	२	३

अंतरा

निधपप गप	पनि –नि
शीऽऽऽ ऽत	लभा ऽल
२	३

सां — सां	नि ध	—नि —सां	—रें सांनि धप,प	—ग	गग पधपप
चं ऽ द्र	न र	ऽरूं ऽड	ऽग लेमा ऽऽल	ऽशं	कर हऽरऽ
×	२	३	×	२	३

रेग— रेसा— सा	— गप	—नि —नि	सां सां निसांनिधनिरेंसांनि
दाऽऽ ऽऽऽ नी	ऽ पशु	ऽप ऽत	सा ऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽ
×	२	३	×

राग - शंकरा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रिझाऊँ कैसे रिझाऊँ
सूर ना लगत सुनाऊँ कैसो अब ।
सभा देख डर लागे
ग्यानी और गुनीजन बैठे
सूर ना लगत सुनाऊँ कैसो अब ॥

स्थाई

		नि सां रें सां नि ध प प	ग प नि नि
		रि ऽ ऽ ऽ झा ऽ ऽ ऽ	ऊँ कै से रि
		०	३

सां – – नि	नि नि सां रें सां	सां – नि ध प प	ग प नि नि
झा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऊँ	रि झा ऽ ऽ ऽ	ऊँ कै से रि
×	२	०	३

सां – नि ध पप	ग रे सानि सा सा	नि – सा – – प	ग – प – नि
झा ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऊँ सू	र ऽ ना ल	ग त ऽ सु
×	२	०	३

धनि – सां रें सां	– नि ध पप ग	निसां रेंसां निध पप	ग प नि नि
ना ऊँ ऽ कै	ऽ सो ऽ अऽ ब	रिऽ ऽ ऽ झाऽ ऽऽ	ऊँ कै से रि
×	२	०	३

अंतरा

प धध ग प	– प नि नि
स भाऽ ऽ दे	ऽ ख ड र
०	३

सां – – नि	धनि – सां –	प ध ध ग प	– प नि नि
ला ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ गे ऽ	स भा ऽ ऽ दे	ऽ ख ड र
×	२	०	३

सां – सां –	पनि सांगं गंरें सां	– रेंसां निध पप	–प सां निध
ला ऽ गे ऽ	ग्याऽ ऽऽ नीऽ ऽ	ऽ औऽ ऽऽ रऽ	गु नी जऽ
×	२	०	३

प गप रेग –	सा – – सा	ऩि –सा – –प	ग –प – नि
ऽ नऽ बैऽ ऽ	ठे ऽ ऽ सू	र ऽना ऽ ऽल	ग ऽत सु
×	२	०	३

धनि –सां रें सां	– निध पप ग	सां – निध पप	ग प नि नि
नाऽ ऽऊँ ऽ कै	ऽ सोऽ अऽ ब	रि ऽ झाऽ ऽऽ	ऊँ कै से रि
×	२	०	३

राग - शंकरा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

आन परी मैं तो चरनपर तेरो
कीज्यो कृपा तुम मोपे परमेश ।
सब गुनसागर तुम
माँगत मैं गुन दीज्यो परमेश ॥

स्थाई

— — — सां रें	सांनि धप गरे सा
आऽ	ऽऽ नऽ पऽ री
०	३

प — ग सा	ग प नि सां	सां — नि धप निध	पप ग — गप
मैं ऽ तो च	र न प र ते	ऽ ऽ रो ऽ की ऽ	ऽऽ ज्योऽ कृऽ
×	२	०	३

रेग — सा ग	ग प निसां गरें	सां —नि धप सारें	सांनि धप गरे सा
पा ऽ तु म	मो पे पऽ रऽ	मे ऽ श ऽ आऽ	ऽऽ नऽ पऽ री
×	२	०	३

अंतरा

— — — ग	प नि — नि
स	ब गु ऽ न
०	३
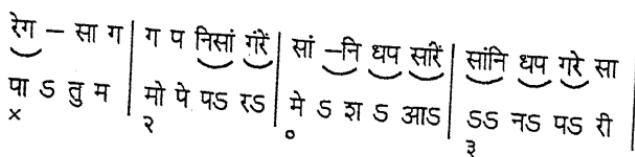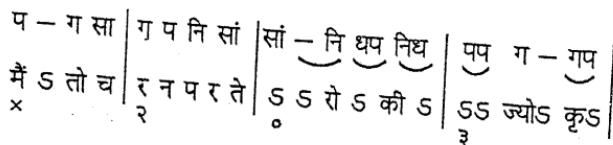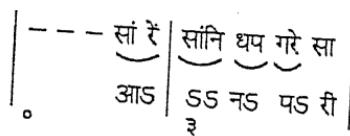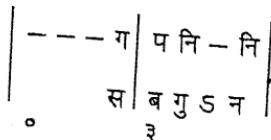
सां –	निध	पप	ग – प नि	सां – सां निध	पप ग – प
सा ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ ऽ ग र	तु ऽ म माँऽ	ऽऽ ग ऽ त
×			२	०	३

रेग – सा ग	ग प निसां गरें	सां –नि धप सांरें	सांनि धप गरे सा
मैंऽ ऽ गु न	दी ज्यो प ऽ रऽ	मे ऽऽ शऽ आऽ	ऽ ऽ नऽ पऽ री
×	२	०	३

राग - शंकरा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बलमुवा मैं कैसे आऊँ
भई बैरन पायलिया
कैसे समझाऊँ ।
झनकार करो ना तू पायल
करत अरज कित समझाऊँ
कैसे समझाऊँ बलमुवा ॥

स्थाई

– – नि सां	निध निप – नि	ध सांनि –,निध प
ब ल	मुऽ ऽवा ऽ मैं	ऽ कैऽ ऽसेऽ ऽ
२	०	३

प – – –	प – नि नि	नि सारें सां सां	– निध पप गग
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ ब ल	मु ऽऽ वा मैं	ऽ कैऽ ऽऽ सेऽ
×	२	०	३

प – – –	प – प ध	ग प – ग	ग ग पध पप
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ ब ल	मु वा ऽ भ	ई बै रऽ नऽ
×	२	०	३

ग – – –	रेसा – साप गप	ग प – पनि	नि नि सांगं रेंगं
पा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ यऽ लिऽ	या ऽ ऽ कैऽ	ऽ से स ऽ मऽ
×	२	०	३

सां – निध पप	ग – नि नि	सांगं रेंसां – सां	– निध पप गग
झाऽ ऊंऽ ऽऽ	ऽऽ ब ल	मुऽ ऽवा ऽ मैं	ऽ कैऽ ऽऽ सेऽ
×	२	०	३

अंतरा

– – पनि सारें	रेंसां निध पप ग	प नि – नि
झड नड	काऽ ऽऽ रऽ क	रो ना ऽ तू
२	०	३

सां – – – | सां – पनि सारें | रेंसां निध पप सां | निध पप ग प |
पा ऽ ऽ ऽ | यल ऽ झऽ नऽ | काऽ ऽऽ रऽ क | रोऽ नाऽ ऽ तू |
× | २ | ० | ३ |

सां – – – | सां – प नि | ध – सारें सां सां | नि – ग ग |
पा ऽ ऽ ऽ | यल ऽ क र | त ऽ अऽ र ऽ | ज ऽ कि त |
× | २ | ० | ३ |

ग गप रेग – | – – रेसा – | – पनि नि नि | सांगं रेंगं सां – |
स मऽ झाऽऽ | ऽ ऽऊं ऽ ऽ | ऽ कै ऽ ऽ से | सऽ मऽ झाऽ |
× | २ | ० | ३ |

– रेंसां निध पप | ग – नि नि | सांगं रें सां – सां | – निध पप गग |
ऽ ऊंऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ ऽ ब ल | मुऽ ऽ वा ऽ मैं | ऽ कैऽ ऽऽ सेऽ |
× | २ | ० | ३ |

राग - शंकरा, ताल - एकताल, लय - द्रुत. (तराणा).

देरेना देरेना देरेना तादानी दीम् तानोम्
तदरे दानी तादानी, तारे दानी ।
तानों देरेना रे, तादानी दीम्
तन देरेना दानी, दानी, दानी ॥

स्थाई

पप गरे	सा निध	पप ग	रेंसां निध	पप प	नि नि
देऽ रेऽ	ना देऽ	रेऽ ना	देऽ रेऽ	नाऽ ता	दा नी
×	०	२	०	३	४

सां –	– –	– –	नि नि	सांनि निध	प –
दी ऽ	ऽ ऽ	ऽ म्	ता ऽ	ऽऽ नोऽ	म् ऽ
×	०	२	०	३	४

साग गप	पध ग	– प	रेग –	– सा	– सा
तऽ दऽ	रेऽ दा	ऽ नी	ताऽ ऽ	दा	नी
×	०	२	०	३	४

नि –सां	रें प	–नि सां	ग – प	नि निध	पप ग
ता ऽऽ	ऽ रे	ऽऽ ऽ	दा ऽ ऽ	ऽ नीऽ	ऽऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

सां –	– निध	पप ग	प नि	– सां	रें –
ता ऽ	ऽ नोऽ	ऽऽ म्	दे रे	ऽ ना	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

सां –	– रें	सां –	गं –	सां रें	– सां
ता ऽ	दा ऽ	ऽ ऽ	नी ऽ	ऽ दी	ऽ म्
×	०	२	०	३	४

प नि	सां गं	– गं	गं रें सांनि	रेंसां निध	पप ग
त न	दे रे	ऽ ना	दा ऽ ऽऽ	नीऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

– रेंसां	निध पप	ग –	– निध	पप गरे	सा –
दाऽ	ऽऽ ऽऽ	नी ऽ	ऽ दाऽ	ऽऽ नीऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - केदार, ताल - झुमरा, (ख्याल) लय - विलंबित.

करम करतार, जगत भरतार
तू ही आधार, तूही दातार।
ऐसो तेरो रूप निर्गुन निराकार
मिलन लागी आस हो जाऊं त्वदाकार ॥

स्थाई

– – सां	निध–, धनिधपप	मंप,धनिधपप
क	रऽऽ मऽऽऽऽ	ऽकरऽऽऽऽऽ
३		

म –,मप– –	प –मं पमं,प –पध,पप–	म –सारे –
ता ऽऽऽऽ ऽ	र ज गऽत ऽभऽरऽऽ	ता ऽऽऽ ऽ
×	२	०

| सा – सा सारे–,सा –,धपपमं |
| रऽतू ऽऽऽ ही ऽ आ ऽऽऽऽ |
| ३ |

म –मंप –	प – पप पसां,–	रेंसांसांनि –ध –नि
धा ऽऽऽ ऽ	र तू ही ऽऽऽ	दाऽऽऽ ऽता ऽऽ
×	२	०

| पध–,– पसां निध,धनिधपप मंप,ध–पम |
| ऽऽऽऽ रक रऽमऽऽऽऽ ऽक रऽऽ |
| ३ |

अंतरा

— म, म —,पधपप

ऐ सो ऽ तेऽरोऽ

सां — सां सां	धध—नि सारें सां निध,—	निम,— —प —
रू ऽ प ऽ	निरऽगु ननि रा काऽऽ	ऽऽऽ ऽर ऽ
×	२	०

मम मंप — —, पधपप
मिल नऽ ऽ ऽ लाऽगीऽ
३

म —सारे सा	म पपनिसां, मरें सांनिधप मममप
आ ऽऽऽ स	हो जाऽऽऽ ऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऊंत्व
×	२

सां —रेंसांसांनि ध,—नि	पध—,— पसां निध पमंमंप,ध—पम
दा ऽकाऽऽऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ऽ रक रम ऽऽऽकरऽऽ
०	३

राग - केदार, ताल - रूपक, लय - मध्य

सब गुनि आयो मोरे मंदरवा
लय सूर की महिमा गाए ।
सब महफिलमें रंग बरसत है
नाद सूर सुन आनंद भयो मैं ॥

स्थाई

पधपप म	–प प–
सऽबऽ ऽ	ऽगु निऽ
२	३

सां – सां	प सांनिरेंसां	सां नि	(नि)ध (नि)ध प	(धपप)म म	–,पध पमप
आ ऽ यो	मो रेऽऽऽ	मं ऽ	द र वा	ल य	ऽ,सूऽ रऽऽ
×	२	३	×	२	३

म (म)रे सा	सा मग	प पसांनिरें	सां – (नि)धप
की ऽ ऽ	म हिऽ	मा ऽऽऽऽ	गा ऽ एऽ
×	२	३	×

अंतरा

सारेंसांसां –	(ध)पप –
सऽबऽ ऽ	मैऽ ऽ
२	३

सां सां सां	प सां	सांमरें– सां	(सां सां)ध ध प	धपपर्म –र्म	–,पध पप
फि ल में	रं ग	ऽऽबऽ र	स त है	नाऽऽऽ –द	–सूऽ रऽ
×	२	३	×	२	३

म ^म^रे सा	सा मग	प पसांनिरें	सां – ^नि^धप– –
सु ऽ न	आ नंऽ	द भऽऽऽ	यो ऽ मैंऽऽऽ
×	२	३	×

राग - केदार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मत बनावो बन न जाऊँ सैंया मैं तो
काहे घर आयो देर, जानत हूँ तो ।
कौन घर जात, करत बहु बात
पीकर आए तुम, जानत हूँ तो ॥

स्थाई

सां सांनि	निध धम॑ धप मम	म मग प प	
म तऽ	बऽ नाऽ वोऽ बऽ	न नऽ जा ऊँ	
	०	३	

सां – सांनि निध	पम॑ प पम॑ पम॑	पम॑ पम॑ पम॑ सांम॑	– प – प
सैंऽ या ऽ मैं ऽ	ऽऽ तो काऽ हेऽ	घऽ रऽ आऽ योऽ	ऽ दे ऽ र
×	२	०	३

रेंसांसां नि ध $^{सां}$नि	ध प
जाऽऽ ऽ न त	हूँ तो
×	२

अंतरा

म –	म प प सां	– सां पनि निसां
कौ ऽ	न घ र जा	ऽ त कऽ रऽ
	०	३

सांमं रें– सां ध | – प सांम – | – म म प | प सां – सां |

तऽ बऽ हु बा | ऽ त पीऽ ऽ | ऽ क र आ | ये तु ऽ म |

× २ ० ३

रेंसांसां नि सांध नि | ध प

जाऽऽ ऽ न त | हूँ तो

× २

राग - केदार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बिराजत गंगा सिर तेरो
नाम गंगाधर अत साजे ।
कानन कुंडल कर धरे सूल
ब्यिल गले माला अत साजे ॥

स्थाई

— — — म	म प — प
बि	रा ज ऽ त
०	३

सां — निध —	पप म पसां सारें	सां — प पध	पप म पध पप
गं ऽ ऽऽ ऽ	गाऽ ऽ सिऽ रऽ	ते ऽ रो नाऽ	ऽऽ म गंऽ ऽऽ
×	२	०	३

म — रे सा	साम गप पसां सारें	रेंसां निध पप म
गा ऽ ध र	अऽ तऽ साऽ ऽऽ	जेऽ ऽऽ ऽऽ बि
×	२	०

अंतरा

सारें	सांसां — ध प
काऽ	ऽ ऽ ऽ न न
	३

सां – सां सां	प सां सांमं मंरें	सां – धप पध	पप मं पध पप
कुं ऽ ड ल	क र धऽ रेऽ	सू ऽ लऽ व्हिऽ	यऽ ल गऽ लेऽ
×	२	०	३

म – रे सा	साम गप पसां सांरें	रेंसां निध पप म
मा ऽ ला ऽ	अऽ तऽ साऽ ऽऽ	जेऽ ऽऽ ऽऽ बि
×	२	०

राग - केदार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

तनत देरेना दानी तदानी तादानी
देर्ना देर्ना देर्ना, दीम्
दीम् तनत दीम् तनत दीम् ।
तानों तानों तदरे तारे दानी
तादानी तादानी देर्ना देर्ना देर्ना देर्ना
दीम् तनत दीम् तनत दीम् ॥

स्थाई

| – म पध पप |
| त नऽ तऽ |
३

सां – – नि | निध पप – मं | धनिध पपम – म | म म पध पप |
दे ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽऽ ऽ ऽ | नाऽऽ ऽऽऽ ऽ दा | नी त दाऽ नीऽ |
× २ ० ३

म – रे सा | म –म प प | – प ध – | ध नि मं सां |
ता ऽ दा नी | दे ऽर् ना दे | ऽ र्ना दे ऽ | र्ना दी म् दी |
× २ ० ३

– सां ध ध ध | नि –प प प | प धनिध – पम | –
म् त न त | दीं ऽऽ त न | त दीऽऽ ऽ ऽम् | ऽ
× २ ० ३

अंतरा

— म प —
ता नों —
३

सां — सां प	नि सां रें सां	नि ध प मं	म मं रें सां
ता ऽ नों त	द रे ता रे	दा ऽ ऽ ऽ	नी ता दा नी
×	२	०	३

म — रे सा	म — —म प	— —प ध —	ध नि —प प
ता ऽ दा नी	दे ऽ ऽर्ना दे	ऽ ऽर्ना दे ऽ	र्ना दे ऽऽ ना
×	२	०	३

— सां — नि	ध ध नि —	प प प धनिध	पम
दीं ऽ त	न तं दीं ऽ	त न त दीऽऽ	ऽम्
×	२	०	३

राग - हमीर, ताल - रूपक, लय - मध्य.

पार न लागे, यह सूरसागर
भरियो अपार ।
जो चाहे रूप और रंग लेहो
यह सूरसागर, भरियो अपार ॥

स्थाई

धपप,ग	मध–	नि सां
पाऽऽऽ	ऽऽ	र न
२		३

निध	निध	प	धपप,ग	मध–	नि	सां	निध	निध	पप	सां	–धपप,ग	म रे	ग
ला	ऽ	गे	पाऽऽऽ	ऽऽऽ	र	न	ला	ऽ	गेये	सू	ऽरऽऽऽ	ऽऽ	सा
×			२		३		×			२		३	

मपगम	रे	सा	रे	ग	म निध–	–नि	सांनिरेंसां	निधनि	धपप–	धनिध	धपप,ग	मध–	निसां
ऽऽऽऽ	ग	र	भ	री	यो ऽऽ	अ	पाऽऽऽ	ऽऽऽ	रऽऽ	ऽऽऽ	पाऽऽऽ	ऽऽऽ	र न
×			२		३		×			२		३	

अंतरा

धपप,ग	मनिध–	–नि	ध
जोऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽचा	हे
२		३	

सां सां सां | ध नि | सां रें | गंमंरें सां धप– | धपप,ग मरे– | –सा सा |

रू ऽ प | औ र | रं ग | ऽऽऽ ले हो ऽ | येऽऽऽ ऽऽऽ | सू र |

× २ ३ × २ ३

रे ग मप– | – गम | ^{नि}–ध –नि | रेंसां–सां नि–निध –धप– | धनिध– धपप, ग

सा ग र ऽ | ऽ भरी | ऽयो ऽअ | पाऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ | र ऽ ऽ पाऽऽऽ

× २ ३ × २

| मध– निसां |

| ऽऽ रन |

३

राग - हमीर, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

ये घन गरजन लागे आज
मिलन कैसे आ जाउँ पिया रे ।
रे डर लागे घर मोहे
बिजली चमकत मेहा बरसे ॥

स्थाई

				– –ग	म सां
				– ये	ऽ घ
				३	४

नि ध	– निध	पप धनि	निध प प	ग म	ध सां
न ऽ	ऽ गऽ	रऽ जऽ	नऽ लाऽ	गे आ	ज घ
×	०	२	०	३	४

ध नि	ध– धनि	सां सां	निध प प	– ग म	रे –
मि ल	न कैऽ	ऽ से	आऽ ऽऽ	ऽ जाऽ	उँ ऽ
×	०	२	०	३	४

गम धनि	सां– सारे	गम प	रेंसां निध	पप गम	रे सां
पिऽ ऽऽ	ऽ याऽ	ऽऽ ऽ	रेऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽ घ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग– मध	ध– नि–
रेऽ ऽ	डऽ रऽ
३	४

धनि सां–	– नि	ध नि	मं प	सां –	नि ध
लाऽ ऽ	ऽ गे	घ र	मो हे	बि ऽ	ज ली
×	०	२	०	३	४

निध प–	– ग	म रे	– प	गम रे–	सा –
चऽ मऽ	ऽ क	ऽ त	ऽ मे	हाऽ ऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

गम्म धनि	सां– सारे	गम प	रेंसां निध	पप गम	रे सां
बऽ ऽऽ	ऽ रऽ	ऽऽ ऽ	सेऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽ घ
×	०	२	०	३	४

राग - हमीर, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा

दानी दानी तानों तदरे दानी
तारे दानी, तन नित दानी ।
दानी दानी तानों तदरे दानी
तारे दानी, तारे दानी, तन दानी दानी ॥

स्थाई

	सां सांनि	धनि पप पप गम	रे ग म सां
	दा नीऽ	दाऽ नीऽ ताऽ नोंऽ	ऽम् त द रे
		०	३

निध – नि –	सां – सां सांनि	धनि पप पप गम	रे ग म सां
दाऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ दा नीऽ	दाऽ नीऽ ताऽ नोऽ	म् त द रे
×	२	०	३

पप धनि ग –	– – म रे	– सा – सा	रे ग म ध
ताऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ रे	ऽ दा ऽ नी	त न नि त
×	२	०	३

नि – – सारेंसांऽ	नि ध सां सांनि
दा ऽ ऽ ऽऽऽऽ	नी ऽ दा नी ऽ
×	२

अंतरा

म	रे ग म नि	ध नि सां रें
दा	नी दा नी ता	नोम् त द रे
	०	३

सां – नि –	ध – प गम	रे ग म नि	ध नी सां रें
दा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी दाऽ	नी दा नी ता	नोम् त द रे
×	२	०	३

सां नि ध –	प रें सां नि	ध – प मं	रेंसां – धप
दा ऽ ऽ ऽ	नी ता रे दा	ऽ ऽ नी ता	रेदा ऽ नीऽ
×	२	०	३

ग मध ध निध	नि सां सां सांनि
त नऽ दा नीऽ	दा नी दा नीऽ
×	२

राग - शुद्ध कल्याण, ताल - रूपक, लय - मध्य.

दरसन दीज्यो तुम आज महादेव
छांड सब जगत-मोह आयो तोरे द्वार ।
परत नाहीं चैन दरस बिन मोहे
दिखा दीज्यो रूप बिलम सहे न जाये ॥

स्थाई

रे रे	—ग —प
द र	ऽस ऽन
२	३

गग, रे रेग सा	सासा रे,—सा	—,—ध़ —,प़	प पग,—प गग,रे	रे ग रे	ग,पध पपगप
दीऽऽ ऽऽ ज्यो	तु म आऽज	ऽऽम ऽहा	दे ऽऽऽऽ वऽऽ	छां डस	बजऽ गऽतऽ
×	२	३	×	२	३

गग, रे — सा	[प] ग प	—ध सां	सांनि,ध पमं,गप गग,रे	रे रे	—ग —प
मोऽऽ ऽ ह	आ यो	ऽतो रे	द्वाऽ ऽ ऽऽऽऽ रऽऽ	द र	ऽस ऽन
×	२	३	×	२	३

अंतरा

ग,—प गग,रे	गप,ध सां
पऽऽ रऽऽ	तऽना ही
२	३

सां — सां	ध सां	रें रें गं,—पं	गंगं,रें — सां	रें सां	—,धपप ग
चै ऽ न	द र	सबि नऽऽ	मोऽऽ ऽ हे	दि खा	ऽदीऽऽ ज्यो
×	२	३	×	२	३

गग,रे — सा	ग प	पध सांसां	सांनि,ध पमंगप गग,रे	रे रे	—ग —प
रूऽऽ ऽ प	बि ल	मस हे न	जाऽऽ ऽऽऽऽ यऽऽ	द र	ऽस ऽन
×	२	३	×	२	३

राग - नंद, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

याद मैं कैसे बुझाऊं, बता देओ सैंया ।
पूछत मैं तोसे रे अब
बोलत नाहीं का रे सैंया ॥

स्थाई

| – –,धप –रे–सा |
| याऽ ऽदऽमैं |
| ३ |

ग –	म,–ग प –प	प पनिध–	धनि,नि –धप –प
कै ऽ	सेऽऽ ऽ बु	झा ऽऽऽऽ	ऊंऽऽ ऽऽऽ ब
×	२	०	३

पनिध,– निध–पर्म–	र्म पधप,– गपसा,–	साग,– गम–ग	मप–पध पधनिध,प
ताऽऽ ऽऽऽऽ	दे ऽऽऽऽ वोऽऽऽ	सैंऽऽ ऽऽऽ	ऽऽयाऽ ऽऽऽऽया
×	२	०	३

| –रे–सा |
| ऽदऽमैं |

अंतरा

| –प रेंनि धप–, प |
| पू छत ऽऽऽ मैं |
| ३ |

सां –	सां – सां	धपपगम,गमपध निनिधप	प, म रेंनि धप–प
तो ऽ	से ऽ रे	अऽऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽ	ब, पू छत ऽऽ मैं
×	२	०	३

सां –	सां – सां	सां सां	सांसां रेंगंरें,नि धप–
तो ऽ	से ऽ रे	बो ऽ	लऽ ऽऽऽत ऽऽऽ
×	२	०	३

प निध,– पमं,मं	मं पध,प,– गप,सा,–	ाग,– गम–,–ग	मप–,–पध
ना ऽऽ ऽऽहीं	का ऽऽऽ रेऽ ऽ	सैंऽऽ ऽऽ ऽ	ऽऽ याऽ
×	२	०	३

पधनिध–,प –रे–सा
ऽऽऽऽया ऽदऽमैं

राग - नंद, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आवो रे आवो गावो रे
पिहरवा मोरा घर आईला ।
बहुत दिन बीते आयो घर सैंया
आनंद मनावो सब मिल आज ॥

स्थाई

— ग म प
आ वो रे
३

धनि — — —	धप — पध निध	धप मंप — गप	सा ग मम प
आऽ ऽ ऽ ऽ	वोऽ गाऽ ऽऽ	वोऽ ऽऽ ऽ रे	ऽ पि हर वा
×	२	०	३

धनि — प सां	— सां रें नि	— प पध निध	पमं
मोऽ ऽ रा घ	ऽ र आ ई	ऽ ऽ लाऽ ऽऽ	ऽऽ
×	२	०	३

अंतरा

ग	म प प सां
ब	हु त दि न
	३

सां — सां गं	— सां सारें गंरें	नि धप प ध	प — रे — सा
बी ऽ ते आ	ऽ यो घऽ रऽ	सैं ऽऽ या अ	नंऽ द ऽ म
×	२	०	३

ग – म –	पसां निरें नि धप	पध निध धप मंप	ग
ना ऽ वो –	सऽ बऽ मि लऽ	आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ज
×	२	०	३

राग - नंद, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

रे जावो जावो सैंया, रे जावो जावो
करो ना मोसे परस ।
हँस हँस तू बनावत, बन नहीं जाऊँ मैं तो ।
करो ना मोसे परस ॥

स्थाई

धप	प रे	— सा
रे ऽ	ऽ जा	ऽ वो
०	३	४

ग —	म —	प प	पध निध	पप, रे	— सा
जा ऽ	वो ऽ	सैं या	रेऽ ऽऽ	ऽऽ जा	ऽ वो
×	०	२	०	३	४

ग ग	ग म	— म	प —	पसां निरें	नि धप
जा ऽ	ऽ वो	ऽ क	रो ऽ	नाऽ ऽऽ	ऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प —धनि	ध धप	मंप ग
मो ऽसेऽ	ऽ पऽ	रऽ स
×	०	२

अंतरा

ग म	प ध	नि प
हँ स	हँ स	तू ब
०	३	४

सां –	सां सां	– सां	रें नि	धप ध	नि धप
ना ऽ	ऽ व	ऽ त	ब न	ऽऽ न	हीं ऽऽ
×	०	२	०	३	४

ध पर्म	– प	–प ग	सा ग	म प	ध –
जा ऊऽ	ऽ मैं	ऽऽ तो	क से	ना मो	से ऽ
×	०	२	०	३	४

नि प	– पध	पध निध
प र	ऽ सऽ	ऽऽ ऽऽ
×	०	२

राग - भूप, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

निसदिन ध्यान धरत तेरो
भगवान दीज्यो दरस आज ।
आज आयो मैं तोरे द्वार
पूरन करो आस मनकी आज ॥

स्थाई

— — — ध़	पधप प —ग रे
नि	सऽऽ ऽ ऽदि न
०	३

प — पग —	ग ग रे रे	गगरे सारेग— गरेसा— ग	ग प प प
ध्याऽ ऽऽ ऽ	न ध र त	तेऽऽ ऽऽऽ रोऽऽ भ	ग वा ऽ न
×	२	०	३

गप ध धपप, ग —	— ग रे रे	गगरे सारेग— गरेसा— सा
दीऽ ऽ ज्योऽऽऽ ऽ	ऽ द र स	आऽऽ ऽऽऽऽ जऽऽऽ नि
×	२	०

अंतरा

— — — ग	प सांध सांप सांध
आ	ज आऽ ऽऽ योऽ
०	३
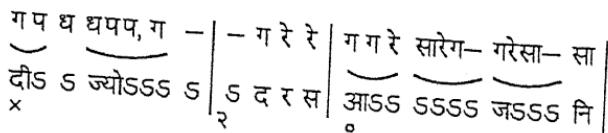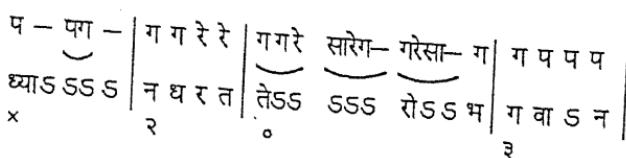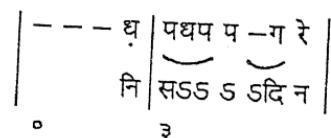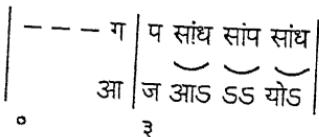
सां – – ध	सां रें – –	गं,गंरें सारें,ग रें सां सां	ध प –ग रे
मैं ऽ ऽ तो	रे ऽ ऽ ऽ	द्वाऽऽ ऽऽऽ र पू	र न ऽक रो
×	२	०	३

प – पग –	ग ग रे रे	ग ग रे सारे,ग गरेसा– सा
आ ऽ ऽऽ ऽ	स म न की	आऽऽ ऽऽऽ जऽऽ नि
×	२	०

राग - भूप, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

मोरे मंदरवा
ग्यानी और गुनीजन आयो ।
धन धन भाग मेरो आज
ग्यान गुनन के सागर मिलि आयो ॥

स्थाई

सा रे
मो रे
४

प –	– ग	– ग	ग रे सासा	रेग ग रे	सासा रे
मं ऽ	ऽ द	ऽ र	वाऽ ऽ ऽ	ऽऽ मोऽ	ऽ ऽ रे
×	०	२	०	३	४

प –	– ग	– ग	ग रे	प ग	ध ग
मं –	– द	ऽ र	ग्या ऽ	नी ऽ	औ र
×	०	२	०	३	४

प सां ध	– सां	– सां	पध पध	सांध पप	गरे सारे
गु नी	ऽ ज	ऽ न	आऽ ऽऽ	ऽऽ योऽ	मोऽ रेऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग ग	प ध	सां ध	सां प	सां –	सां सां
ध न	ध न	भा ऽ	ग मे	रो ऽ	आ ज
×	०	२	०	३	४

सां सांध	पध गं	गं रें सांरें	गं गं रें	सांसां ध	धसां रेंगं
ग्या ऽऽ	ऽऽ न	ऽऽ ऽऽ	ऽ गुऽ	न ऽ न	केऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

सां –	ध प	प ध	प ध पध	सांध प प	ग रे सारे
सा ऽ	ग र	मि लि	आऽ ऽऽ	ऽऽ योऽ	मोंऽ रेऽ
×	०	२	०	३	४

राग - बागेश्री, ताल - रूपक, लय - मध्य.

अब घर आओ पिया मोरा रे
तुम बिन कौन मोरा दुख जाने ।
काहे ऐसो निठुर भयो बता देओ
दरस बिन तरस रहूँ मैं तो आज ॥

स्थाई

सा सां	—ध प
अ ब	ऽघ र
२	३

ध —नि़ पध—	—,धप ग़	रे म ग़
आ ऽऽ ओऽऽ	ऽपिऽ या	ऽमो रा
×	२	३

सारे— — सा	—सारे सासा—	— नि़ ध
ऽऽऽ ऽ रे	ऽतुऽ मऽऽ	ऽ बि न
×	२	३

धध,— —नि़ पध—	म नि़ध	सां नि़ सां
कौऽऽ ऽऽ नऽऽ	मो रा	दु ख
×	२	३

म ग़ रेग़ रे सा	सा सां	—ध प
जा ऽऽ ने	अ ब	ऽघ र
×	२	३

अंतरा

	नि॒ ध,पमम	ग॒म ध
	का हेऽऽऽ	ऽऐ सो
	२	३

^सां^नि॒ सां सां	^सां^नि॒ ^सां^नि॒	— सां ^मं^गं॒
नि ठु र	भ यो	ऽ ब ता
×	२	३

रेंसांनि॒सां नि॒सां,रें सां	धप धप	ध,सारें सां सां
देऽऽऽ ऽऽऽ ओ	दऽ रऽ	सबिऽ न ऽ
×	२	३

^सां^नि॒ ध म	म ^नि॒^ध	नि॒ सां	^म^ग॒ रेग॒ ^रे^सा	सा सां	— ध प
त र स	र हूँ	मैं तो	आ ऽऽ ज	अ ब	ऽ घ र
×	२	३	×	२	३

राग - बागेश्री, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

बता दे सैंया आज कैसे घर जाऊँ
बरसन लागे अत जोर सावनकी बदरिया ।
पियारे डर लागे घर पर मोहे
मिलन बिन जियरा तरसत मोरा ॥

स्थाई

	— — — ^म ग॒	म नि॒ध —नि॒ सां
	ब	ता देऽ सैं या
	०	३

सां — धप ध	प ध सारें सांसां	नि॒ध — प म ग॒	म नि॒ध —नि॒ सां
आ ऽ जऽ कै	ऽ से घऽ र ऽ	आऽ ऽऊँ ब	ता देऽ सैं या
×	२	०	३

रेंसांसां सांनि॒ध पमग॒ रे सा	^म ग॒ ^म ग॒ रे सा	रें — सां सारें	सांसां ^सां नि॒ ध ध
आऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ज ऽ	ब र स न	ला ऽ गे अऽ	त ऽ जो ऽ र
×	२	०	३

पध ध नि॒ सां	सां प ध सां	सां,सांनि॒ नि॒ध,ध — ग॒	म नि॒ ध
साऽ ऽ व न	की ब द री	याऽऽ ऽऽऽ ऽ ब	ता दे ऽ
×	२	०	३

अंतरा

	— — — नि॒	सां रेंसां —ध पध
	पि	या रेऽ ऽऽ रऽ
	०	३

नि – नि नि | ध – नि सां | रेंसां निसां – नि | सां रेंसां –ध पध |
ला ऽ ऽ ऽ | गे ऽ ला गे | रेऽ ऽ ऽ ऽ पि | या रेऽ ड रऽ |
× | २ | ० | ३

नि – ध पम | मप धप ग रेग | सा सा म ग | रे सा सा सांरें |
ला ऽ गे ऽऽ | घऽ रऽ प रऽ | मो हे मि ल | न बि न जिऽ |
× | २ | ० | ३

सां सां नि ध म | पम प ध नि | सां,सांनि निध,ध – ग | म निध – नि सां |
य ऽ रा ऽ त | रऽ स त मो | रा ऽ ऽ ऽऽऽ ऽ ब | ता देऽ ऽ सैं या |
× | २ | ० | ३

राग - मिया मल्हार, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

कारे बोलत नाही, पपीहा
कारी घटा नभ छायो है
और करत बौछार मेहा ।
इत मोर बोले, उत कोयल सूर
काहे रूठे तुम मोरे पपीहा ॥

स्थाई

—रे प,नि॒ध —निसां
का रेबोऽ ल त
३

नि —	नि॒ नि॒ प	पनि॒धनि॒धसां निसांधनि॒,प	— रे प,नि॒ध —नि,सां
ना ऽ	ही प पी	हाऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ	ऽका रेबोऽ ल त
×	२	०	३

नि —	नि प,नि॒ध सां	सांनिधनि॒ प प	—,नि॒नि॒पम पधपध,निसां,— —नि॒प
ना ऽ	ही पपीऽ ऽ	हाऽऽऽ ऽका	ऽरीऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽ ऽघऽ
×	२	०	३

ग॒ ग॒	—मप म म, रे —	सा —	सा ग॒ —ग॒ म रे
टा ऽ	ऽनऽ भऽछा ऽ	यो ऽ	हैऔ ऽर ऽक
×	२	०	३

प— पनि॒	ध नि —नि पसांसांनि	धनि—,पसां सांनि॒धनि॒	प रे प,नि॒ध —निसां
रऽ तबौं	ऽछा ऽर मेऽऽऽ	ऽऽहाऽ ऽऽऽऽ	ऽका रेबोऽ ल त
×	२	०	३

राग -

बता दे सैं
बरसन ला
पियारे डर
मिलन बि

सां — धप
आ ऽ जऽ
×

रेंसांसां सांनि॒
आऽऽ ऽऽ
×

प ध ध नि॒
साऽ ऽ व
×

अंतरा

रे—,—प	—,—नि॒	——नि—
इऽऽत	ऽऽमो	ऽऽरऽ
३		

सां —	सां निनि सांनि	सांध नि॒प	—,पनि॒ नि॒प,ग॒ म रे
बो ऽ	ले उ त कोय	लसू ऽर	ऽक्काऽ हेऽरू ऽठे
×	२	०	३

प पनि॒	धनि —नि पसांसांनि	धनि—,पसां सांनि॒,—धनि॒	प रे प,नि॒ध —निसां
तु ममो	ऽरे ऽप पीऽऽऽ	ऽऽहाऽ ऽऽऽऽ	ऽका रेबोऽ ल त
×	२	०	३

राग - मिया मल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सैंया डर लागे आज, चहुँ ओर
सावनकी बदरिया, गरज गरज रही ।
आजा रे तू आजा रसिया
देखत बाट तोपे लागे नैन
कल ना परत नहि नींद रतिया
तरस तरस रही ॥

स्थाई

	– – नि॒नि॒ पम	पध निसां सां नि॒	प मग॒ म रे
	सैंऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ या, ऽ	र ला ऽ गे
	२	०	३

प – नि॒ ध	नि – नि॒नि॒ पम	पध निसां सां पनि॒	नि॒प ग॒ म रे
आ ऽ ऽ ऽ	ज ऽ सैंऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ या ऽऽ	रऽ ला ऽ गे
×	२	०	३

प ऽ नि॒ ध	नि – सारें सांसां	– मनि॒ नि॒प ग॒	म रे प –
आ ऽ ऽ ऽ	ज ऽ सैंऽ याऽ	ऽ चऽ हुँऽ ओ	ऽ र सा ऽ
×	२	०	३

नि॒ ध नि –	नि सांनि रेंसांसां नि	नि॒ध सां नि॒ सां	नि सांनि धनि॒ प
व न की ऽ	ब दऽ रीऽऽ या	ऽऽ ग र ज	ऽ ग ऽ रऽ ज
×	२	०	३

– प नि॒ ध	सां – नि॒नि॒ पम	पध निसां सां नि॒	प मग॒ म रे
ऽ र ही ऽ	ऽ ऽ सैंऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ या, ऽ	र ला ऽ गे
×	२	०	३

अंतरा

	– – धनि सांरें	रें सां – धनि	मप म प निध नि
	आऽ ऽऽ	जा ऽ ऽ रेऽ	ऽऽ ऽतू ऽऽ आ
	२	०	३

सां – नि सां	सां नि – – ध	प नि ध नि	सां सां निसां रेंमं
जा ऽ र सि	या ऽ ऽ ऽ	दे ख त बा	ऽ ट तोऽ पेऽ
×	२	०	३

रें – सां ध	नी प – पनि	निप ग म रे	प प नि ध
ला ऽ गे नै	ऽ न ऽ कऽ	लऽ ना ऽ प	र त न हि
×	२	०	३

नि – नि नि	सां नि ध सां	नि सां नि सांनि	धनि प – प
नीं ऽ द र	ति या ऽ त	र स ऽ तऽ	रऽ स ऽ र
×	२	०	३

नि ध सां –	– – निनि पम
ही ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ सैंऽ ऽऽ
×	२

राग - मिया मल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सननननननन मेहा, -परत बूंद छुम् छनन
बहत पवन अत जोर सूं सूं सूं ।
चाहे आज जित बरसो तुम
है बाहोंमें मोरे प्रीतम
आनंद-तरंग उठत अंग अंग, झूम झूम झूम ॥

स्थाई

– म रे प	प नि॒ ध नि
स न न	न न न न
०	३

सां नि सां नि	ध नि॒ म प	– म रे प	प नि॒ ध नि
मे ऽ ऽ ऽ	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ स न न	न न न न
×	२	०	३

रेंसां सांनि – सांनि॒	नि॒ – म प	रे म रे प	– प ^म^ग॒ –
मेऽ ऽ ऽ ऽ हाऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	प र त बूं	ऽ द छु ऽ
×	२	०	३

–म रे सा सा	ग॒ म रे प	प प नि॒ –	ध नि – नि
ऽम छ न न	ब ह त प	व न अ ऽ	त जो ऽ र
×	२	०	३

पसां – – सांध	– नि॒ मप –	– म रे प	प नि॒ ध नि
सूंऽ ऽ ऽ सूं	ऽ ऽ सूंऽ ऽ	ऽ स न न	न न न न
×	२	०	३

अंतरा

रे रे – प	– प नि॒ ध	नि नि सां –	– सां – सां
चा हे ऽ आ	ऽ ज जि त	ब र सो ऽ	ऽ तु ऽ म
×	२	०	३

^सां^नि॒ – ^सां^नि॒ –	नि – सां –	रें –सां – सां	– ध नि॒ प
है ऽ बा ऽ	हों ऽ में ऽ	मो ऽ रे ऽ प्री	ऽ त ऽ म
×	२	०	३

रे म रे प	प प नि॒ ध	नि सां – रें	सां नि सां सां
आ नं द त	रं ग उ ठ	त अं ऽ ग	अं ऽ ग झू
×	२	०	३

– सां ध –	–नि॒ म –प –प	– म रे प	प नि॒ ध नि
ऽ म झू ऽ	ऽम झू ऽम ऽऽ	स न न	न न न न
×	२	०	३

राग - गौडमल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

घन गरजन लागे सैंया
तोरे मिलन कैसे आ जाऊँ मैं तो।
चहुँ ओर चमके बिजलिया
मेहा बरसत जिया डर लागे ॥

स्थाई

		— रे रे प	प पनि़ धनि़ प
		घ न ग	र जऽ ऽऽ न
		०	३
प — — धप	म — मप मम	— म प प	धनि सां धप म
ला ऽ ऽ ऽऽ	गे ऽ सैंऽ याऽ	ऽ तो रे मि	लऽ न कैऽ से
×	२	०	३
धप मम पध निरें	सांसां — धप मप	मम रे रे प	प पनि़ धनि़ प
आऽ ऽऽ जाऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऊँऽ मैंऽ	तोऽ घ न ग	र जऽ ऽऽ न
×	२	०	३

अंतरा

		रे प — पनि़	धनि़ प प प
		च हुँ ऽ ओऽ	ऽऽ र च म
		०	३
प — नि़ ध	नि नि सां —	म — प —	नि़सां नि़नि़ प प
के ऽ बि ऽ	ज लि या ऽ	मे ऽ हा ऽ	बऽ रऽ स त
×	२	०	३

म म प ध	धप –ध मध मम	– रे रे प	प पनि धनि प
जि या ड र	लाऽ ऽऽ गेऽ ऽऽ	ऽ घ न ग	र जऽ ऽऽ न
×	२	०	३

राग - गौडमल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सच लय सच सूर को जानो तुम
सच गुरु ग्यानी को मानो ।
जो जो सच बात परख लीज्यो
यही अमर रहियो जाय यह मानो ॥

स्थाई

	– – – म	म रे रे प	प नि ध नि
	स	च ल य स	च सू र को
	२	०	३

सां – सांध नि	प गप मम म	म रे रे प	प नि ध नि
जा ऽ ऽऽ ऽ	नो तुऽ मऽ स	च ल य स	च सू र को
×	२	०	३

सां – सांध नि	प गप मम म	म प प ध	– – निरें सां
जा ऽ ऽऽ ऽ	नो तुऽ मऽ स	च गु रु ग्या	ऽ ऽ ऽऽ नी
×	२	०	३

नि सां नि ध	नि प ध म	म रे रे प	प नि ध नि
ऽ को ऽ मा	ऽ नो ऽ स	च ल य स	च सू र को
×	२	०	३

अंतरा

	– – धनि सारें	– सां – सां	सांनि ध नि प
	जोऽ ऽऽ	ऽ जो ऽ स	च ऽ बा.ऽ त
	२	०	३

प नि॒ ध नि	सां सां, म म	– म प प	नि॒ ध नि –
प र ख ली	ऽ ज्यो, य ही	ऽ अ म र	र ह्यो जा ऽ
×	२	०	३

सां सां नि ध	नि॒ प ध
य ये ऽ मा	ऽ नो ऽ
×	२

राग - देस, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

करो बतिया सहेलिया
नयो घर जाऊँ कल, संग रसिया ।
दुख डर आनंद उठत मनमाँ
छाँड सब सखियन, जाऊँ ससरिया ॥

स्थाई

| – मम, रे म प |
| कऽरो ब ति |
| ३ |

नि – सां –	सांप म प धप	म –ग रेग सा	रे रे– म प
या ऽ ऽ ऽ	ऽ स हे लिऽ	या ऽऽ ऽऽ ऽ	न यो घ र
×	२	०	३

निसां निनि धप ध	प मप –नि सां	धपमम पनिसारें, रेंसांनिध पमगरे
जाऽ ऊँऽ कऽ ल	ऽ संग ऽ र सि	याऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ
×	२	०

सा मम, रे म प
ऽ कऽरो ब ति
३

अंतरा

– रे रे –म प
दुख ऽड र
३

नि सां सां प	नि नि –नि सां	धपपम – पसांनिनि धप	– पनि –नि नि
आ नं द उ	ठ त ऽम न	मोंऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽऽ	छाँड स ब
×	२	०	३

– निसां –नि सां	– रे म –प प	धपमम पनिसांरें, रेंसांनिध पमगरे
सखि य न	जाऊँ ऽस स	रिंऽऽऽ ऽऽऽऽ याऽऽऽ ऽऽऽऽ
×	२	०

सा मम,रे म प
ऽ कऽरो ब ति
३

राग - देस, ताल - एकताल, लय - द्रुत (तराणा).

देर्ना दानी तदानी, तारे दानी,
तार्दानी, देरेना देरेना देरेना ।
तन देरेना तदानी तदानी,
दानी तारे दानी तादानी, देरेना, देरेना, देरेना ॥

स्थाई

– म	– प
दे	ऽ र्ना
३	४

नि –	– सां	– धप	म ग	रे म	–प धप
दा ऽ	ऽ नी	ऽ तऽ	दा ऽ	नी, ता	रे ऽऽ
×	०	२	०	३	४

म –	– ग	रे –	म ग	म ग रे	ग सा
दा ऽ	ऽ नी	ऽ ऽ	ता ऽ	र् दाऽ	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

मप मम	– ग	रे –	निसां निनि	– ध	प –
देऽ रेऽ	ऽ ना	ऽ ऽ	देऽ रेऽ	ऽ ना	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

नि सां	– निसांरें	गंरेंसां सांसांनि	– –	– म	– प
दे रे	ऽ ना	ऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	ऽ दे	ऽ र्ना
×	०	२	०	३	४

अंतरा

रे म	प ध	म प
त न	दे रे	ना त
०	३	४

नि –	नि सां	नि सां	पनि सारें	रेंसां नि॒ध	पम प
दा ऽ	नी त	दा नी	तऽ नऽ	देऽ रेऽ	नाऽ त
×	०	२	०	३	४

नि –	नि सां	नि सां	नि॒ध –ध	प म	–प धप
दा ऽ	नी त	दा नी	दाऽ ऽनी	ऽ ता	रे ऽऽ
×	०	२	०	३	४

म –	– ग	रे –	म ग	म रे	ग सा
दा ऽ	ऽ नी	ऽ ऽ	ता ऽ	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

मप मम	– ग	रे –	निसां नि॒नि॒	– ध	प –
देऽ रेऽ	ऽ ना	ऽ ऽ	दे ऽ रे ऽ	ऽ ना	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

नि सां	– निसारें	गंरेंसां सांसांनि॒ऽ	– –	– म	– प
दे रे	ऽ नाऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽ ऽ	ऽ दे	ऽ नीं
×	०	२	०	३	४

राग - तिलक कामोद, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

तन मन मानत कछु नाही आज मोरा
तोरे मिलन जलत जिया मोरा ।
सह नहीं जात ये बिरहन
तोरे बिन अकुलाय मन मोरा ॥

स्थाई

रेम पसां	सां,पध म,गरे –मप
तन मन	माऽऽ नतऽ ऽकछु
०	३

सां सांप,प	रेम–मप–पध म ग रेसा,सा	रेम पसां
ना ऽऽही	आऽ ऽऽ ऽऽ जमो ऽऽरा	तन मन
×	२	०

| धपममपनिसांरें गंरेंसांसांधपमग रेम,प |
| माऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽनऽतऽ ऽकछु |
| ३ |

सां सांप,प	रेम–मप–पध म ग रेसा,सा	–रेग सारे,–	प प प
ना ऽऽही	आऽऽऽऽऽ जमो ऽऽरा	तोऽ रेऽऽ	मि ल न
×	२	०	३

सां,–सां प,निध	–म गरे,ग सासा	रेम पसां
जऽल ऽतऽ	ऽजि याऽऽ मोरा	तन मन
×	२	०

अंतरा

– –धम –प,निनि
सहे नऽहीं

३

सां –	सां – पनिसारें,–	– रेंगं	निसां –धम –प,निनि
जा ऽ	त ऽ येऽऽऽऽऽ	ऽ बिर	ह न ऽसहे ऽनऽहीं
×	२	०	३

सां –	सां – पनिसारें,–	रेंगं निसां	सांसां,– सांप –प
जा ऽ	त ऽ येऽऽऽऽऽ	बिर ह न	तो ऽ रे ऽबि ऽन
×	२	०	३

रेम,पनिसां पनि̱	धप,ध म,गरेग नि̱सा	रेम पसां
अकुलाऽऽ ऽऽ	यऽऽ मनऽऽ मोरा	तन मन
×	२	०

राग - तिलक कामोद, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जारे भवरा जा पिया के देसा जा
ले आवो मोरा सैंया का संदेसा ।
बता दे मोरा पिया को
नित तोरी याद तोरे बिन न चैन
बिरह दुख मोरा मनमा ॥

स्थाई

रे	म प	धप	मप	
जा	रे भव	राऽ	ऽऽ	
	३			

सां – – रे	म प पध ध प	म म ग रेसा, प़	नि़ सा रे ग
जा ऽ ऽ पि	या के देऽ साऽ	जाऽ ऽ ऽऽ ले	आ वो मो रा
×	२	०	३
गरे सारे प –	धपप म निसांरें गंरें	सांसांध पमग रेसा रे	
सैंऽ याऽ का ऽ	संऽऽ ऽ देऽऽ ऽऽ	साऽऽ ऽऽऽ ऽऽ जा	
×	२	०	

अंतरा

रे	म	पध	पम	प	
ब	ता	देऽ	ऽऽ	मो	
	३				

सां – – –	निसां– प पनि सारें	सां – प प	नि सां रें –
रा ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ धि या	को ऽ ऽ नि	त तो री ऽ
×	२	०	३

सां – प रे	म प नि धप	मग रेग सा प़	नि़ सा रे ग
या ऽ द तो	रे बि न नऽ	चैऽ ऽऽ न बि	र ह दु ख
×	२	०	३

ग रे सारे प –	प सां निसांरें गंरेंसां	सांधप मगरे सा रे
मोऽ ऽऽ रा	म न माऽऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ जा
×	२	०

राग - बिहागडा, ताल - रूपक, लय - मध्य.

कौन देसा माई कंथा
गईलो सखी री,
उन बिन, कैसे रहूँ अब घरपर ।
निसदिन याद जियरा सताये
सखी री, तुम बिन
कासे कहूँ मोरा दुखवा ॥

स्थाई

पधध,प —गम	ग मप
रीऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ माई
२	३

सां — सां	प नि पध–,मप–	गम–,ग मप	सां — —	सां —	—सारें सांसां,—
कं ऽ था	सखी री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ माई	कं ऽ ऽ	था ऽ	गऽ ई ऽ
×	२	३	×	२	३

नि — —	धप— —	—प प	प ध पध	निसांनि ध	प —
लो ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	ऽऽ स	खी ऽ ऽऽ	ऽऽऽ री	ऽ ऽ
×	२	३	×	२	३

पग— — ग	ग मपमप	—ग रेसा,सा	सा —ग म	प प,धध	पम,ग म
ऽ ऽ ऽ ऽ	उ नऽऽऽ	ऽबि ऽऽन	कै ऽसे र	हूँ अऽऽ	ऽऽऽ ब
×	२	३	×	२	३

प पसां —नि	धप —प	—पनि —पध	—मप —ग —म	पधध,प — गम	ग म प
घ रऽ ऽऽ	ऽऽ प	र ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ कौ न	देऽऽऽ ऽसाऽ	ऽ माई
×	२	३	×	२	३

अंतरा

— ग म	— प निनि
निस	ऽदि ऽन
२	३

सां — —	सां गम	—प निनि	सां सां सां	सां सां	सांगं रेंसां
या ऽ ऽ	द निस	दि ऽन	या ऽ द	जि य	राऽ ऽऽ
×	२	३	×	२	३

रेंसां,नि धप— प	प प	ध निसांनि	धप पग— —	ग मपमप	—ग रेसा,सा
सऽता ऽ ऽ ये	स खी	ऽ ऽऽऽ	रीऽ ऽऽऽ ऽ	तु मऽऽऽ	बि ऽऽ न
×	२	३	×	२	३

सा —ग —ग	प पधधपम	ग म	पप पसां —नि	धप —प	—पनि —पध
का ऽसे ऽक	हूँ मोऽऽऽऽ	ऽ रा	दुख ऽऽ ऽऽ	ऽ वा	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	३	×	२	३

मप —ग —म	पधध,प —गम	ग मप
ऽऽ ऽकौ ऽन	देऽऽऽ ऽसाऽ	ऽ माई
×	२	३

राग - बिहागडा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सजन डर लागे जिया मोहे
घूम कर काली घटा आई ।
गरजन सुन छतिया धरकाए
उन बिन जिया तरसाये ॥

स्थाई

			पध	पप गम पध पप
			सऽ	जऽ नऽ डऽ रऽ
				३
सां – – –	धप – प ध	नि़सांनि़ ध प ग	– ग मप मप	
ला ऽ ऽ ऽ	गेऽ ऽ जि या	ऽऽऽ मो हे घू	ऽ म कऽ रऽ	
×	२	०	३	
ग – सा सा	गम पम पध पध	नि़सांनि़ ध प पध	पप गम पध पप	
का ऽ ली घ	टाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	आऽऽ ई ऽ सऽ	जऽ नऽ डऽ रऽ	
×	२	०	३	

अंतरा

			– – – ग	म प ध प
			ग	र ज ऽ न
				३
सां – सां प	नि सां सां गंरें	गं रेंसां सां ग	ग मप म प	
सु ऽ न छ	ति या ध रऽ	का ऽऽ ए तु	म बिऽ ऽ न	
×	२	०	३	

ग ग सा सा	गम पम पध पध	निसांनि ध प पध	पप गमं पध पप
जि या त र	साऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽ ये ऽ सऽ	जऽ नऽ ङऽ रऽ
×	२	०	३

राग - बिहागडा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आओ रिझाओ
सब मिल गाओ बजाओ ।
घर आज आये सैंया मोरे
सब मिलि आनंद मनावो ॥

स्थाई

–	–	पनि	निध	पप	गम	पम	पध	पध	निसां	ध	प
		आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ओ	रि
२				०				३			

प	–	–	–	प	–	गम	प	–	मप	मप	ग	रेसा	सा	–	पप
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	सऽ	ऽ	ऽ	बऽ	ऽऽ	मि	ऽऽ	ल	ऽ	गाऽ
×				२				०				३			

निनि	धप	धध	पम	पप	ग
ऽऽ	ओऽ	बऽ	जाऽ	ऽऽ	ओ
×				२	

अंतरा

ग	म	पनि	–	सां
घ	र	आऽ	ऽ	ज
	३			

नि	–	–	–	धप	प	ध	–	निसांनि	ध	प	–	–	गम	ग	–
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ये	सैं	ऽ	ऽऽऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	मोऽ	रे	ऽ
×				२				०				३			

साग	मप	—	गम	पनि	—	सां	—	—	सां	—	रें	नि	—	प	प
सऽ	ऽऽ	ऽ	बऽ	ऽऽ	ऽ	मि	ऽ	ऽ	लि	ऽ	आ	नं	ऽ	द	म
×				२				०				३			

निनि	धप	धध	पम	पप	ग
नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	वो
×				२	

राग - बहार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आई रूत आई नई आज
सब बनमें नई कलियाँ मुसकाई ।
भँवर सब मिलिया गूंजत है
नयो रस लेत फिरत बनमें ॥

स्थाई

		— — — मप	मपनि॒प ग॒म —नि॒ ध
		आऽ	ऽऽऽऽ ईऽ ऽरू त
		२	३

सां — — —	नि॒ ध नि सां	नि॒पध— —ग॒म ग॒म— सा	सा म म म
आ ऽ ऽ ऽ	ई ऽ न ई	आऽऽऽ ऽ जऽ स	ब ब न में
×	२	०	३

मप नि॒प ग॒ म	मनि॒ धनि नि सां	नि॒पप— —ग॒म ग॒म— म प	मपनि॒प ग॒म — —
नऽ योऽ क लि	याँऽ ऽऽ मु स	काऽऽ ऽ ई ऽ आऽ	ऽऽऽऽ ईऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — — नि॒नि॒	पम ग॒म नि॒ ध
भँऽ	वऽ रऽ स ब
०	३

सां सां सां —	— नि सां सां	सांमं गं॒मं रेंसां नि॒नि॒	पम ग॒म नि॒ ध
मि लि या ऽ	ऽ गूं ज त	हैऽ ऽऽ ऽऽ भऽ	वऽ रऽ स ब
×	२	०	३

सां सां सां –	– नि सां सां	नि॒नि॒ पम प सा	प – ग॒ म
मि लि या ऽ	ऽ गूं ज त	है ऽ ऽऽ ऽ न	यो ऽ र स
×	२	०	३

मनि॒ धनि निसां नि॒ प	प पनि॒ म प	नि॒पप– –म गु॒म– म प
लेऽ ऽऽ त ऽ फिऽ	र तऽ ब न	मेंऽऽऽ ऽ ऽ ऽ आऽ
×	२	०

राग - हंसध्वनी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

मोहे आज दीज्यो दरसन
महादेव नीलकंठ, गले रुंडमाल साजे
सिर गंगा बिराजे ।
नित धरत ध्यान तेरो
दरस देओ एक बार
कीज्यो कृपा छाँव, आद महादेव ॥

स्थाई

			– – प नि
			मोहे
			३

सां –	सांप– पग– रे	गरे गपप,ग	रेसा– –सा पनि
आ ऽ	ज ऽ दीऽऽ ज्यो	दऽ रऽऽऽ	सऽऽ ऽ न मोहे
×	२	०	३

सां –	सांप– पग– गरे–	ग रे गपप,गरे	सा – सा
आ ऽ	जऽऽ दीऽऽ ज्योऽ	दऽ रऽऽऽऽ	स ऽ न
×	२	०	३

प़ रे	रे – रे	गप निप–	ग रेसा– सा
म हा	दे ऽ व	नीऽ लऽऽ	कं ऽऽऽ ठ
×	२	०	३

(प)ग (प)ग	प – प	पग– –सा	रे – रे
ग ले	रुं ऽ ड	माऽऽ ऽल	सा ऽ जे
×	२	०	३

पग पग	प पसां सां	सांप पपनिसांरेंगं	गंरेंसांनिपप गरेसा,– पनि
सि र	गं ऽऽ गा	बि राऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽजेऽ मोहे
×	२	०	३

अंतरा

पग प	सां सां सां	प नि	सांरें,गं रें रें
नि त	ध र त	ध्या न	तेऽऽ ऽ रो
×	२	०	३

गं रें	सां सांरेंगंरें सां	प गं रें	सां – सां
द र	स देऽऽऽ ओ	ए कऽ	बा ऽ र
×	२	०	३

सां –	सांप– – प	पग– रेसाऽ	रे – रे
की ऽ	जो ऽ ऽ कृ	पाऽ ऽऽऽ	छाँ ऽ व
×	२	०	३

ग पग	प पसां– सां	सांप पपनि,सांरेंगं	गंरेंसां,सांपप, गरेसा– पनि
आ ऽ	द ऽऽऽ म	हा देऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽवऽ मोहे
×	२	०	३

राग - हंसध्वनी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

साई आज कैसे करूँ ध्यान
एकरूप कैसे करूँ मेरो मन ।
कर लियो माल मुँह में तेरो नाम
मनवा फिरे चहुँ दिस ॥

स्थाई

	ग प	पसां निसां प सां	– पप ग रे सा
	सा ई	आऽ ऽ ऽ ज कै	ऽ सेऽ करुऽ रूँ
		०	३
रे – ग –	सा – ग प	पनि सांरें गं रें सांरें	सांनि पप ग रे सा
ध्या ऽ ऽ ऽ	न ऽ सा ई	आऽ ऽऽ जऽ कैऽ	ऽऽ सेऽ करुऽ रूँ
×	२	०	३
रे – ग –	सा – सा ग	रे – रे ग	प नि प प
ध्या ऽ ऽ –	न ऽ ए क	रू ऽ प कै	ऽ से ऽ क
×	२	०	३
सां नि रें सांनि पप	ग रे सारे म प	पसां निसां प	
रूँ ऽ मे ऽ रोऽ	मऽ नऽ सा ई	आऽ ऽऽ ज	
×	२	०	

अंतरा

– – – ग	प निनि प –
क	र लिऽ यो ऽ
०	३

सां — सां ^सां^प	— नि सां रेंगं	रें — रें सां	गं रें — प
मा ऽ ल मुँ	ह में ते रोऽ	ना ऽ म म	न वा ऽ फि
×	२	०	३

सांनि रें सांनि पप	ग रे सारे ग प	प सां निसां प सां
रे ऽ ऽ चऽ हुँऽ	दिऽ सऽ सा ई	आऽ ऽऽ ज कै
×	२	०

राग - हंसध्वनी, ताल - एकताल, लय - द्रुत. (तराणा)

तानों तानों तदरे दानी
तदरे दानी तन नित तानों,
तन नित तानों, तन नित ।
तना तना तदरे दानी
तारे दानी तन तदानी
तन नित दानी तानों तानों ॥

स्थाई

— ग
ऽ ता
४

रे रे	सा सा	सा प़	सा सा	— सा	रे प
नों ऽ	ता नों	ऽ त	द रे	ऽ दा	नी त
×	०	२	०	३	४

रे ग	प —	प प	नि सां	रें गं	रें — रें
द रे	दा ऽ	नी त	न नि	त ता	नो ऽम्
×	०	२	०	३	४

सां सां	प रें	सां सां	— प	ग रे	रे ग
त न	नि त	ता नों	ऽ त	न नि	त ता
×	०	२	०	३	४

अंतरा

– रें
त
४

सां –	प सां	– प	नि सां	– गं	रें गं
ना ऽ	त ना	ऽ त	द रे	ऽ दा	नी ता
×	०	२	०	३	४

– रें	नि –	प प	ग रे	रे ग	– ग
ऽ रे	दा ऽ	नी त	न त	दा नी	ऽ त
×	०	२	०	३	४

रे ग	प नि	सां गं	रें –रें	नि प	–प ग
न नि	त दा	नी ता	नों ऽ	ता नो	म् ता
×	०	२	०	३	४

राग - छायानट, ताल - रूपक, लय - मध्य.

बंधन राग ताल, पालन करो रे
ताल के जैसे खंड,
वैसी लयकारी करो रे ।
संतुलन राखो लय और सूर
सूर ऊँच लय नीच, यह मत मानोरे ॥

स्थाई

—रे गग	मनि़,ध —प
बं धन	ऽऽरा ऽग
२	३

प – प	—सां धप	—ध —प	पधपप रेग मरे,सा	—रे गग	मनि़,ध —प
ता ऽ ल	पा ऽऽ	ल ऽन	कऽरो ऽऽ ऽऽरे	बं धन	ऽऽरा ऽग
×	२	३	×	२	३

रेग रेग —म	प —प	—ध —प	सांध —प —ध	प – प	रे —ग
ताऽ ऽल ऽके	जै से	खं ऽऽ	वैऽ ऽसी ऽल	य ऽका	ऽ ऽरी
×	२	३	×	२	३

—म रेनि़ रेसा	—रे गग
क रोऽ ऽरे	बं धन
×	२

अंतरा

– रेग	—म प
संतु	ल न
२	३

सां — सां	रें सां	—ध प	पनिसारिं — सां	रेंसां —ध	—प रेंसां
रा ऽ खो	ल य	औ र	सूऽऽऽ ऽ र	सूर ऽऊँ	ऽच लय
×	२	३	×	२	३

—ध —प सां	— धपप — रे	ग मरे	—नि —रे —सा	—रे गग	मनि,ध —प
ऽनी ऽच ये	ऽ मऽऽ ऽ त	मा ऽऽ	ऽनो ऽ रे	बं धन	ऽऽरा ऽग
×	२	३	×	२	३

राग - छायानट, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

करत अरज तिहारी सैंया
समझाऊँ कैसे मैं तो हारी ।
छेडो ना मोरी नींद मेहेरबान
करो ना बरज मोरे सैंया ॥

स्थाई

			सा
			क

सा –रे – रे	ग ग मप म	
र ऽत ऽ अ	र ज ऽऽ ति	
०	३	

ग – रे –	सा सासा धप सा	सा –रे – रे	ग ग मप म
हा ऽ ऽ ऽ	री सैं ऽ याऽ क	र ऽत ऽ अ	र ज ऽऽ ति
×	२	०	३
ग – रे –	सा – रे ग	म प – पनि	सरिं सां – धपप
हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ स म	झा ऊँ ऽ कैऽ	ऽऽ से ऽ मैंऽऽ
×	२	०	३
रे रे रेग मप	गम रे सा सा	सा –रे – रे	ग ग मप म
ऽ तो हाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ री क	र ऽत ऽ अ	र ज ऽऽ ति
×	२	०	३

अंतरा

– – – रे	ग म प सां
छे	डो ना मो री
	३

सां — सां पसां	सांरें रें गं गंमं रे	सां — धप रें	सां —ध प ध
नीं ऽ द मेऽ	हेऽ ऽऽ ऽऽ र	बा ऽ नऽ क	रो ऽना ऽ ब
×	२	०	३

प —रे — गम	रे सासा ध़प़ सा
र ऽज ऽ मोऽ	रे सै ऽ याऽ क
×	२

राग - कलावती, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

काहे न भेजो पतिया
निठुर काहे भयो सैंया ।
लिख लिख पाती भेजूँ तोहे
हार गई मैं तो सैंया ॥

स्थाई

– –ग पध
का हेन
३

सांनि– –धनि	धप– – प प	नि, निध पध–	–निधप ग प धग
भे ऽ ऽ	जोऽ ऽ पति	या ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽऽ ऽनि ठुर
×	२	०	३

प –	पध– – निध	सां –	पध,पधनिध –ग पध
काऽ	हेऽऽ ऽ भयो	सैं ऽ	याऽऽऽऽऽ ऽका हेन
×	२	०	३

अंतरा

– –,ग ग, –प, ध
लिख लिख
३

सां –	सां – –	गंसां– नि,धनि	पध–प –निध –प,ग
पा ऽ	ती ऽ ऽ	भेऽऽ जूँऽऽ	तोऽऽहे हाऽ र ग
×	२	०	३

प —	ध — नि॒ध	सां —	सांसांनि॒नि॒, धधपप ग ग पध
ई	ऽ ऽ मैंतो	सैं ऽ	याऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽका हेन
×	२	०	३

राग - कलावती, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सैंया फेरावो मुख तोरा रे
काहे करत मोपे राग बता दे ।
कैसे जानूं तोरे मन
कौनसी बात करत राग बता दे ॥

स्थाई

			| – साग गप पध |
			| सैंऽ याऽ फेऽ |
			३

धनि – – धनि	(ध) प – प प	प –धनि ध धप	ग सा ग प
राऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	वो ऽ मु ख	तो ऽराऽ ऽ रेऽ	ऽ का हे क
×	२	०	३
निध –ध पप ग	प ध ध नि	निध धप पध पधनिध	–ग साग गप पध
रऽ ऽत ऽऽ मो	पे रा ऽ ग	बऽ ताऽ देऽ ऽऽऽऽ	ऽऽ सैंऽ याऽ फेऽ
×	२	०	३

अंतरा

– – – ग	– प ध निध
कै	ऽ से जा नूंऽ
०	३

सां – – –	सां – सांनि धप	गप पध ध गं	सां नि – ध
तो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ म ऽ ऽऽ	नऽ ऽऽ ऽ कौ	ऽ न ऽ सी
×	२	०	३

प – प नि॒ध	धप ग प –प	साग गप पध पधनि॒ध	– साग गप पध
बा ऽ त कऽ	रऽ त रा ऽग	ब ऽ ताऽ देऽ ऽऽऽऽ	ऽ सैंऽ याऽ फेऽ
×	२	०	३

राग - कलावती, ताल - द्रुत एकताल (तराणा)

उदनी तदानी तानों तदरे दानी, दानी दानी
दानी दानी, दानी दानी, दानी दानी ।
तादानी तादानी, उदनी तदानी तानों तानों तानों
दानी, दानी, दानी दानी, दानी दानी ॥

स्थाई

सा सा	ग ग	प प	नि॒ध धप	–ग ग	प नि॒
उ द	नी त	दा नी	ताऽ नोंऽ	ऽम् त	द रे
×	०	२	०	३	४

ध –	– पप	ग –	ग –सा	– नि॒	ध सा
दा ऽ	ऽ नीऽ	ऽ ऽ	दा ऽनी	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

सा सा	ग ग	प प	नि॒ध धप	–ग ग	प नि॒
उ द	नी त	दा नी	ताऽ नोंऽ	ऽम् त	द रे
×	०	२	०	३	४

ध –	– प	– –	सांनि॒ धप	गप धनि॒	सां –
दा ऽ	ऽ नी	ऽ ऽ	दाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	नी ऽ
×	०	२	०	३	४

सांनि॒ धप	गप धनि॒	ध –	ध गं	– गंसांसां	नि॒ ध
दाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	नी ऽ	दा ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सांनि̱नि̱ ध	— धपप	ग —	ग —सा	— नि̱	ध सा
दाऽऽ ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ	दा ऽनी	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

अंतरा

सां —	— नि̱नि̱	ध पग	प —	— ध	नि̱सां सां
ता ऽ	ऽ दाऽ	ऽ नीऽ	ता ऽ	ऽ दा	ऽऽ नी
×	०	२	०	३	४

सां ध	नि̱ प	ध ग	ध प	— ग	— सा
उ द	नी त	दा नी	ता नोम्	ऽ ता	ऽ नोम्
×	०	२	०	३	४

सा —	— सा	— —	साग साग	पप गप	धनि̱ ध
ता ऽ	ऽ नोम्	ऽ ऽ	दा ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ नी
×	०	२	०	३	४

गप गप	धध पध	नि̱सां सां	सां —सां	गं गंसांसां	नि̱ ध
दाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ नी	दा ऽ ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सांनि̱नि̱ ध	— धपप	ग —	ग सा	— नि̱	ध सा
दाऽऽ ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ	दा नी	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

राग - नायकी कानडा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रे जारे जा काहे घर आयो
सारी रैन कहाँ जाय बसे तुम ।
तरसत तोरे कारन, सगरी रतियाँ
कहाँ जाय बसे तुम ॥

स्थाई

			ग़	— म नि़ —
			रे	ऽ जा रे ऽ
				३

प — — —	मग़ — ग़ म	रे रे — सा	नि़सा रेम रे म पनि़
जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ का हे	घ रा ऽ यो	रे ऽ ऽऽ जाऽ रेऽ
×	२	०	३
नि़ प — —	ग़ —ग़ — म	प प प प	नि़ नि़प मप —म
जा ऽ ऽ ऽ	सा री ऽ रै	ऽ न क हाँ	जा ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३
ग़म —ग़ मप —	ग़ — ग़ ग़	म रे — सा	नि़ सा सा नि़
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	य ऽ ब से	ऽ तु ऽ म	रे ऽ जा रे
×	२	०	३

अंतरा

			म म नि़ प
			त र स त
			३

सां – – –	– सां पनि –	सां – – सां	म म नि प
तो ऽ ऽ ऽ	ऽ रे काऽ ऽ	र ऽ ऽ न	त र स त
×	२	०	३

सां – – –	– सां पनि –	सां – सां नि	नि सां – रें
तो ऽ ऽ ऽ	ऽ रे काऽ ऽ	र ऽ न स	ग री ऽ र
×	२	०	३

नि सां – –	– –नि पनि –	प प प प	नि निप मप –म
ति ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	याँ ऽ क हाँ	जा ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

गम –ग मप –	ग ग ग ग	म रे – सा	निसा रेम रे म पनि
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	य ऽ ब से	ऽ तु ऽ म	रे ऽ ऽऽ जाऽ रेऽ
×	२	०	३

राग - कौसी कानडा, ताल - रूपक, लय - मध्य.

ये मोरी बात मानो न मानो
भागमें है जो वह ही पाएगा ।
जो कियो करम वैसे सब होत
धन और नाम वैसे ही पाएगा ॥

स्थाई

सामग॒ध॒ मनि॒ध॒सां	नि॒सां,– नि॒ प
येऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ मोरी
२	३

म – म	पमम,ग॒ –	–म ध॒नि॒	प – म	साग॒,– मप,ग॒	म रे –सा
बा ऽ त	माऽऽऽ ऽ	ऽनो नऽ	मा ऽ नो	भाऽऽ ऽऽग	ऽमें ऽ है
×	२	३	×	२	३

सा – –	ध॒ नि॒सांरेंरें	सां नि॒पमग॒	मध॒–नि॒ प म
जो ऽ ऽ	वो हीऽऽऽ	ऽ पाऽऽऽ	ऽऽऽऽ ए गा
×	२	३	×

अंतरा

सां नि॒प,–	मग॒,म ध॒
जो ऽऽऽ	ऽऽकि यो
२	३

सां सां सां	नि॒ सां	– सां सां	ध॒नि॒सांनि॒सारें सांग॒मं,रें सां	ध॒नि॒सां मध॒नि॒	ग॒म,प म
क र म	वै से	ऽ स ब	होऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽ त	धऽऽ नऽऽ	औऽऽ र
×	२	३	×	२	३

गम,रे – सा	सामगध मनिधसां	निसां,– निपमग	मध–नि प म
नाऽऽ ऽ म	वैऽऽऽ सेऽऽऽ	ही ऽ पाऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ ए गा
×	२	३	×

राग - सुहा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आओ रे रंगीला मेरो घर आज
आओ रे रंगीला, मनबसिया पिहरुवा मोरा, रसिक बलमा ।
आयो मौसम सुहावन
अंग अंग उनमाद भरियो रसिया ॥

स्थाई

म	म म पनि प	
आ	वो रे ऽऽ रं	
	३	

सां — — —	— — पनि —	प — — म	म म पनि प
गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽ ऽ	ला ऽ ऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३
सां — निप —	पनि निसां सांरें रेंगं	सां — निप म	म म पनि प
गी — ला ऽ	मेऽ रो ऽ घऽ रऽ	आ ऽ जऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३
सां — निप —	प म प म	प — ग गग	म रे — सा
गी ऽ ला ऽ	म न ब सि	या ऽ पि हर	वा मो ऽ रा
×	२	०	३
— सां नि सां	— नि सां रें गं	सां — निप म	म म पनि प
र सि क	ऽ ब ल ऽ ऽ	मा ऽ ऽऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३

अंतरा

म	–	पनि	–	नि
मौ	ऽ	सम	ऽ	सु
	३			

सां – – –	सां सां रें सां –	नि़प – म म	– पनि़ – नि़
हा ऽ ऽ ऽ	व न आऽ ऽ	ऽऽ ऽ यो मौ	ऽ सम ऽ सु
×	२	०	३

सां – सां सां	म – प नि़	– सां गं़ गं़	मं रें – सां
हा ऽ व न	अं ऽ ग अं	ऽ ग उ न	ऽ मा ऽ द
×	२	०	३

– नि़ नि़ सांरें	– – नि़ सारेंसां	सांनि़ प – म	म म पनि़ प
ऽ भ रि योऽ	ऽ ऽ र सिऽऽ	याऽ ऽ ऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३

राग - अडाणा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आवो रिझावो
सब मिलिया मंगल गावो ।
बनरा मोरा घर आया
ब्याहनका दिन आज
धन धन मंगल गावो ॥

स्थाई

	– – ध़ नि़ सांरें	रेंसा सां,सां नि़नि़, नि़नि़	पम पम प सां
	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ, ऽ ऽऽ, ऽऽ	ऽऽ ऽऽ वो रि
	२	०	३

सां – ध़ नि़	प – मप नि़प	ग़ ग़म रे सा	ग़ ग़ म प
झा ऽ ऽ ऽ	वो ऽ सऽ बऽ	मि लिऽ या ऽ	मं ऽ ग ल
×	२	०	३

नि़नि़ पम पनि़ सांरें	रें सां ध़ नि़ सांरें
गाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	वो ऽ आऽ ऽऽ
×	२

अंतरा

– – – – म	प ध़ ध़ नि़
ब	न रा ऽ मो
०	३

सां — — नि॒	ध॒नि॒ — नि॒ सांरें	रें — सां प नि॒	सांरें रें सां सांरें
रा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ घ रेऽ	आ ऽ या ब्याऽ	ऽऽ ह ऽ नऽ
×	२	०	३

नि॒सां — प नि॒	म प ग॒ म	रे — सा ^म^ग॒	— म — प
काऽ ऽ दि न	आ ज ध न	ध ऽ न मं	ऽ ग ऽ ल
×	२	०	३

नि॒नि॒ पम पनि॒ सांरें	रें सां ध॒ नि॒ सांरें
गाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	वो ऽ आऽ ऽऽ
×	२

राग - सोहनी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

ओ नंदललन बेगि आ मिलता जायो
दीज्यो दरस करत पुकार गोविंदा गोपाला ।
दिन रैन हर साँस तेरो नाम
भूल गयो जगत गोविंदा गोपाला ॥

स्थाई

– रें सां रें	नि सां निध सां	सां सांनि मं मं मं
ओ नं द	ल ल न बे	गि आऽ मिल ता
२	०	३

ध – ध –	– रें सां रें	नि सां निध –	मं – ग – रे
जा ऽ यो ऽ	ऽ ओ नं द	ल ल न ऽ	दी ऽज्यो ऽ द
×	२	०	३

सा सा – ग	ग मंध – ध	सां – सां ध	नि सांरें – नि
र स ऽ क	र तऽ ऽ पु	का ऽ र गो	विं दाऽ ऽ गो
×	२	०	३

सां नि ध –	– रें सां रें	नि सां ध
पा ला ऽ ऽ	ऽ ओ नं द	ल ल न
×	२	०

अंतरा

– – सां सांनि	मं – ध सां	सांनि मं – ध
दि नऽ	रै ऽ न ह	रऽ साँ ऽ स
२	०	३

रें — सारें नि	सां ध मं गं	—गं रें सां सां	सां सां ध रें
ते ऽ रोऽ ना	ऽ म भू ऽ	ल ग यो ज	ग त गो विं
×	२	०	३

सां रें नि सां	निध रें सां रें	नि सां ध
दा ऽ गो पा	लाऽ ओ नं द	ल ल न
×	२	०

राग - बसंत, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

पिहरवा लादे चुनरिया
ऐसो लादे कि जैसे रंग बसंती ।
जाज्यो रे पिया रंगरेजुवा घर
चुनरी लादे कि जैसे रंग बसंती ॥

स्थाई

		– – – सां	नि ध॒ प –
		पि	ह र वा ऽ
		०	३

प – – – म॑	गम॑ – ग म॑ ध॒	सां नि,ध॒पप म॑ प	प – ग म॑
ला ऽ ऽ ऽऽ	ऽऽऽ दे चु न	री ऽयाऽऽ ऽ ऐ	सो ऽ ला दे
×	२	०	३
ग – सा म	म नि ध॒ सां	निध॒पम॑ गम॑ध॒नि सां सां	नि ध॒ प –
की ऽ जै से	रं ग ब सं	तीऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ पि	ह र वा ऽ
×	२	०	३

अंतरा

		– – – म॑	ध॒ नि सां म॑ ध॒
		जा	ज्योऽ ऽ रे पि
		०	३

सां – सां सां	सां रें॒सां रें॒,रें॒सां निसां –	– ध॒ प प	प प ग म॑
या ऽ रं ग	रे जुऽ वाऽऽ ऽऽऽ	ऽ घ र चु	न री ला दे
×	२	०	३

ग – सा म	म नि ध़ सां	निध़पर्म गर्मध़नि सां सां	नि ध़ प –
की ऽ जै से	रं ग ब सं	तीऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ पि	ह र वा ऽ
×	२	०	३

राग - परज, ताल - रूपक, लय - मध्य.

साई आज आयो तोरे मंदर मैं तो
कीजो कृपा मोपे दरस दीज्यो ।
बिपत परी मोपे महाकठिन, आन
बंधाओ धीर तुम मोरे गुसैयाँ ॥

स्थाई

–मं ध़
साई
३

सां – सां	ध़ नि	प ध़	प प पमं	गम ग	–मं ग
आ ऽ ज	आ यो	तो रे	मं द रऽ	मैंऽ तो	ऽकी ऽ
×	२	३	×	२	३

रे़सा– – सा	ग मंप	मं ध़	मं ध़नि,सां सां	सां रें़सांनि ध़मंमं	गमं ध़
जोऽ ऽ कृ	पा ऽऽ	मो पे	द रऽ ऽ स	दी ज्योऽऽऽऽऽ	ऽसा ई
×	२	३	×	२	३

अंतरा

मं मं	ध़नि, सां सां
बि प	तऽ ऽ प
२	३

सां – –	नि नि	सां मं	गं रें़ सां	सां –	–नि मं
री ऽ ऽ	मो पे	म हा	क ठि न	आ ऽ	ऽन बं
×	२	३	×	२	३

नि — ध प	प पमं	गम ग	मं ध नि	सां रेंसांनिधमंमं	गमं ध
धा ऽ ओऽ	धी रऽ	तुऽ म	मो रे गु	सै याँऽऽऽऽऽ	ऽसा ई
×	२	३	×	२	३

राग - मालकंस (ख्याल), ताल - एकताल, लय - विलंबित

अंबवा मोर लागे, सब बन आज
नयो रस, नयो फूल, उमंगे चहुँ ओर ।
भँवर मन आनंद, करत गूंजगान
मदभरे फिरत बन चहुँ ओर ॥

स्थाई

— सा	म,धमम,ग —म, धनिध,ग
अं	बवाऽऽऽ ऽमो ऽऽऽर
३	४

म —,गम—	म —	मधमम,ग गसा	मगगम ग	निसा सासा	म,मधमम गमनिध
ला	गे ऽ	सऽबऽऽ ऽऽ	बनऽआ	ऽ ऽ ज न	यो,रऽसऽ ऽन यो
×	०	२	०	३	४

निसां,— धध	म,—मध धनि,—	सांनिनिध,—ध म	—मध, मम ग	निसा सासा	म,धमम,ग
फूऽऽ लऽ	ऽ उऽ मंऽऽ	गेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽचऽहुँऽ ओ	ऽ ऽ र अं	बवाऽऽऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

— गग	मनिध,— —धनि,सांनिध
भँव	रऽऽ ऽमऽ नऽऽ
३	४

सां सां	सां निसां,सां	सांसांसां नि नि निसां	— —निसां , गंगंसां
आ ऽ	नं ऽऽ द	क र तऽ	ऽ ऽगुंऽ ऽ जऽ
×	०	२	०

निध–,– निध–,– | म,मधमग सागम,ध
गाऽऽऽ ऽऽऽऽ | नमऽदऽ ऽऽभरे
३ ४

निसां–,– धध | –म –मध,धनि– | सांनिनिध,ध म |
फिऽऽ रत | ऽ बऽनऽ | ऽऽऽऽऽ ऽ |
× ० २

–मधमम मग–,– | निसा सासा | म, धमम,ग
चऽहुँऽ ओऽऽ | ऽऽ र अं | बवाऽऽऽ
० ३ ४

राग - मालकंस, ताल - रुपक, लय - मध्य

मोहे दीज्यो दरस आद महादेव
आंगनमाँ भस्म, हाथमें त्रिशूल, मोरे जगदीश ।
बन गयो जोगी तोरे दरसन को
छांड दियो जगत, नित तेरो नाम, मोरे जगदीश ॥

स्थाई

ग॒ म	ध॒ नि॒
मो हे	दी ज्यो
२	३

सां सां सां	(नि॒)ध॒ (नि॒)ध॒	—म ग॒	नि॒ साग॒— सा	सा ग॒	मध॒म (म)ग॒
द र स	आ द	ऽम हा	दे ऽऽऽ व	आं ग	नऽऽ मा
×	२	३	×	२	३

मध॒— — म	ग॒ म	(नि॒)ध॒ नि॒ध॒	नि॒ सां सां	(नि॒)ध॒ (नि॒)ध॒	—ग॒ ग॒
भऽ ऽ स्म	हा थ	में ऽऽ	त्रि शू ल	मो रे	ऽज ग
×	२	३	×	२	३

नि॒ साग॒— सा	ग॒ म	(सां)ध॒ नि॒
दी ऽऽऽ श	मो हे	दी ज्यो
×	२	३

अंतरा

सां सांनि॒ध॒ध॒	मग॒, म (नि॒)ध॒
ब नऽऽऽ	ऽऽ ग यो
२	३

नि॒सां– – सां	नि॒ नि॒	सां सां	नि॒ सांगं॒– सां	सा ग॒	–म ध॒मग॒–
जोऽऽ ऽ गी	तो रे	द र	स नऽऽ को	छां ड	ऽदि योऽऽऽ
×	२	३	×	२	३

मध॒– ध॒ म	ग॒ म	ध॒ नि॒ध॒	नि॒सां– – सां	नि॒ नि॒ ध॒ ध॒	–ग॒ ग॒
जऽ ग त	नि त	ते रोऽ	नाऽऽ ऽ म	मो रे	ऽज ग
×	२	३	×	२	३

नि॒ सागु॒– सा
दी ऽऽऽ श
×

राग - मालकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आ रंगीले आ रे घर
हमसंग मिलकर गाओ सूरनको ।
पिया लय सूर न लगे पार
हमसंग मिलकर गाओ सूरनको ॥

स्थाई

– म म ग़म धऩि	सांऩि धम ग़सा ऩिसा
आऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ रंऽ गीऽ लेऽ
०	३

ऩि ध़ – – –	ऩि ध़ – ग़ म	ग़ म ग़ म	म ध़ ग़ म
आ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ घ र	ह म सं ग	मि ल क र
×	२	०	३

सां – – ध़ऩि	सांऩि ध़ध़ मग़ साऩि	सा म म ग़म धऩि
गा ऽ ऽ ओऽ	ऽ ऽ सूऽ रऽ न ऽ	को आऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०

अंतरा

ग़ म ध़ ऩि	सां – – –
पि या ल य	सू ऽ ऽ ऽ
०	३

सां ध़ ऩि ध़	सां – – सां	साग़ ग़म ग़ सा	ग़ म ध़ ऩि
र न ल गे	पा ऽ ऽ र	हऽ मऽ सं ग	मि ल क र
×	२	०	३

सां	–	–	धृ नि़	सांनि़	धृधृ	मग़	सानि़	सा	म	म	ग़म	धृनि़
गा	ऽ	ऽ	ओऽ	ऽ ऽ	सूऽ	रऽ	न ऽ	को	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	
×				२				०				

राग - चंद्रकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

कैसे घर आऊँ रे बलमवा
बहत पवन अत जोर, चहुँ ओर
गरज करत, बादल बरसे बूंद ।
मुरवा पपीहा कोयल करे शोर
नयो ऋतुगंध करत बेचैन
तब निकसी मिलन, बादल बरसे बूंद ॥

स्थाई

— — — धमम–	ग ग मध ध	नि सां — ध	मग ग मध म
कैऽऽ	ऽ से घऽ र	आ ऊँ ऽ रे	ऽऽ ब लऽ म
	२	०	३

म — — ध	ध म नि नि	ध सां — सां	नि सांगं सां नि
वा ऽ ऽ ब	ह त प व	न अ ऽ त	जो ऽऽ र च
×	२	०	३

सांनि गंसां ध —	ध म म म	मध मम ग ग	मम ध नि ध
हूँ ऽ ऽऽ ओ ऽ	र ग र ज	कऽ रऽ त बा	दल ब र से
×	२	०	३

ग म —म सागग–	ग ग मध ध
बूं ऽ ऽद कैऽऽ	ऽ से घऽ र
×	२

अंतरा

– – – ध	ध –ग म ग	मध – ध ग म	म मम ध नि
मु	र ऽवा ऽ प	पीऽ ऽ हा कोऽ	ऽ यल क रे
×	२	०	३

सां – सां नि	सां – सांगं सांसां	ध – ध ध	नि नि सांगं मंगं
शो ऽ र न	यो ऽ ऋऽ तु ऽ	गं ऽ ध क	र त बेऽ ऽऽ
×	२	०	३

गं – सां गं	सां नि ध म	मध मम ग ग	मम ध नि ध
चै ऽ न त	ब नि क सी	मिऽ लऽ न बा	दल ब र से
×	२	०	३

ग म –म सागग–	ग ग मध ध
बूं ऽ ऽद कैऽऽ	ऽ से घऽ र
×	२

राग - जोग कंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मंदर तेरो रे आयो
गुरुराज ग्यान दीज्यो आज ।
कछु नाही जानत ग्यान
निरगुन हम ऐसो, गुरुराज द्वार तेरो आयो ॥

स्थाई

– प धनि निध	धप पम म म
मं ऽऽ दऽ	रऽ तेऽ रो रे
०	३

म – – –	म प मम ग –	म प धनि निध	धप पम म म
आ ऽ ऽ ऽ	योऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ मं ऽऽ दऽ	रऽ तेऽ रो रे
×	२	०	३

म – म –	म मग सा साग	ग म म ध ध	ध नि सां प
आ ऽ यो ऽ	गु रु राऽ	ऽ ज ग्याऽ ऽ	न दी ज्यो आ
×	२	०	३

पम गम ध धप	म प धनि,ध ध पम	– प धनि निध	धप
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ आऽऽ ज ऽऽ	मं ऽऽ दऽ	रऽ
×	२	०	३

अंतरा

– – – ग	म निध – नि
क	छु ना ऽ ही
०	३

सां – – –	नि ध धनि सांगं	गं गं सां सांगं	सांसां निध – ध
जा ऽ ऽ ऽ	न त ग्याऽ ऽऽ	न ऽ ऽ निऽ	र ऽ गुऽ ऽ न
×	२	०	३

म म ग म	म मग सा साग	ग म म ध ध	ध नि सां प
ह म ऐ सो	गु रु ऽ राऽ	ऽ ज द्वाऽ ऽ	र ते रो आ
×	२	०	३

पम गम ध धप	मप धनि,ध ध पम	– प धनि निध	धप
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ आऽऽ यो ऽऽ	ऽ मं ऽऽ दऽ	रऽ
×	२	०	३

राग - मधुकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

नैन अलसानी भयो मा
सगरी रैन तोरे कारन जागी हूँ तो ।
तोसे न करूं बात मैं
बतादे कहाँ जागे सगरी रैन ॥

स्थाई

		— — — (सा)नि॒	— सा ग॒ म॑
		नै	ऽ न अ ल
		०	३

प — — —	म॑ — ग॒ —	नि॒ साग॒ सा (सा)नि॒	— सा ग॒ म॑
सा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ भ ऽ	यो माऽ ऽ नै	ऽ न अ ल
×	२	०	३
प — — —	म॑ — — —	ग॒ म॑ प नि॒	— प म॑ प
सा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ	स ग री रै	ऽ न तो रे
×	२	०	३
सां — नि॒ नि॒	प — म॑ —	ग॒ सा — (सा)नि॒	— सा ग॒ म॑
का ऽ र न	जा ऽ गी ऽ	हूँ तो ऽ नै	ऽ न अ ल
×	२	०	३

अंतरा

		— — — ग॒	म॑ प नि॒ प
		तो	से न क रूं
		०	३

सां – – –	नि̱प – सांनि̱ –	सां – – सां	नि̱ प मं प
बा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ तऽ ऽ	मैं ऽ ऽ ब	ता दे क हाँ
×	२	०	३

सां – – नि̱	– प मं प	ग̱ – सा ^सा^नि़	– सा ग̱ मं
जा ऽ ऽ गे	ऽ स ग री	रै ऽ न नै	ऽ न अ ल
×	२	०	३

राग - मधुकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

गुनीजन आयो मंदरवा आज
गायक तंतकार सब मिल
ताल, सूरन की करत बरसात ।
लय सूर गुनी भेद दिखावत
गान तंत अलग अंग सब
सुध राग रूप आनंद देत मन ॥

स्थाई

	— — प सां	— नि॒ प म॑	प ग॒ म॑ नि॒
	गु नी	ऽ ज न आ	ये मं द र
	२	०	३

प — — म॑	प ग॒म॑ प सां	— नि॒ प म॑	प ग॒ म॑ नि॒
वा ऽ ऽ आ	ऽ जऽ गु नी	ऽ ज न आ	ये मं द र
×	२	०	३
प — — —	— म॑ प ग॒	— नि॒̣ — सा	सा ^{म॑}ग॒ ग॒ म॑
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ आ ऽ ज	ऽ गा ऽ य	क तं ऽ त
×	२	०	३
प — म॑ प	नि॒ सां सां म॑	— प सां नि॒	प म॑ नि॒ प
का ऽ र स	ब मि ल ता	ऽ ल सू र	न की क र
×	२	०	३
म॑ प म॑ ग॒	नि॒̣ सा प सां		
त ब र सा	ऽ त गु नी		
×	२		

अंतरा

– – मं प	ग॒ ऽ ग॒ मं	मं प नि॒सां सां
ल य	सू ऽ र गु	नी भे दऽ दि
२	०	३

सां – – सां	– सां मं प	ग॒ – ग॒ मं	मं प नि॒सां सां
खा ऽ ऽ व	ऽ त ल य	सू ऽ र गु	नी भे दऽ दि
×	२	०	३

सां – नि॒प –	मं पनि॒ प प	सां सां नि॒ – नि॒ सां	– सां नि॒ सांगं॒
खा ऽ ऽऽ ऽ	ऽ ऽऽ व त	गा ऽ न तं	ऽ त अ लऽ
×	२	०	३

सां सां – नि॒	प मं प नि॒	सां नि॒ पमं नि॒	– प मं प
ग अं ऽ ग	स ब सु ध	रा ऽ गऽ रू	ऽ प आ नं
×	२	०	३

नि॒प ग॒ – सा	नि॒ सा प सां
दऽ दे ऽ त	म न गु नी
	२

राग - जयजयवंती, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

रिझाऊ कैसे तोहे आज
सुंदर मुख तेरो काहे मलीन भयो आज ।
मोसे ना समझत सैंया
कौनसी बात भई जो, तोरा मुख मलीन भयो आज ॥

स्थाई

— प़
रि
४

रे —	रे ग	— म	ग रे	ग॒ रे	—,सा प़
झा ऽ	ऊं कै	ऽ से	तो हे	ऽ आ	ऽज रि
×	०	२	०	३	४

रे —	रे ग	— म	ध ग	म ग	रे रे
झा ऽ	ऊं कै	ऽ से	सुं ऽ	ऽ द	ऽ र
×	०	२	०	३	४

रे ग	— म	प —	सां —	— ध	प —
मु ख	ऽ ते	रो ऽ	का ऽ	ऽ हे	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

म —प	— ध पमम—	ग रे	म ग	— रे	—सा सा
म ऽली	ऽ ऽ नऽऽऽ	ऽ ऽ	भ यो	ऽ आ	ऽज रि
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग म	नि॒ ध
मो से	ना ऽ
३	४

नि सां	— सां	— सां	नि॒ध धप	ग म	नि॒ ध
स म	ऽ झ	ऽ त	सैं ऽ या ऽ	मो से	ना ऽ
×	०	२	०	३	४

नि सां	— सां	— सां	रें ध	नि॒ प	— —
स म	ऽ झ	ऽ त	सैं ऽ	ऽ या	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

प रें	— रें	— रें	रें —,गंमं	गं॒ रें	सां —
कौ ऽ	ऽ न	ऽ सी	बा ऽऽऽ	ऽ त	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

रे ग	— म	प —	सां सां	— ध	प —
भ ई	ऽ जो	ऽ ऽ	तो रा	ऽ मु	ख ऽ
×	०	२	०	३	४

म —प	ध म	ग रे	म —ग	— रे	—सा सा
म ऽली	ऽ न	ऽ ऽ	भ ऽयो	ऽ आ	ऽज रि
×	०	२	०	३	४

राग - बिहारी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

कारे बादरवा गरजत आये
पिया जो घर ना आये, काहे बरसाओ ।
अरज करूं तोसे अब ना बरसाओ
आवेंगे जब पिया मोरा, तब बरसाओ ॥

स्थाई

सां	धनि प –ग प
का	रेऽ बा ऽद र
	३

म – – –	– मनि –ध नि॒प	धनि, सां –प म	ग सा –ग ग
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ गर ऽज त	आऽ ऽ ऽये पि	या जो ऽघ र
×	२	०	३

म – म प	– प ध प,धनि सां	धसांरेंगं रेंसांधसां नि॒धप– सां
ना ऽ आ ये	ऽ काहे ऽबऽ र	साऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽओऽ का
×	२	०

अंतरा

सां	सां धसांनि॒ध प ग प
अ	र जऽऽऽ ऽक रूं
	३

धनि,सां – सां ध	सां सारें–सारें गंरें सां	धनि॒धसां नि॒ध,प प सा	ग म प प
तोऽ ऽ ऽ से अ	ब नाऽऽऽ ऽब र	साऽऽऽ ऽऽऽ ओ आ	वें गे ज ब
×	२	०	३

ग	मनि॒,ध	नि॒पध	–प	–	पध	प,धनि	सां	धसांरेंगं	रेंसांधसां	नि॒धप–	सां
पि	याऽऽ	ऽमोऽ	ऽरा	ऽ	तब	ऽबऽ	र	साऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽओऽ	का
×				२				०			

नवनिर्मित राग और जोड राग

राग - हमीर-केदार (जोड-राग).

इस राग में दोनों मध्यम और सभी स्वर शुद्ध लगते हैं।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण।
वादी - मध्यम।
संवादी - षड्ज।
गानसमय - रात्रि।

मुख्य अंग - मंप धपम, गम ^नि^ध, प।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

(१) सा रे ग म प, ध मं प म, ग म ^नि^ध सां।
सां नि ध प मं प म, ग म रे सा।

(२) सा म ग प मं प ग म ध, सां।
सां नि ध प मं प सां म, ग म प, ग म रे सा।

स्वर - विस्तार

(१) सा, सारेगम, रे सा। सारेगम प — — — मं प म गमप ग म रे सा।

(२) सा म ग प मं ध म, ग म प ग म रे सा। सा रे ग म ^नि^ध ^नि^ध प, मं मं प धम, ग प मं ध प, प ग म रे, ग मप, ग म रे सा। रे ग म ध ध सां — — — — सां, रेंसांसांनि ध नि पध प, सांम ग मरे, ग मप, पग मरे सा।

(३) धपप,ममपधपप सां — — — सां, सारें सां। सां निध निध प, धपप ग मरे, ग मप पग मरे सा।

(४) धपप गम— मध—, धनि — निसां — — — धनिसारें गंमंरें,सां, रेंसांसां नि ध प, मंपधनि सां नि ध प मं म, ग म ^नि^ध प, ग म रे सा।

(५) सामगप मंधप , ग मं^नि^ध , नि ध सां – – – , सारेंसांसां नि ध , नि मं ,
ध ग , म रे , ग मं^नि^ध सां – – – सां , सारेंगंमं रें सां , रेंसांसां नि ध प ,
सां मं , ग मं^नि^ध प , ग म रे सा ।

ताना

(१) सा रे ग म प प , म म प ध प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(२) सा म ग प मं ध प प , ग म प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(३) प ध प प म म प ध प प , ध नि नि ध प प , ग म रे सा – ऩि सा ।

(४) म म प ध प प , सां रें सां नि ध प मं प , ग म ग ध प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(५) ग म ग ध प प , ध नि ध रें सां सां , सां नि ध प मं प , म म प ध प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(६) सा म ग प मं ध मं प , ग म ध नि सां रें सां नि ध प मं प , प सां सां सां ध प , प ध ध ध प प , ग म ग ध प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(७) ध प प ग म रे ग म ध प प म म रे सा ऩि सा , ध प प गम रे ग – ग म – म ध – धनि – निसां , सां नि नि ध प प , ध नि नि ध प प म म , ग म ग ध प प ग म रे सा ऩि सा ।

(८) म म प ध प प सां रें सां सां , ध नि सां रें गं मं रें सां नि सां , सां रें सां नि ध प मं प , म म प ध प प सां – नि ध प प , ग मं रे सा ऩि सा ।

राग - हमीर-केदार, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

पियाबिन कैसे कैसे रहूँ आज
घर पर जिया डर लागे
उन बिन कैसे कटाऊँ ये रतिया ।
आजा रे सैंया परत नाहीं चैन
धरकत जिया मोरा
तुमबिन कासे करूँगी मैं बतिया ॥

स्थाई

— ग म —ध निसां	निध— — प धपपम	— म प प
पिया ऽबि न ऽ	कैऽऽ ऽ से कैऽऽऽ	ऽ से र हूँ
२	०	३

सां — निध निध	— मं ध —नि रेंसांसां	निध— — प धपपम	— म प प
आ ऽ ऽऽ जऽ	ऽ पिया ऽबि नऽऽ	कैऽऽ ऽ से कैऽऽऽ	ऽ से र हूँ
×	२	०	३

सां — — धप	— पधपप —म म	— म म —पध पप—	म गम रे सा
आ ऽ ऽ जऽ	घऽरऽ ऽप र	ऽ जिया ऽऽऽ रऽऽ	ला ऽऽ गे ऽ
×	२	०	३

— सासा —म ग	ग प — प प	ध ग — मं (नि)ध —	— धनि ध निसां
उ न ऽबि न	कैऽ ऽ से क	टाऽ ऽ ऊँऽ ऽ	येऽ ऽ र ति
×	२	०	३

रेंसांसांनि — धनिधपप मं	— ग म
याऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽऽ	पिया
×	२

अंतरा

— धपपम — प —प	सां — सां ध
आऽऽऽ ऽजा ऽरे	सैं ऽ या प
०	३

नि सां रें गंमंरें	सां — धप— —	— मम —पध पप—	म गम रे सा
र त ना हींऽऽ	चै ऽ नऽऽ ऽ	धर ऽकऽ त ऽ	जि याऽ मो रा
×	२	०	३

— सासा —म ग	ग प — प प	धग — मध —	— धनि ध निसां
तु म ऽबि न	काऽ ऽ से क	रूँऽ ऽ गीऽ ऽ	ऽ मैंऽ ऽ बति
×	२	०	३

रेंसांसांनि — धनिधपप मं	— मं ध
याऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽऽ ऽ	पिया
×	०

राग - सावनी-केदार (जोड-राग).

इस राग में दोनों मध्यम और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - संपूर्ण ।

वादी - षड्ज ।

संवादी - मध्यम ।

गानसमय - रात्रि ।

मुख्य अंग - म ग प म॑ ध प सां प ध म प ग म प ध म॑ म ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा म ग ग प मप मप ग म ध प म॑ म , म प सां ।

सां ध निम॑ प , सां प ध म प ग मप मप ग सा सा म सा रे सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा म सारे सा , सा ध़ प़ सा सारे सा , सा साप़ ध़म़ म़ प़ प़सा सारे सा ।

(२) सा म ग प , पधपप म , मप मप ग सा , म ग प म॑ ध प , प ध म म मप ग रेसा ।

(३) सा म ग प म॑ ध प प म ग प पध प , प धम मप ग मप मप ग रेसा , म ग प म॑ ध निम॑ प प पध प .प म॑ म॑ म॑ प धम म प ग गरे सा ।

(४) मगम प पसां , सां निध निम॑ धम मप ग मध पम मप ग मप मप ग रेसा ।

(५) सा म ग प म॑ ध म , मप प सां , सां सांरें सां , सां रेंसांसां नि ध प , प पसां म , म मप ग मप मप ग सा ।

(६) पधपप ममपध पप सां , सां सांरें सां , मंरें सां रेंसांसां नि ध प , प पसां सां निध निम॑ धम म मप ग मप मप ग सा ।

(७) रेंसांनिधपप ममपधपप सां , सां सांम मप , गरेसा , सां निध निमंप पपसां धपप म म मप ग रेसा ।

ताना

(१) सा म ग प म म रे सा ऩि सा , सा म ग प मं ध प प मपमप ग रे सा ।

(२) म म प ध प प म प म प ग रे सा , सा म ग प मं ध प प नि ध प प म प ग रे सा ।

(३) सा म म म , म प प प , प सां सां सां , सां रें रें रें , सां नि ध प , प सां सां सां धप , पधधधपप मपपपमम रेसा ।

(४) पप सांसां मंमं रेंरें सां , रें रें सां नि ध प , प नि सां रें सां सां ध प , पधधधप , मपमप गरेसा ।

(५) पपधपपममरेसा , पधपप मपमप गरेसा , सारें सां सां धप पधपप मपमप गरेसा , मंमंरेंसां सारेंसांनिधप , पनिसारें सां सां ध प मप मप गरेसा ।

राग - सावनी-केदार, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

ये तेरो रूप कैसे निहारूँ
सब लोग बैठे कैसे देखूँ नैन ।
जानोगी तुम मोरा मनवा
छिप कर इक पल देखो मोरे नैन ॥

स्थाई

— गम,ग —म प
येऽऽ ऽते रो
३

सां — प सांनि	ध नि धप प	प पसां,म — मप,ग	— ग,—ग —,मप मप—
रू ऽ प कैऽ	ऽ से ऽऽ नि	हा ऽऽऽ ऽ रूँऽऽ	ऽ सऽब ऽ लो ऽगऽ
×	२	०	३
ग रेसा— सा ग	— म प सांनि—	नि ध प म	मप,ग गम,ग —म प
बै ऽऽऽ ठे कै	ऽ से दे खूँऽऽ	नै ऽ ऽ ऽ	नऽऽ येऽऽ ऽते रो
×	२	०	३

अंतरा

— धपम,— —प प
जाऽऽऽ ऽनो गी
३

सां — सां सां	सां सांगं,— रेंसां,सां सां	सां—सां धपप,म — मप,ग
तु ऽ म मो	रा ऽऽऽ ऽऽम न	वाऽऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽऽऽ
×	२	०

– ग – ग	– मप	मप –
छिऽप	ऽकऽ	रऽऽ
३		

ग	ग	सा	सा	– ग	म	– प	सां	नि	ध	प	म	मप,ग	गम,ग	– म	प
इ	क	प	ल	ऽ	देखो	ऽमो	रे	नै	ऽ	ऽ	ऽ	नऽऽ	येऽऽ	ऽते	रो
×				२				०				३			

राग - हमीर-नंद (जोड-राग).

इस राग में दोनों मध्यम और सभी स्वर शुद्ध लगते हैं।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण।
वादी - धैवत।
संवादी - गंधार।
गानसमय - सायंकाल और रात्रि।

मुख्य अंग - ग म निध निध प, ग मध प रे सा, ग।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे ग म निध निध प, प धनि पध मंप ग म निध सां। सां नि ध प मं प ग म निध, प रे सा, ग।

स्वर - विस्तार

(१) सा, सारेगम रे सा। सारेगम प, प ग मध प रे सा ग, ग मरे सा।

(२) सारेगम प, मं मं प, ग म रे, ग म निध निध प, प धनि ध, पमं, मं पध प, पग, मरे, ग मप ग म रे सा।

(३) ग म निध निध, नि प, ध मं, प, ग म रे, ग, म ध ध, प, पधनिध, पमं, प ग मध प रे सा, ग।

(४) धपप गमपधनि, प, धपप गमरेग मध – निनिध – धनि धप, पध पध पमं, मंप मंप ग, ग मध, प, प ग मरे सा।

(५) गमपध नि पधमंप ग म ध सां, रेंसांसां नि ध ध नि, धप प ग म निध निध, रे रे, निध निध, प, धपपमं, प पग मरे, ग मध प रे सा ग।

(६) सांनिधपमंपगम निध सां, ध नि सां रें गंमं रें सां, सां रेंनि, धप, पधपध नि, प, ध, मं प, ग, ग मध प ग मरे सा।

ताना

(१) प ध प प गमरेसाऩिसा , ग म ध ध प प रे रे सा ।

(२) ग म प ध नि , प ध मं प , ग म ग ध प प , ग म रे रे सा , ग ।

(३) सारे ग म प , ग म ग ध प प , ध नि नि , प ध ध , मं प प , ग म ग ध प प , रे रे सा ।

(४) ग म प ध नि , प ध मं प ग म ध नि सां , रें सां नि ध प प , प सां नि रें नि प , ध प मं प , ग म ग ध प प ग म रे सा ।

(५) सा रे ग म प , ग म प ध नि , प ध मं प , ग म नि ध सां , ध नि सां रें गं मं रें रें सां , रें रें नि नि प प , ध ध पप , ग म – म प – प ध – ध नि – पधमंप – गं म ग ध प प – ग म रे सा ऩि सा ।

(६) ग म म , म ध ध , ध नि नि , नि सां सां , ध नि नि , प ध ध , मं प प , ग म ग म – म प म प – प ध प ध – धनि ध नि – नि ध प प , ग म ध नि रें सां , नि ध प प ग म , रे ग म ध प प , रे रे सा ।

राग - हमीर-नंद, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

गोरी तोरे मुखपे शाम थिटोना
सोहत अत सुंदर, करूँ तोसे अरज
घूँघट तोरा हटाओ ना।
साज सिंगार और न करो तुम
सबसे सुंदर सोहत है ये शाम थिटोना ॥

स्थाई

	– ग,–म –ध निसां–	नि धनि प ग	मनिधनि प –रे –सा
	गोऽरी ऽतो रे ऽ	मु खऽ पे शा	ऽऽऽऽ ऽ ऽम ऽथि
	२	०	३

ग – प गम	रे ग,–म –ध निसां–	नि धनि प मं	धनि,धनि प –रे –सा
टो ऽ ना ऽऽ	ऽ गोऽरी ऽतो रे ऽ	मु खऽ पे शा	ऽऽऽऽ ऽ ऽम ऽथि
×	२	०	३

ग – म –	प प – प	गम रे –ग म	प धनि– –प प
टो ऽ ना ऽ	गो री ऽ सो	हऽ त अ त	सुं ऽऽऽ ऽद र
×	२	०	३

– ग म –ध निसां–	नि धनि प ग	म प –प धनि–	सांनि– धप– –प
करूँ ऽतो से ऽ	अ रऽ ज घूं	घ ट ऽतो रा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽह
×	२	०	३

पधनिध पमं– प गम	रे ग,–म –ध निसां–
टाऽऽऽ ऽ ऽ ओ नाऽ	ऽ गो री ऽतो रेऽऽ
×	२ ०

अंतरा

			— धपपग —मध —ध
			साऽऽऽ ऽजऽ ऽसिं
			३

सां — सां ध	नि सां रें सां	निध नि — धप	प गम रे ग
गा ऽ र औ	र न क रो	तुऽ ऽ ऽ ऽऽ	म सऽ ब से
×	२	०	३

म प प ध	नि धप रेंनि —	धप पधनिध पमं— प	— रे — सा
सुं द र सो	ह तऽ हैऽ ऽ	ऽऽ येऽऽऽ ऽऽऽ शा	ऽ म ऽ धि
×	२	०	३

ग — प गम	रे ग,—म —ध निसां—
टो ऽ ना ऽऽ	ऽ गोऽरी ऽतो रेऽऽ
×	२

राग - हमीर-नंद, ताल - एकताल, द्रुत.

सजन आवो रे आवो
तोरे बिन आज मोहे डरवा लागे, लागे रे ।
कारी घटा छाई आज
बरसो ना करत अरज, पिहरुवा ॥

स्थाई

– प	ग म
स	ज न
३	४

ध –	ध नि	सां –	धनि प	– ध	ग म
आ वो	रे आ	वो ऽ	आऽ वो	ऽ स	ज न
×	०	२	०	३	४

ध –	ध नि	सां –	नि ध	नि प	– प
आ वो	रे आ	वो ऽ	तो रे	ऽ बि	ऽ न
×	०	२	०	३	४

ग म	प धनि	ध प	ग मध	प रे	– सा
आ ऽ	ऽ ऽऽ	ऽ ज	मो हेऽ	ऽ डर	ऽ वा
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– –	प गम	रे ग	म सां
ला ऽ	ऽ गे	ऽ ऽ	ला गेऽ	रे स	जन ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

निध पप	ग म	नि ध —	नि सां	— सां	— सां
काऽ ऽऽ	री घ	टा ऽ	छा ई	ऽ आ	ऽ ज
×	०	२	०	३	४

सां सां	— सां	रें गं रें	नि —	—प प	ध —
ब र	ऽ सो	ऽऽ ऽ	ना ऽ	ऽऽ क	र ऽ
×	०	२	०	३	४

नि धप	— प	ध पर्म	प ग	— ग	म प
त ऽऽ	ऽ अ	र ऽऽ	ज ऽ	ऽ पि	ह रु
×	०	२	०	३	४

धनि ध	प —	पग —	ग मध	प रे	— सा
वाऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽऽ ऽ	मो हेऽ	ऽ डर	वा
×	०	२	०	३	४

ग —	— म	— —	प गम	रे ग	म सां
ला ऽ	ऽ गे	ऽ ऽ	ला गेऽ	रे स	जन ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - गोरख-बागेश्री (जोड-राग).

यह राग गोरख कल्याण और बागेश्री इन दो रागों के मिश्रण से बना हुआ है। इसमें निषाद कोमल और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। यह राग गाते समय तानपुरा पंचम स्वर के बदले मध्यम स्वरमें मिलाना उचित होगा।

जाति - षाडव - षाडव।

वादी - मध्यम।

संवादी - षड्ज।

गानसमय - रात्रि।

मुख्य अंग - म प, म प ध रे सा।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे म प ध म ध नि सां :

सां नि ध म, म प ध रे म सारे सा।

स्वर - विस्तार

(१) सा नि़ नि़ ध़, सा रेसासा नि़ नि़ ध़ ध़ म़ ध़ नि़ नि़ ध़ सा।

(२) सा सारे रे सा नि़ ध़ सा, सारे मरे म सारे सा।

(३) सा रे म, रे प रे म, रे म सा रे, मरेसासा नि़ नि़ ध़ नि़ सा।

(४) सा म, म प, रे म रे म पमम रे, सा नि़ ध़ सा, सा रे म, म रे, सा, साम रेपम, मप, मप ध पमम रे, रेम पम मरे म सा रे सा।

(५) सा रे म मरे रे ^प^म प, रे म, म ध पमम रे म, म रे रे म, म प ध, रे, म म रे सा रे म सा रे सा।

(६) रे म म ध, ध ^प^म, ध म, ध प, ध, प धनि ध, पमम रे म, म प प ध, नि ध प रे, म सारे सा।

(७) ममरे सारे म , धधप मप ध , ध प नि ध , म धपमप मपध म , पमम रे म सा रे , नि़ नि़ ध़ सा ।

(८) सा म प ध , नि ध पमम रे म म ध सां नि सां नि ध सां , सां नि नि ध प ध पधसांनि ध म , म प , प ध निधप रे रे सा ।

ताना

(१) सा रे सा रे म रे सा सा नि़ ध़ सा , रे सा नि़ ध़ सा रे म म रे म रे रे सा ।

(२) म म रे म रे रे सा रे सा सा , सा रे सा रे म म रे म रे प म म रे म रे रे सा ।

(३) सा रे सा रे म म , रे म रे म ध ध , ध प म प म प , ध ध म म रे म रे प म म रे म रे रे सा , सा म म प प ध ध प म म रे प म म रे म रे रे सा , सा रे – रे म – म प – प ध – ध प म म रे , म रे सा सा नि़ ध़ सा ।

(४) म ध नि सां , ध नि ध सां नि ध प म , प ध नि ध प म , रे म रे प म म रे म रे रे सा ।

(५) सारे – रेम , सारे – रेम – म ध , सारे – रे म – म ध – ध नि , सारे – रेम – मध – धनि – निसां , सांनिध सां नि ध प म , प ध नि ध प म , रे म रे प म म रे म रे रे सा ।

(६) सा रे म प , रे म प ध , म ध नि नि , ध नि सां सां , नि सां रें रें सां नि , ध सां नि ध प म , म ध म ध नि सां ध सां नि ध प म , रे प म म रे म रे रे सा ।

(७) म म रे म , ध ध म ध , नि नि ध नि , सां सां नि सां , रें रें सां रें , मं मं रें मं रें रें सां सां , रें रें सां सां नि नि ध ध , सां नि ध प म म , म ध नि सां नि ध प म , रे म रे रे सा ।

राग - गोरख-बागेश्री, ताल - झुमरा (ख्याल),
लय - विलंबित.

दिन रैन जपत तेरो नाम
नाहीं चैन तोरे बिन घनश्याम पिया रे ।
आवो रे आवो, तुम घननील
दरस बिन तरस, रहूँ मैं तो आज पिया रे ॥

स्थाई

म, सारे –
दि न ऽ ऽ

म –म –	रेम–,मध– – निनिध,पध– –सारेंसांसां–	नि –ध –,निसांनि–
रै ऽन ऽ	जऽऽपऽऽ ऽ तऽऽऽऽऽ ऽतेऽरोऽऽ	ना ऽऽ ऽऽऽऽऽ
×	२	०

ध पममरे,–म सारे–,सा –मरे,सासानिध
म ऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽनाऽऽऽहींऽ
३

सा –सा –	रे म ध निसां –पध,पसां–	सांनिनिध,– पम–,म –म
चै ऽ न ऽ	तोरे ऽ बि न ऽघऽनऽऽ	श्याऽऽऽऽ ऽऽऽम ऽपि
×	२	०

रे, प म – मरे–,–म सारे–,सा –म, रे
याऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ ऽ ऽ रे ऽदिन
३

अंतरा

धपमम,रेम	–ध,नि॒ध
आऽऽऽऽऽ	ऽवोरेऽ

सां	–सां	–	नि॒	नि॒सां	सां	–सां,सांनि॒	सारिंमंरें,सांसांनि॒–	–ध	–
आ	ऽवो	ऽ	तु	म ऽ	ऽ	ऽघनऽ	नीऽऽऽऽऽऽऽऽ	ऽल	ऽ
×			२				०		

धप–,–	पध	ध	–सारिं,सांसां–
दऽऽऽ	रऽ	स	ऽबिऽनऽऽ
३			

नि॒ध	पम,म	म	–	म	नि॒ध	सां नि॒,नि॒सां–	–	धपमम,रे	–म	–म
त र	ऽऽस	ऽ	ऽ	र	हूँ	मैंतोऽऽ	ऽ	आऽऽऽऽ	ऽज	ऽपि
×			२					०		

रेम,पममरे	–म	सारे––,सा	म, सा रे
याऽऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽरे	दिनऽऽ
३			

राग - गोरख-बागेश्री, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सजत सज घर आयो बना
बनीके घर आज ब्याहन आयो ।
सब घर आनंद बरसत आज
मंगल सूर चहूँ ओर बाजन लागे ॥

स्थाई

म	सारे —म — ध	निसां पध पसां नि
स	जऽ ऽत ऽ स	जऽ घऽ ऽऽ र
	०	३

ध — — मप	म पध,प मरे,— रेम	सारे — म ध	ध धनि सां सां
आ ऽ ऽ योऽ	ऽ बऽऽ नाऽऽ बऽ	नीऽ ऽ के घ	र आऽ ऽ ज
×	२	०	३

प ध सारें सांसां	निनि,ध —,मम रे म
ब्या ऽ हऽ न ऽ	आऽऽ ऽयोऽ ऽ स
×	२

अंतरा

म	म ध — नि	सां — सां सां	नि नि सां रेंसां
स	ब घ ऽ र	आ ऽ नं द	ब र स तऽ
	२	०	३

सांनि,नि ध ध म	— सारे — रे	म म ध ध	धनि सां सां पध
आऽऽ ऽ ज मं	ऽ गऽ ऽ ल	सू र च हूँ	ओऽ ऽ र बाऽ
×	२	०	३

– सारें सांसां नि॒नि॒,ध	– मम,रे – म	सारे –म – ध	नि॒सां पध पसां नि॒
ऽ जऽ न ऽ लाऽऽ	ऽ गेऽऽ ऽ स	जऽ ऽत ऽ स	ज ऽ घऽ ऽऽ र
×	२	०	३

राग - मारु-बसंत (जोड-राग).

यह राग मारुबिहाग और बसंत इन दो रागों का मिश्रण है । इसमें दोनों मध्यम, धैवत कोमल और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - संपूर्ण ।
वादी - पंचम ।
संवादी - षड्ज ।
गानसमय - रात्रि ।

मुख्य अंग - ध॒प ध॒मंप मंग , मं ग , मं ग रे सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा ग मं प नि सां । **या** सा ग मं ध॒ नि सां ।

सां नि ध॒ प मं ग , मं ग रे सा , म म ग

स्वर - विस्तार

(१) सा रे नि॒ सा ग , ग रे सा , सा साग मं ग , मं ग रे रे सा ।

(२) सा सारे सानि॒ सा , साग म म ग , मं ग रे सा ।

(३) सा ग मं , सा मं मं ग , मं ग रे सा , म म ग , ग मं ग रे , सारे सा ।

(४) सा ग मं मं ग , सा म म ग , मं मं ग प , प मंग मं ग , मं ग रे सा ।

(५) सा ग मं मं ग , प , प ध॒ प , ध॒ मं प मंग मंग मं ग रे सा ।

(६) ग मं नि ध॒ प , ध॒—ध॒पमंप मं मं ग , ग मं ध॒ गमं ग मं ग रे सा ।

(७) ग मं प नि नि ध॒ प , ध॒पमंप मंग मं ग , ग मं नि ध॒ प , ध॒ मं प ग म म ग , नि ध॒ मं ग , मं ग रे सा ।

(८) ग म प नि , नि सां , सां नि ध॒ प मं , पनि सां , सां रें नि सां निध॒ प , पध॒पप , मंग मं ग , ग मं नि मं ग , म ध॒ गमं ग , मं ग रे सा ।

(९) सांनिधुपमंप गमंपनि सां , सां , सांरें सां , नि सां गंरें सां , सा नि धु प , पधुपप मं गमं ग , गमंपनि सांरें सां , सां नि धु प मंग मं ग , नि धु मं ग , मं ग रे सा।

(१०) सा म म ग निधुप , धुप धुमंप मंग मंग , गमंपनिसां गं , गं रें सां , रेंनि सां धु प , मंग मंग साम मनि निगं रेंसां, सां नि धु प मं ग , मं ग रे सा।

तानें

(१) ग ग रे रे सा सा मं मं ग ग रे रे सा सा , सा ग सा ग मं मं ग मं ग ग रे रे सा।

(२) सा ग सा ग मं मं ग ग रे रे सा सा , प धु प मं ग मं ग मं प धु प मं , ग मं ग ग रे रे सा।

(३) मं मं ग ग रे रे सा सा , नि नि धु धु प प , धु धु प मं ग मं ग ग रे रे सा।

(४) सा ग सा ग मं मं — ग मं ग मं प मं — ग मं ग ग रे रे सा , ग मं ग मं प मं — ग मं ग मं धु प — ग धु प धु मं प — ग मं ग , मं मं ग ग रे रे सा।

(५) प धु प मं ग मं प नि नि धु प मं धु प मं प ग मं ग प मं धु प धु मं प ग मं ग , नि धु प मं ग , धु प मं प गमं ग ग रे रे सा।

(६) सा ग मं प ग मं प नि सां , सां नि धु प मं ग मं ग रे सा नि सा , मं ग रे सा ऩि सा सां नि धु प मं प मं ग रे सा ऩि सा।

(७) सा म म म , म नि नि नि , नि गं गं गं , रे सां सां रें सां नि धु प प धु प मं ग मं प नि सां नि धु प प धु प मं ग मं ग ग रे रे सा।

(८) सा ग मं प ग मं प नि पनिसांगं , गं रें सां नि धु प , मं प नि सां सांनि , नि धु प मं ग , मं नि नि धु मं ग , मं ग रे सा ऩि सा।

(९) प धु प मं ग मं ग ग रे रे सा , प धु प मं ग मं प नि नि धु प मं ग मं — ग ग रे रे सा , प धु प मं ग मं प नि सां नि नि धु प मं ग मं ग ग रे रे सा , प धु प मं ग मं प नि सां गं गं रें सां नि सां नि धु प मं प सां नि धु प मं प ग मं ग ग रे रे सा।

राग - मारुबसंत, ताल - झुमरा, लय - विलंबित.

रसिया मदऋत आई है आज
नयो रस गंध, करत जिया मोरा बेचैन ।
भौरा जाओ जाओ, कहियो संदेसा
उनबिन परत नाहीं चैन ॥

स्थाई

| सामं गममं,ग रेसा—;—सां निधपप |
| रसि याऽऽऽ ऽऽऽऽम दऋऽत |
३

प —मं गमं—;ग—मं | गगरे,— सा सा,सागरे —निसा— |
आ ऽई है ऽ ऽ | आऽऽऽ ज न योऽऽ ऽरसऽ |
× २

ग —ग — | ग —मंनि,ध प —प | ध— धप,मंप —मंग मं |
गं ऽध ऽ | क ऽऽरऽ त ऽजि | याऽऽऽऽऽ ऽमोऽ रा |
० ३ ×

ध ममं ग सागमंध गमं—,गमं | गगरे— —सा — |
ऽऽ ऽ बेऽऽऽ ऽऽऽऽऽ | चैऽऽ ऽन ऽ |
२ ०

सामं,मं मंप—,ग रेसा—;—सां निधपप |
रसिया ऽऽऽ ऽऽऽम दऋऽत |
३

अंतरा

—गमं	—ध़निनि
भौरा	ऽजाऽओ

सां	—सां	—	निनि	सारेंसां—,नि	सांगंरें—,रें	सां
जा	ऽओ	ऽ	कहि	याऽऽऽऽ	ऽऽऽऽसं	दे
×			२			

सां	—निध़	प,—मं	गमं—,ग	सागमंध़	गमं—,ग	—,—मं
सा	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	उनबिऽ	ऽऽऽन	ऽऽप
०			३			

गगरे—,—	—सा	—	साममम	ग,—नि	निध़मंमं	ग,—
रऽऽऽऽ	ऽत	ऽ	नाहीऽऽ	ऽऽऽ	चैऽऽऽ	ऽऽ
×			२			

गगरे—,—	—सा	—	सामं	गमंमं,ग	रेसा—,—सां	निध़पप
नऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽ	रसि	याऽऽऽ	ऽऽऽऽम	दऋऽत
०			३			

राग - मारुबसंत, ताल - एकताल, लय - द्रुत

रंग रंग नयो रस रंग आयो, आयो आज
छायो सुरंग बगिया, बन
अत सुगंध मंद मंद, पवनसंग आयो ।
तन मन भरियो आनंद
अंग अंग उमंगे जोबन
सब मिलकर आओ गाओ, गीत बसंत आज ॥

स्थाई

ग –	म॑ग गरे	सा सा	सारे ग रे	सा म	म नि
रं ऽ	गऽ रंऽ	ऽ ग	नऽ योऽ	र स	रं ग
×	०	२	०	३	४

नि ध॒	प –	प –	प प	म॑ गम॑	– ग
आ ऽ	ऽ ऽ	यो ऽ	आ यो	ऽ आऽ	ऽ ज
×	०	२	०	३	४

ग म॑	नि नि	ध॒ प	पध॒ पम॑	ग म॑	ग ग
छा यो	सु रं	ऽ ग	बऽ गिऽ	या ऽ	ब न
×	०	२	०	३	४

साग गम॑	म॑ध॒ ग	म॑ ग	म॑ग –	रेसा रे	– सा
अऽ तऽ	सुऽ गं	ऽ ध	मंऽ ऽ	दऽ मं	ऽ द
×	०	२	०	३	४

ग म॑	ध॒ नि	सां सां	सांनि निध॒	पम॑ ध॒नि	निध॒ पम॑
प व	न सं	ऽ ग	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ योऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग मं	धृ नि	सां सां	सां –	सां रें	सां सां
त न	म न	भ रि	यो ऽ	आ नं	ऽ द
×	०	२	०	३	४

पनि –	नि सांगं	– गं	गं मं	गं सां	रें सां
अंऽ ऽ	ग अंऽ	ऽ ग	उ मं	गे जो	ब न
×	०	२	०	३	४

धृ सां	नि धृ	प प	प –	मं ग मं	– ग
स ब	मि ल	क र	आ ऽ	ओऽ गा	ऽ ओ
×	०	२	०	३	४

साग गमं	मंधृ धृनि	सां सां	सांनि निधृ	पमं धृनि	निधृ पमं
गीऽ तऽ	बऽ संऽ	ऽ त	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ जऽ
×	०	२	०	३	४

राग - पट सावनी (जोड-राग).

यह राग पटदीप और सावनी इन दो रागों के मिश्रण से बना हुआ है। इसमें सभी स्वर शुद्ध लगते हैं।

जाति - ओडव - संपूर्ण।
वादी - पंचम।
संवादी - षड्ज।
गानसमय - रात्रि।

मुख्य अंग - म प नि सां ध प म, मप ग।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

(१) सा ग म प नि सां ध प म प नि सां।
सां नि ध प, म प म, म प ग रे सा।

(२) सा ग म प नि सां।
सां नि सां ध प, म प नि ध प, म मप ग रेसा।

स्वर - विस्तार

(१) सा ग रे सा, सा नि़ ध़ प़, प़ नि़ सा, साग, गम, मपग मप ग रेसा।

(२) ग रेसा प म मप ग, ग मप मप ग रेसा, ध प म, मप ग, मपमप गसा, धपमप, निधप, मप, गम, मप, पग, मप ग रेसा।

(३) गमपनि, धप, ध प म, मपमप नि ध प, पनि पध मप म, मप ग, ग मध प म मप ग गमपमप ग रेसा।

(४) धप मप नि, प नि नि सां [नि]ध प, ध म ध प नि, नि सारेंसां [नि]धप, प धप ध पम प नि नि, ध प, प ध म, म प ग, म प ग रेसा।

(५) गमपनि सां , पनि नि सारिंसां ^नि^ध प , धपमप मप–नि , नि , सां , रेंसांसांनि नि

सांनिसां ध , प , ध म , ध प , नि प , ध म , प ग , ग मप , मप ग रेसा ।

(६) सागमप गमपनि सांगं रेंसां , प नि सां गं , रें सां , रेंसांसां – धपप म , म प ग ,

गमगम , मपमप, पनिनिसां ध , प , म धप निध प म मप ग मप मप ग रेसा ।

ताना

(१) सा ग म प म प ग रे सा , गम गम मप मप गमप मप गरेसा ।

(२) सागमप धपमप गमपमप गरेसा , धपमप निधप मप गमपमप गरेसा ।

(३) साग गम मप पनि निसां धप मप गमप मप गरे सा , साप मप गमप मप गरेसा ,

साध पध मप गमप मप गरेसा , साप मप , साध पध मप , मप निसां धप मप

गमप मप गरेसा ।

(४) धप धप मप निनि धध पप , धप मप गमप मप गरेसा , धप मप निसां धप ,

मप , ग म प म प ग रे सा ।

(५) गम गम मप मप पनि पनि निसां निसां , निसां निसां पध पध मप मप , मपप ,

पधध , मपप , गमप मप गरेसा ।

(६) प नि सां गं सां रें नि सां ध प म प नि सां , रें सां नि सां ध प , प नि नि सां

सां गं गं रें सां सां , ध प म प , ग म प , म प ग रे सा ।

राग - पटसावनी ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

ना बरसावो कारे बदरुवा
मंदरवा में ना आयो सैंया ।
उन बिन घायल आज मन मोरा
तब बरसावो घर आयो सैंया ॥

स्थाई

– पनि–,सारिं सांध –प
नाऽऽऽऽ ऽब ऽर
३

प – प पध	पध,– निध– पम,प सां	सां धपप,म मप,– गम
सा ऽ वो काऽ	रेऽऽ ऽऽऽ ऽऽब द	रू वाऽऽऽ ऽऽऽ ऽऽ
×	०	२

– पनि–,सारिं सांध –प
नाऽऽऽऽ ऽब ऽर
३

प – प –	ग गग –मप मप	ग रेसा– सा –	– सा ग म
सा ऽ वो ऽ	ऽ कारे ऽवऽ दऽ	रू ऽऽऽ वा ऽ	ऽ मं द र
×	२	०	३

प सां सांप– –	ध पम– म पनि–	सारिं– निसां– ध पम–	– पनि–,सारिं
वा में नाऽऽ ऽ	आ ऽऽऽ यो सैंऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ या ऽऽऽ	ऽ नाऽऽऽऽ
×	२	०	३

अंतरा

| — गम —प नि |
| उन ऽबि न |
| ३ |

सां — सांसां— —	— प नि —नि सांनि,सां	निध— पम— पनि,ध ध	प गम —प सां
घा ऽ यलऽ ऽ	ऽ आज ऽम न ऽ ऽ	मोऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ रा	ऽ तब ऽब र
×	२	०	३

सां — धपप,म मप—	ग साग —म प	पनि— सारें— निसां— ध
सा ऽ वोऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ घर ऽआ ये	सैंऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ या
×	२	०

मप— पनि—,सारें सांध —प
ऽ ऽ नाऽऽऽऽ ऽब ऽर
३

राग - नायकी - अडाना (जोड-राग).

यह राग नायकी कानडा और अडाना इन दो रागों का मिश्रण है। इसमें गंधार, धैवत और निषाद ये स्वर कोमल और बाकी स्वर शुद्ध लगते हैं।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण।
वादी - षड्ज।
संवादी - पंचम।
गानसमय - रात्रि।

मुख्य अंग - म प ध॒ ध॒ नि॒ प, ग॒ ग॒ म, प म रे सा रे, सा।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे ग॒ ग॒ म नि॒ प, म प ध॒ ध॒ नि॒ सां।

सां ध॒ ध॒ नि॒ प, म प ग॒ म प म रे सा रे, सा।

स्वर - विस्तार

(१) सा रे नि॒ सा, रे ग॒ ग॒ म रे सा, रे नि॒ सा ध॒ ध॒ नि॒ सा।

(२) सा रे ग॒ ग॒, मरे सा, ग॒ ग॒, ग॒म ग॒मपम रेसारे –, सा।

(३) ग॒ ग॒ म नि॒ प, नि॒ म, प ग॒ ग॒, म प ध॒ ध॒ नि॒ प नि॒ म प ग॒ ग॒, ग॒ म ग॒मपम रेसा।

(४) नि॒ऽनि॒पमप नि॒पप ग॒ ग॒ मनि॒ प, नि॒म प, पध॒ ध॒ नि॒ प, पसां पनि॒ प नि॒म प ग॒ ग॒ म रे सा।

(५) ग॒ ग॒ मनि॒ प, म प ध॒ ध॒ नि॒ सां, सां ध॒ ध॒ नि॒ प मपमप मनि॒पनि॒ पसांनि॒सां पनि॒ प नि॒पप ग॒ ग॒ मपम रे सा रे – सा।

(६) सा रे ग़ ग़ म नि़ प , नि़पप ग़ ग़ म प ध़ ध़ नि़ सां , ध़नि़सारें , रें सां ,
रेंरेंसांनि़ सां नि़प नि़ प , म पनि़सां गं गं मंरेंसां , सां ध़ ध़ नि़ प , नि़प प ग़
मपम रे सा रे – सा ।

ताना

(१) रे रे सा नि़ सा रे ग़ म रे सा नि़ सा , रे रे सा नि़ सा रे ग़ म प प ग़ म रे सा
नि़ सा ।

(२) ग़ म ग़ म म प म प ग़ म ग़ म प म रे सा रे रे सा , म प म प मनि़ पनि़ म
प म प ग़ म ग़ म प म रे सा रे रे सा ।

(३) ग़ म ग़ म प म रे सा रे सा सा , म प ध़ ध़ नि़ नि़ प म प प म ग़ म म रे
सा नि़ सा , ग़ म प म रे सा नि़ सा , ध़ नि़ सां नि़ ध़ नि़ प प नि़ नि़ प म ग़
म रे सा नि़ सा ।

(४) सा रे ग़ ग़ म प म प मनि़पनि़ पसांनि़सां ध़नि़पप मप पध़ धनि़ पप नि़पमप
ग़मपमरेसा रेरेसा ।

(५) सा रे ग़ म प , म प नि़ प सां , ध़ नि़ सां रें रेंसांनि़सां नि़नि़पम मपमप
मपध़नि़सां सां नि़ प म ग़ म प म रे सा रे रे सा ।

(६) म प म प प प , म प म नि़ नि़ नि़ , प नि़ प सां सां सां नि़रेंरें सांनि़ सां नि़
ध़ नि़ प प , म म म प प प ध़ ध़ ध़ नि़ नि़ नि़ पपमप ग़ म ग़ म प म
रे सा रे रे सा ।

राग - नायकी-अडाणा, ताल - रूपक, लय - मध्य.

रे कैसे जानूँ तोरा मनुवा
सजनवा काहे ना, हम संग करत बतिया ।
चाहे सो बोलो आज मन धोलियो
सजनवा कछु ना राखो आज मनमाँ बतिया ॥

स्थाई

— निपप,ग	म प सां
रेऽऽऽ	ऽकै से
१	२

सां — सां	नि सारेंरें,सां	— —सां
जा ऽ नूँ	तो राऽऽऽ	ऽ म ऽ
×	१	२

सांनि,ध धनि प	—म प,निप	ग —ग म
नु ऽ ऽ ऽऽ वा	ऽस जनुऽ	वा ऽकाऽ
×	१	२

पमरेसा रे साम	पम प	— प नि
ऽऽहेऽ ना ऽह	ऽम सं	ऽग क
×	१	२

नि सां —नि	सारें,सां धनि	पम पस
र त ऽब	तिऽऽ याऽ	ऽरे कैसे
×	१	२

अंतरा

नि̱पप,ग̱ मध̱–	–नि̱ प
चाऽऽऽ ऽऽऽ	हे सो
१	२

सां – सां	नि̱ सां	–रें ग̱ं मं,रें
बो ऽ लो	आ ज	ऽम नऽऽ
×	१	२

सां –सां ध̱नि̱,प	– म प,नि̱प	ग̱ –,ग̱म
घो ऽलि योऽऽ	ऽ स जनऽ	वा ऽकऽ
×	१	२

पमरेसा रे साम	प म प	पनि̱ नि̱
ऽऽछुऽ ना ऽरा	ऽखो आ	जम न
×	१	२

सां –नि̱ सारें,सां	सारें,सां नि̱ध̱,नि̱	पम पसां
माँ ऽ ब तिऽऽ	याऽऽ ऽऽऽ	ऽरे कैसे
×	१	२

राग - प्रतीक्षा.

श्री. हृदयनाथ मंगेशकरजी ने स्वरबद्ध किये हुअे 'मालवून टाक दीप' इस मराठी भावगीत से प्रेरणा लेकर इस राग का जन्म हुआ है । इस रागमें धैवत कोमल और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - ओडव ।
वादी - धैवत ।
संवादी - गंधार ।
गानसमय - प्रातःकाल ।

मुख्य अंग - प , ध़ सां प ध़ ग प , रे ग रेसासा ध़ सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

(१) सा रे ग प ध़ सां । सां प ध़ ग प रे ग , रे सा सा ध़ सा ।

(२) सा रे ग प , रे प ग , ग प ध़ , ध़ सां ।
सां प ध़ , ग प , रे ग , रे सा सा ध़ सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा , ध़ ध़ सा , सा सारे रेसासा ध़ ध़ सा ।
सा रे ग , प रे ग , गऽरे सा ध़ , ध़ रे सा ।

(२) सा रे ग प , प ध़ , ध़ प ग , रे ग प रे प ग , ग रे सा सा ध़ सा ।

(३) रे ग प रे प ग , ग ध़ ध़ प , प ध़ सांप ध़ ध़ प ग प प ग रे ग ग रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(४) ग प ध़ सां , रेंसांसां ध़ प , पध़पध़ सां , प ध़ प ध़ ग ध़ प , ध़ प ग प रे ग , ग रे सा ध़ रे सा ।

(५) धपपगप—पध—धसां , सां सारें , रेंसांसां ध ध सां , सां रें गं रेंसांसां ध ध प , प
ध सां प ध , ग प , रे ग , ध प ग , ग रे सा सा ध ध सा ।

(६) सारेगप रेगरेप गपध सां , प ध सां रें रें , सां रें गंरें सां रें , गंपं गं , रें सां , रें
सां – प ध सां ध प , ध प ग , रे ग प रे प ग , ग रे सा सा ध सा ।

ताना

(१) सा रे सा रे ग रे सा सा ध , ध सा सा रे रे ग ग रे सा सा ध , प ध प ध सा ।

(२) ग रे सा रे ग प रे ग रे प ग , ग रे सा सा ध ध सा ।

(३) सा रे ग प ध ध प प ग , ध ध प प ग प रे ग , रे ग प ध प प ग प रे ग ,
ग रे सा सा ध ध सा ।

(४) प ध प प , ध ध प प ग , ग प प ध ध सां , प ध प ध सां सां , ध ध प
प धपप गप ग ध प प ग प रे ग , ग रे सा सा ध ध सा ।

(५) ग प प ध ध सां , सां रें गं रें सां सां , रें सां सां ध ध प प ग ग रे रे सा सा
ध ध सा ।

(६) प ध ध , ध सां सां , सां रें रें , रें गं गं , गं रें सां सां ध ध प प , प सां सां ,
प ध ध प प ग , ग प ग ध प प ग प रे ग , ग रे सा सा ध ध सा ।

(७) सा रे ग प , ग प ध सां , ध सां रें गं , रें गं पं रें गं रें पं गं , रें सां सां ध प
ध सां , प ध प सां ध ध प प ग , रे ग प रे ग रे प ग रे सा सा ध सा ।

राग - प्रतीक्षा, ताल - झपताल, लय - मध्य.

रंग लाल नभ छायो है
बीत गई सारी रैन, सूरज निकसत
पिया तुम क्यों न आये ।
भयो निठुर काहे पियारे
तरसाय रही सारी रैन
पिया तुम क्यों न आये ॥

स्थाई

– – सांसां
रं ग
३

सांप,ध़ –	ध़ – पध़	पग,–रेग –	पप, प,ध़रें रेंसां
लाऽऽ ऽ	ल ऽ नभ	छाऽऽऽ ऽ	योऽ है ऽ रंग
×	२	०	३

सांप,ध़ –	ध़ – पध़	पग,–रेग –	प – प
लाऽऽ ऽ	ल ऽ नभ	छाऽऽऽ ऽ	यो ऽ है
×	२	०	३

ध़ –	ध़ ध़ प	प ध़	प पग ग
बी ऽ	त ग ई	सा री	रै ऽऽ न
×	२	०	३

गप रे	ग – रेसासा,ध़	सा सा	सा –सा सा रे
सूर ऽ	ज ऽ ऽऽऽऽ	नि क	स ऽत पिया
×	२	०	३

गप– –	प सां ध़ धसां	सां सांपध़,रेंसारें	गंरें,गं रेंसांसां,ध़ –सांसां
तु ऽ ऽ	म क्यों ऽऽ	न आऽऽऽऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽये रंग
×	२	०	३

अंतरा

–ग प ध़ सांसां
भ योनि ठु र
३

सां ऽ	सां – प ध़	सारिरें,सां –ध़	प – सांसां
का ऽ	हे ऽ पिया	रेऽऽऽ ऽऽ	ऽ त र
×	२	०	३

सांप,ध़ –	ध़ ध़ प	प ध़	प पग,ग सा रे
साऽऽ ऽ	य र ही	सा री	रै ऽऽन पिया
×	२	०	३

गप– –	प ध़ धसां	सां सांपध़,रेंसारें	गंरें,गं रेंसांसां,ध़ –सांसां
तु ऽ ऽ	म क्यों ऽऽ	न आऽऽऽऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽये रंग
×	२	०	३

राग - प्रतीक्षा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

कैसे कैसे आऊँ, आऊँ रे (पिया रे)
गरजत घन अत जोर ।
चहुँ ओर नीर बरसन लागे
उनमत समीर करत शोर ॥

स्थाई

— — — सां	सां प धसां ध
कै	से कै ऽऽ से
०	३

ध — — —	प — प ध	पग प ध सां	सां प धसां ध
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ आ ऊँ	रेऽ ऽ ऽ कै	से कै ऽऽ से
×	२	०	३

ध — — —	प — प ग रे	ग — — ध	प ग — ग
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ पि याऽ	रे ऽ ऽ ग	र ज ऽ त
×	२	०	३

प प धसां सां	पधसां धसांरें सांरेंगं रेंगं,—	रेंसांसां ध — सां	सां प धसां ध
घ न अऽ त	जोऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ	रऽऽ ऽ ऽ कै	से कै ऽऽ से
×	२	०	३

अंतरा

— — — सां	सां प ध — ध
च	हुँ ओऽ ऽ र
०	३

सां – सां प	ध़ सांरें – रें	रें सां ध़ध़ प सां	प ध़ प ग
नी ऽ र ब	र सऽ ऽ न	लाऽ ऽऽ गे उ	न म त स
×	२	०	३

प रे ग ग	ग पध़सां, ध़सांरें सांरेंगं	रेंगं– रेंसांसां ध़ सां	सां प ध़सां ध़
मी र क र	त शोऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ रऽऽ ऽ कै	से कै ऽऽ से
×	२	०	३

राग - आराधना.

श्री. श्रीनिवास खळेरचित 'या चिमण्यानो परत फिरा रे' (फिल्म - जिव्हाळा) इस मराठी भावगीत के कुछ खास स्वरसमूहों से प्रेरणा लेकर इस राग का निर्माण किया गया है । इस राग का स्वरूप गंभीर है । इस रागमें रिषभ और धैवत कोमल तथा मध्यम तीव्र है ।

जाति - षाडव - षाडव ।
वादी - गंधार ।
संवादी - निषाद ।
गानसमय - सायंकाल ।

मुख्य अंग - ग मं धॖ , निधॖ मं ग , ग रॆ सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

नि॒ रॆ ग मं धॖ नि सां । सां नि धॖ मं ग , ग रॆ सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा नि॒ रॆ ग , ग रॆ सा , नि रॆ ग , ग गमं ग , ग रॆ सा ।

(२) नि॒ रॆ ग नि॒ ग , ग गमं ग , धॖ मं ग , ग रॆ सा ।

(३) नि॒ रॆ ग मं धॖ मं ग , धॖ मं ग रॆ सा , नि॒ रॆ ग मं, धॖ ऽ धॖ मं ग मं धॖ मं ग , ग रॆ सा ।

(४) ग मं धॖ नि , मंधॖमंनिधॖ मं ग , नि धॖ मं ग , धॖ मं ग , ग रॆ सा ।

(५) ग मं धॖ नि नि निधॖ धॖमं मंग गमंधॖनि मंधमंनि धॖ मं ग , धॖ मं ग , ग रॆ सा ।

(६) नि॒रॆगमंधॖनि नि धॖ मं ग , मं धॖनि सां , सां धॖनि रॆं नि धॖ मं ग , नि धॖ मं ग , धॖ मं ग रॆ सा ।

(७) गमंधॖनिरॆंगं रॆं सां , सां सांनि धॖनि रॆं नि धॖ मं ग , ग मंध मं धॖनि धॖ मं ग , धॖ म ग , ग रॆ सा ।

ताना

(१) नि़ रे॒ ग म॑ रे॒ ग रे॒ म॑ ग, म॑ म॑ ग ग रे॒ रे॒ सा।

(२) म॑ म॑ ग म॑ ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग, ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग ग, ग ग रे॒ रे॒ सा।

(३) नि़ रे॒ ग म॑ रे॒ ग रे॒ म॑ ग, ग म॑ ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग, ग म॑ ध॒ नि म॑ ध॒ म॑ नि ध॒ ध॒
म॑ म॑ ग, नि नि ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग, ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग, ग ग रे॒ रे॒ सा।

(४) नि ध॒ म॑ ग म॑ ध॒ नि म॑ ध॒ म॑ नि ध॒, नि ध॒ म॑ ग म॑ ध॒ ग म॑ ध॒ म॑ ग, ग रे॒
नि़ रे॒ ग म॑ ध॒ नि – नि ध॒ म॑ ग, ध॒ म॑ ग, ग ग रे॒ रे॒ सा।

(५) नि़ रे॒ ग म॑ ध॒ नि नि ध॒ म॑ ग, म॑ ध॒ नि सां, रें॒ नि ध॒ नि ध॒ म॑ ग म॑ ध॒ नि
नि ध॒ म॑ ग, म॑ ध॒ ग म॑ ग, ग ग रे॒ रे॒ सा।

(६) नि़ रे॒ ग म॑ ध॒ नि रें॒ गं, गं गं रें॒ रें॒ सां, रें॒ रें॒ नि नि ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग, नि नि ध॒
ध॒ म॑ म॑ ग, ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग, ग ग रे॒ रे॒ सा।

राग - आराधना, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

आज कैसे पाऊँ, कैसे पाऊँ तोरे दरसन
शिव शिव शंकर, जपत तेरो नाम ।
बन गयो जोगी तोरे दरसन
छांड दियो जगत नित तेरो नाम ॥

स्थाई

– सासा –मं –ग
आज ऽकै ऽसे
३

ग – ग –	– – मं मं	धृ,धमं गमंधृ,– मंग,– रेसा–	सा सासा –मं –ग
पा ऽ ऊँ ऽ	ऽ ऽ कै से	पाऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऊँ आज ऽकै ऽसे
×	२	०	३

ग – ग –	– गमं –धृ नि	मंधृमनि धृ मं,–धृ गमं,–	ग सासा –मं –मं
पा ऽ ऊँ ऽ	ऽ तोरे ऽद र	सऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	न शिव ऽशि ऽव
×	२	०	३

मं – ग ग	– गमं धृनि नि	रें,–नि धृनि,–धृ मंधृ,–मं गमं,–	ग सासा – –
शं ऽ क र	ऽ जप तते रो	ना ऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ	म आज – –
×	२	०	३

अंतरा

– गग –मं धृ
बन ऽग यो
३

नि – नि –	– सांनि –म॑ ध॒	ध॒नि सां नि –	– ध॒ ध॒म॑ ध॒
जो ऽ गी ऽ	ऽ तो रे ऽद र	सऽ ऽ न ऽ	ऽ छां ऽदि यो
×	२	०	३

ग म॑ध॒,म॑ ग –	– ग म॑ –ध॒ नि	रें॒,–नि ध॒नि,–ध॒ म॑ध॒,–म॑ गम॑,–	ग सासा
ज गऽऽ त ऽ	ऽ नित ऽते रो	ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	म आज
×	२	०	३

राग - त्रिवेणी (तोडी अंग).

इस रागमें दोनों धैवत और रिषभ, गंधार तथा निषाद ये स्वर कोमल लगते हैं। यह राग बिलासखानी तोडी, कोमल-रिषभ-आसावरी और अहिर भैरव इन तीन रागों का मिश्रण है।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण।

वादी - षड्ज।

संवादी - पंचम।

गानसमय - प्रातःकाल।

मुख्य अंग - म ध प नि॒ ध॒ म ग॒ रे॒ सा।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे॒ नि़ सा रे॒ ग॒, रे॒ म प ध॒ नि॒ ध॒ म प ध नि॒ सां।

सां नि॒ ध प म ध प नि॒ ध॒ म ग॒ रे॒ सा।

स्वर - विस्तार

(१) सा रे॒ नि़ ध़ नि॒ रे॒ सा, सा रे॒ नि़ सा रे॒ ग॒, ग॒ रे॒ नि़ ध़ निरे॒ सा।

(२) सा रे॒ नि़ सा रे ग॒, रे॒ ग॒ म पमम ग॒, ग॒ रे॒ नि़ ग॒ रे॒ सा, रेसासा नि॒ ध प, ध नि॒ सा ग॒रे॒ सा।

(३) सा रे॒ ग॒ म पमम ग॒ रे॒ म प, नि॒ध॒ नि॒ध॒ पम पम ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ म प ध॒म ग॒ रे॒, नि़ ग॒ रे॒ सा।

(४) सा रे॒ ग॒ म रे॒ म प, साध॒पध॒ मपग॒म पमम ग॒ रे॒ म प, ध॒ नि॒ ध म ग॒ रे॒ सा।

(५) रे॒ म प ध॒ नि॒ ध॒, नि॒धमपध॒नि॒ ध॒ नि॒ध॒ध॒ म पनम ग॒ मग॒ग॒ रे॒ म प, ध॒ म ग॒ रे॒ नि़ सा।

(६). सा रे॒ म प ध॒ नि॒ ध॒ नि॒ ध॒ म ग॒ रे॒ म प म ध प नि॒ ध॒, म ग॒ रे॒ ग॒ रे॒ नि़ ग॒ रे॒ सा।

(७) रे॒ म प म प ध नि॒ , नि॒ ध॒ म ग॒ रे॒ म प , म प ध नि॒ सां , नि॒ ध प म ,
म ध प नि ध॒ म पमम ग॒ , रे॒ म प ध॒ नि॒ ध म ग॒ रे॒ सा ।

(८) ध॒पमप मपधनि॒ सां , रें॒ , रें॒सांसां नि॒ ध नि॒ रें॒ सां रें॒ सां नि॒ ध प म , म ध प नि॒
ध सां नि॒ ध॒ म ग॒ रे॒ , रे॒ म ध॒ म ग॒ रे॒ , ग॒ रे॒ सासा नि़॒ ग॒ रे॒ सा ।

(९) सारे॒मप ध॒ मपधनि॒ , सां , धनि॒सारें॒ गं॒ , गं॒ रें॒ नि॒ सां रें॒ नि॒ सां रें॒ गं॒ , गं॒ रें॒ नि॒ ध
प पधनि॒सां सां नि॒ ध प म , म ध प नि॒ ध॒ म ग॒ रे॒ , ग॒ रे॒ नि़॒ ध नि़॒ रे॒ सा ।

ताना

(१) सा नि़॒ ध़ नि़॒ ध़ नि़॒ सा रे॒ ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा , रे॒ रे॒ सा नि़॒ सा रे॒ सा रे॒ ग॒ ग॒ रे॒ रे॒
सा , सा रे॒ सा रे॒ ग॒ म रे ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

(२) रे॒ रे॒ सा नि़॒ सा रे॒ रे॒ ग॒ ग॒ म प म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा , सा रे॒ रे॒ म म प प ध॒ म म ग॒
ग॒ रे॒ रे॒ सा , सा रे॒ सा रे॒ ग॒ ग॒ रे॒ म पप म प ध॒ नि॒ ध॒ ध॒ म म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

(३) सा रे॒ सा रे॒ ग॒ ग॒ सा रे॒ म म सा ध॒ प ध॒ म प ग॒ म म प ध॒ नि॒ ध॒ ध॒ नि नि॒
ध॒ ध॒ म म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

(४) रे॒ म प ध॒ म प ध॒ नि॒ ध॒ ध॒ , सा रे॒ रे॒ म म प प ध॒ ध॒ नि॒ ध॒ ध॒ , म ध प नि॒
ध॒ ध॒ म म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

(५) रे॒ रे॒ सा नि़॒ सा रे॒ सा रे॒ ग॒ म , सा रे॒ म म रे॒ म प प म प ध॒ नि॒ ध॒ ध॒ म ध
प नि॒ ध सां नि॒ नि॒ ध॒ ध॒ म म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ ग॒ ग॒ म म , रे॒ रे॒ ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

(६) सा रे॒ रे॒ म म प प ध॒ , म प प ध ध नि॒ नि॒ सां सां नि॒ ध प म म , रें॒ रें॒ सां नि॒
नि॒ ध ध प प म म , म प म ध प नि॒ ध सां नि॒ नि॒ ध॒ ध॒ म म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

(७) सा रे॒ सा रे॒ ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा , म प म प ध॒ नि॒ ध॒ ध॒ म म , सां रें॒ सां रें॒ गं॒ गं॒ रें॒
रें॒ सां , रें॒ रें॒ सां सां नि॒ नि॒ ध ध प प म म , म प प , प ध ध , ध नि॒ नि॒ ,
नि॒ सां सां सां नि॒ ध प म म , म प प प , प ध॒ ध॒ ध॒ , ध नि॒ नि॒ नि॒ ध॒ ध॒ म
म ग॒ ग॒ रे॒ रे॒ सा ।

राग - त्रिवेणी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

निंदिया न आयो शाम मोहे
मंदर बैठी अकेली तोरी राधा ।
आवो बेगी प्रीतम मनमोहन
अरज करूं तोसे
तोरे बिन अकुलाय तोरी राधा ॥

स्थाई

सा सा	सा,रेग रे सा रे नि
निं दि	याऽऽ नआ ऽयो
०	३

सा सा	रेम,– प,पध निधधम	म गगरे रेसा,सा	सा,रेग रे सा रे नि
शा ऽ	मऽऽ मोहेऽ तोऽरेऽ	बिऽनऽ निंऽदि	याऽऽ नआ ऽयो
×	२	०	३

सा –	रेम– पमम,ग रेसा	सा –	सां – सां
शा ऽ	मऽऽ मोऽऽऽ ऽहे	मं ऽ	द ऽ र
×	२	०	३

सां,सांनि धध	निनि सां,सारें रेंसां,निसां	निसां,– –	निध– पम,– म
बै ऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽऽ ठीऽअऽ	केऽऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ली
×	२	०	३

मधपनि धसां,नि	–ध मग रे	सा सासा	सा,रेग रे सा रे नि
तोऽऽऽ ऽऽरी	ऽरा ऽऽ ऽ	धा निंदि	याऽऽ नआ ऽयो
×	२	०	३

अंतरा

— ध़ ध़म,प —ध
ऽआ वोऽबे ऽगी
३

निसां— —	सां — सां	सांनिनिध प,धप	म,पमम ग़रे़ सासा
प्रीऽऽ ऽ	त ऽ म	मऽनऽ मोहऽ	नअऽऽ रज करूं
×	२	०	३

साध़पध़ मप,ग़	म — पधध	निसां— सां	रें सां निनिध—,— पम,म
तोऽऽऽ ऽऽऽ	से ऽ तोरे	बिऽऽ न	अकु लाऽऽऽऽऽ ऽऽय
×	२	०	३

मधपनि धसां,नि	—ध़ मग़ रे़	सा सासा	सा,रे़ग़ रे़ सा रे़ नि़
तोऽऽऽ ऽऽरी	ऽरा ऽऽ ऽ	धा निंदि	याऽऽ नआ ऽयो
×	२	०	३
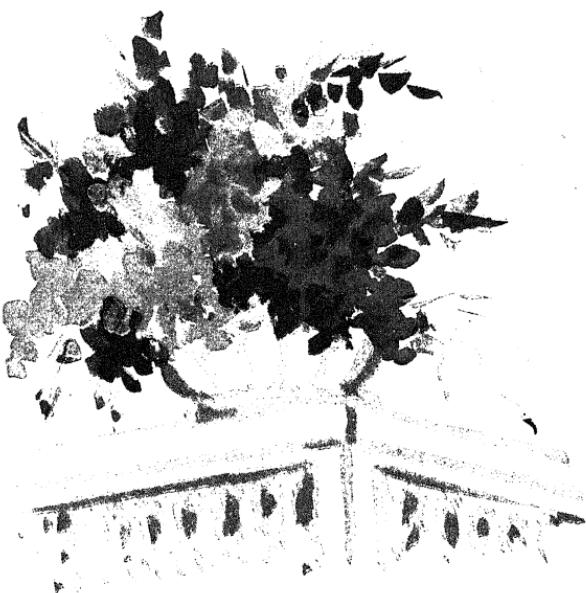
उपशास्त्रीय संगीत

राग - पंचम से गारा, ताल - दादरा, लय - मध्य.

सैंया ना जारे सैंया ना जारे
तोरे नैन फेरावो
सुनले मैं करत पुकार ।
छांड कैसे जात, याद करो आन
भूल कैसे गयो रे ॥

स्थाई

– – –	– साग ग प
	सैंऽ याऽ
×	०

नि,निध पधनिध –	ग रेग प	सां,सांनि धनिसांनि –ध	पग गप धसां
नाऽऽ ऽऽऽऽ ऽ	जा रेसैं या	ना ऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽऽ	जा रेतो रे ऽ
×	०	×	०

सांनिनिध – प	मंप,– मग,– म	प – –	प – –
नैऽऽऽ ऽ ऽ	नऽऽ ऽऽऽ फे	रा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

प नि नि	– नि –	नि नि –	सां नि सां
सु न ले	ऽ मैं ऽ	क र ऽ	त ऽ पु
×	०	×	०

ध नि प ध	सांनि रेंसां निसां	सांनिनिध नि धप	– साग ग प
काऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ	रऽऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ सैंऽ याऽ
×	०	×	०

अंतरा

– – –	ग गप धनि,सां
	छां डकै सेऽऽ
×	०

सां – निध,–	नि धप प	– प नि	नि नि –
जा ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽऽ त	ऽ या द	क रो ऽ
×	०	×	०

सारेंसांसां नि धप,–	धसांनिनि –ध –	ग – ग ग	प – प
आऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽन ऽ	भू ऽल कै	से ऽ ग
×	०	×	०

धनि सांनि सां	सांनिनिध प ग प	नि,निध पधनिध –	प गप प
योऽ ऽ ऽ ऽ	रेऽऽऽ ऽसैं या	नाऽऽ ऽऽऽऽ ऽ	जा रेसैं या
×	०	×	०

राग - पंचम से गारा, ताल - दादरा, लय - मध्य.

कहे गये वो आऊँ मैं, अब तक ना आये
मैं तो बैठी हूँ अकेली ।
ऋतु बरखा आई है आज
कर बैठी सुंदर साज
तुम्हरे मिलन लागी आस
तोरे बिन सैंया, बैठी हूँ अकेली ॥
घिर आये बदरुवा, धरकत मोरा कलेजवा
मोहे डरवा लागे आज घरवा
तोरे बिन सैंया, बैठी हूँ अकेली ॥

स्थाई

नि नि नि	सां – सां	निध,– सांनि,– निध,प	– – –
क हे ग	ये ऽ वो	आऽऽ ऊँऽऽ मैंऽऽ	ऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

पनि –नि नि	सां – –	सांनि ध –	सांनि,– धप,– –
अब त क	ना ऽ ऽ	आऽ ऽ ऽ	येऽऽ ऽऽऽ ऽ
×	०	×	०

म प धसां,नि	ध पग म	प – –	प – –
मैं तो बैऽऽ	ठी हूँ अ	के ऽ ऽ	ली ऽ ऽ
×	०	×	०

अंतरा - १

प नि नि	नि सां –	नि सारें,– सां	नि धप,– प
ऋ तु ब	र खा ऽ	आ ईऽऽ है	आ ऽऽऽ ज
×	०	×	०

नि नि नि	– सां –	धनि़,– पध,– नि़रें,सां	सांनि़नि़ध – प
क र बै	ऽ ठी ऽ	सुंऽऽ दऽऽ रऽऽ	साऽऽऽ ऽ ज
×	०	×	०

नि नि नि	– सां सांनि	ध सांनि– निध,प	– पग म
क र बै	ऽ ठी सुंऽ	द रऽऽ साऽऽ	ऽ जतु म्ह
×	०	×	०

प – म॑	प – प	म॑प सांध धप	म॑प,– पग,– म
रे ऽ मि	ल ऽ न	लाऽ ऽऽ गीऽ	आऽऽ ऽऽऽ स
×	०	×	०

ध ध ध	ध ध नि़रें,सां	सांनि़,नि़ – प	प ग म
तो रे बि	न सैं ऽऽऽ	याऽऽ ऽ बै	ठी हूँ अ
×	०	×	०

प – –	प – –
के ऽ ऽ	ली ऽ ऽ
×	०

अंतरा - २

प नि नि	— सां —	नि ध सांनि—	निध,प — —
घि र आ	ऽ ये ऽ	ब द रुऽऽ	वाऽऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

प नि नि	नि निसां ग	ग प पध सारें,सां	सांनि़,नि़ ध प
ध र क	त मो रा ऽ	कऽ लेऽ जुऽऽ	वाऽ ऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

पनि —नि नि	नि सां —नि	(नि)ध (सां)नि निध,प	— —ग म
ध र ऽक त	मो रा ऽक	ले जु वाऽऽ	ऽ ऽमो हे
×	०	×	०

प —प मं	प — प	मं प सारें,सां धप	मंप —ग म
ड ऽर वा	ला ऽ गे	आऽ ऽऽऽ जऽ	घऽ ऽर वा
×	०	×	०

ध ध ध	ध ध निरें,सां	सांनि़,नि़ — प	प ग म
तो रे बि	न सैं ऽऽऽ	याऽऽ ऽ बै	ठी हूँ अ
×	०	×	०

प — —	प — —
के ऽ ऽ	ली ऽ ऽ
×	०

राग - मांजखमाज, ताल - दादरा, लय - मध्य.
(मध्यम ग्राम).

दूर जाऊं नैया, संग मोरा दैया
गंगामैया ले चल किनारा ।
एक मन सुखिया, एक मन दुखिया
नयो देस जाऊं मैं तो, छांड मोरी मैया ॥
बीच मझधार डोले मोरी नैया
साथ बहत पवन पुरवैया
फिर जब आऊं मैं तो, भूल न जावो मैया ॥
भव के तरैया, दुख के हरैया
ऐसी पार लगा दे, मोरी संसार नैया ॥

स्थाई

प़ नि़ रे —रे	ग ग —	ग म ग —म	रे गम,ग रे
दू रजा ऽऊं	नै या ऽ	सं गमो ऽरा	दै याऽऽ ऽ
×	०	×	०

प़ नि़ रे —रे	ग ग —	नि़ रे ग मप	म —ग रे
दू रजा ऽऊं	नै या ऽ	सं गमो राऽ	दै ऽया ऽ
×	०	×	०

नि़ —सा —	रे —ग —	पममग —रेसा —सा	सा —गरे सानि़—
गं ऽगा ऽ	मै ऽया ऽ	लेऽऽऽ ऽचल कि	ना ऽराऽ ऽऽऽ
×	०	×	०

अंतरा - १

पप –सा सा	रे ग – रे –	मग –सा सा	सासा –सा –
एक ऽ म न	सुखि ऽया ऽ	एक ऽ म न	दु खि ऽया ऽ
×	०	×	०

गग –ग –ग	ग म –ग रे	नि रे ग मप	म – ग रेग
नयो ऽदे ऽस	जाऊं ऽमैं तो	छां ऽमो रीऽ	मै ऽया ऽऽ
×	०	×	०

अंतरा - २

प निरे ग	रे – –ग	म ग –सा सा	सा –सा –
बी चम झ	धा ऽ ऽर	डोले ऽमो री	नै ऽया ऽ
×	०	×	०

ग –ग –ग	मप,– प –ध	निध –म ग	ग – ग –
सा ऽथ ऽब	हऽऽ त ऽप	व न पु र	वै ऽया ऽ
×	०	×	०

गग –ग –ग	ग म –ग रे	प,–प रे म ग	रे गम, ग रे
फिर ऽज ऽब	आऊं ऽमैं तो	भूऽल नजा वो	मै याऽऽ ऽ
×	०	×	०

अंतरा - ३

गग –ग मरे	प – प –	मंमं –प –ध	नि॒ध प म ग
भव ऽके ऽत	रै ऽया ऽ	दुख ऽके ऽह	रै ऽ ऽया ऽ
×	०	×	०

ग – ग –	ग –म ग	रे ग रे	ऩि रे रे ग मंप
ऐ ऽसी ऽ	पा ऽ र ल	गा दे ऽ	मोऽ रीऽ ऽऽ
×	०	×	०

मं –मं –ध	मं – ग –	ऩि –सा –	रे –ग –
सं ऽसा ऽ र	नै ऽया ऽ	गं ऽगा ऽ	मै ऽया ऽ
×	०	×	०

राग - मांज खमाज (मध्यम ग्राम), ताल - दादरा (झुला).

आवो सब सखियन झूलन बंधावो
झूलन सजावो, झूलन बंधावो ।
कारे बदरू आवन, नील नभ छावन
झर आयो सावन, झूलन बंधावो ॥१॥
सखी री सजावो मोहे, बिंदिया लगावो
गोरे गोरे हाथोंमें मेहेंदी रचावो
कारे कारे बालोंमें गजरा बंधावो ॥२॥
बन गयो झूलन, राधा लागी गावन
सखी आयो प्रीतम, झूलन झुलावो ॥३॥

स्थाई

— प़ नि़	— रे रे	रे ग —	ग पमम ग	रे म ग	— सा सा
आ वो	स ब	स खी	य नऽऽ ऽ	ऽ झू ल	ऽ न बं
×	०	×	०	×	०

सा — —	सा — —
धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०

— ग ग	ग — —	म — —	ग रे सानि़ साग	रे म ग	— सा सा
झू ल	न ऽ स	जा ऽ ऽ	वोऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ झू ल	ऽ न बं
×	०	×	०	×	०

सा — —	सा — —
धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०

अंतरा १.१

– प़ नि़	रे ग म	ग – –	ग ग –	– म ग	– रेग नि़
का रे	ब द रू	आ ऽ ऽ	व न ऽ	ऽ नी ल	ऽ नऽ भ
×	०	×	०	×	०

सा गरे –	रे रे –
छा ऽऽ ऽ	व न ऽ
×	०

– ध़ नि़	रे रे –	रेग – –	मधप म गरे	– म ग	– सा सा
झ र	आ यो ऽ	साऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ व नऽ	झू ल	ऽ न बं
×	०	×	०	×	०

सा – –	सा – –
धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०

अंतरा २.२

म ग –	रे ग नि़	सा ग रे	रे रे –
स खी ऽ	री ऽ स	जा वो ऽ	मो हे ऽ
×	०	×	०

म ग –	रे ग नि़	सा ग रे	रे रे –
बिं दि ऽ	या ऽ ल	गा वो ऽ	मो हे ऽ
×	०	×	०

नि़ नि़ –	सा नि़ –	सारे गरे सा	रेम ग रे
गो रे ऽ	गो रे ऽ	हाऽ ऽऽ ऽ	थोऽ में ऽ
×	०	×	०

— ग॒ रे	ग॒ सा सा	सा — —	सा — —
ऽ मे हैं	ऽ दी र	चा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

— ग ग	— ग ग	ग रे पम ग	ग रे —
का रे	का रे	बाऽ ऽऽ लो	में ऽ ऽ
×	०	×	०

— म ग	— सा सा	सा — —	सा — —
ग ज	ऽ रा बं	धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

अंतरा ३.३

— ग॒ रे	— म म	पं — —	पं पं —
ब न	ऽ ग यो	झू ऽ ऽ	ल न ऽ
×	०	×	०

— म म	— पं पं	म पं धंपं धं	म ग रे
रा धा	ऽ ला गी	गाऽ ऽऽ ऽ	व न ऽ
×	०	×	०

— ग ग	— ग म	— मध प	ग॒ रे ग
स खी	ऽ आ यो	ऽ प्रीऽ ऽ	त [illegible] ऽ
×	०	×	०

म ग —	— सा सा	सा — —	सा — —
झू ल ऽ	ऽ न झु	ला ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

राग - मिश्र मांड, ताल - दादरा, लय - द्रुत.

न मानू न मानू रसिया तोरा ।
काहे रे बनावत, बन नाही जाऊं मैं तो
न बोलो बुलावो, रसिया मोरा ॥
मैं तो जागी सारी नैन
तोरे संग छैला
न छेडो निंदिया, रसिया मोरा ॥

स्थाई

– – नि
न
०

सां – –	धप – प	पनि , ध –	गप – नि
मा ऽ ऽ	नूऽ ऽ न	माऽ ऽ ऽ	नूऽ ऽ न
×	०	×	०
सां नि सां	नि ध नि	प प मं –	पनि ध नि
मा ऽ ऽ	नू ऽ ऽ	माऽ ऽ ऽ	नूऽ ऽ न
×	०	×	०
रेंसां सां –	धप प ध	सांनि,नि ध –	ध – –
माऽ ऽ ऽ	नूऽ ऽ न	माऽऽ ऽ ऽ	नू ऽ ऽ
×	०	×	०
ग ग –	प – –	पध सां –नि	निध ध नि
र सि ऽ	या ऽ ऽ	तोऽ ऽ ऽऽ	राऽ ऽ न
×	०	×	०

अंतरा - १

ग – ग	प – प	धनि,नि ध –	सां – सां
का ऽ हे	रे ऽ ब	नाऽऽ ऽ ऽ	व ऽ त
×	०	×	०

सां –रेंगं रें	सां –सां रें	निसां – ध नि	प निध नि
ब ऽनऽ ऽ	ना ऽही ऽ	जाऽ ऽऊं ऽ	मैं तोऽ न
×	०	×	०

सां – –	ध प –	ग प धसां	नि॒नि॒ ध –
बो ऽ ऽ	लो ऽ ऽ	बु ला ऽऽ	ऽऽ वो ऽ
×	०	×	०

ग ग –	प – –	पध निसां रें	सांनि ध नि
र सि ऽ	या ऽ ऽ	मोऽ ऽऽ ऽ	राऽ ऽ न
×	०	×	०

अंतरा - २

ग – ग	प – प	धनि –प ध	धनि सां सां
मैं ऽ तो	जा ऽ गी	साऽ ऽरी ऽ	रैऽ ऽ न
×	०	×	०

नि – सां	ध – प	मं प मं	पनि ध नि
तो ऽ रे	सं ऽ ग	छै ऽ ऽ	लाऽ ऽ न
×	०	×	०

सां – –	धप – –	गप पध धसां	नि॒नि॒ ध –
छे ऽ ऽ	डोऽ ऽ ऽ	निंऽ दिऽ याऽ	ऽऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

ग ग –	प – –	पध निसां रें	सांनि ध नि
र सि ऽ	या ऽ ऽ	मोऽ ऽऽ ऽ	राऽ ऽ न
×	०	×	०

राग - मिश्र भैरवी, ताल - दादरा, लय - मध्य.

आजा रे सैंया आजा रे आ, रे नींद नाही आ
तोरे बिन सारी रैन, जिया मोरा बेचैन
तोरे कारन सारी रैन, नींद नाही आ ।
आवो रे बेगी आवो, सूरत दिखा जा रे
तोरे मिलन लागी आस, नींद नाही आ ॥

स्थाई

ग ग –म	प निधध,प मग–	ग मप,म –ग	ग रेसा –ध
आ जा ऽरे	सैं याऽऽऽ ऽऽऽ	आ जाऽऽ ऽरे	आ ऽऽ ऽरे
×	०	×	०

ध मग– मध–	म रेग– रे	सा – –	रेग– सारे– ग
नीं ऽऽऽ ऽऽऽ	द नाऽऽ ही	आ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ
×	०	×	०

गप – प	धसां,– – सां	नि सारें,सां –नि	प;–म गम,– ग
तोऽ ऽ रे	बिऽऽ ऽ न	सा रीऽऽ ऽऽ	रैऽऽ ऽ ऽ न
×	०	×	०

प प ध	सां सां –	नि सारें,सां –नि	प,–म गम,– ग
जि या ऽ	मो रा ऽ	बे ऽऽऽ ऽऽ	चैऽऽ ऽऽऽ न
×	०	×	०

ध – –	नि,निध पध,–	निसां रें रें नि	ध प –
तो ऽ ऽ	रेऽऽ ऽऽऽ	काऽ ऽऽ ऽ	र न ऽ
×	०	×	०

नि सां –	प,–म गम,– ग	ध – म	रे ग रे
सा री ऽ	रैऽऽ ऽऽऽ न	नीं ऽ द	ना ऽ ही
×	०	×	०

सा – –	रेग– सारे– ग	ग ग –म
आ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ	आ जा ऽरे
×	०	×

अंतरा

ध ध –नि	म ध –	म धनि सां	सां – सां
आ ऽ ऽऽ	वो रे ऽ	बे गीऽ ऽ	आ ऽ दो
×	०	×	०

सां नि नि –	सां – सां	रेंरेंसांनि धप,निसां रेंगं,–रें	रेंसां,सां –ध –
सू र ऽ	त ऽ दि	खाऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽ	जाऽऽ ऽरे ऽ
×	०	×	०

प धनि प	प धसां सां	नि सारें,सां –,नि	प–म गम,– ग
तो रेऽ ऽ	मि लऽ न	ला गीऽऽ ऽ ऽ	आऽ ऽ ऽ स
×	०	×	०

ध – म	रे ग रे	सा – –	रेग– सारे,– ग
नीं ऽ द	ना ऽ ही	आ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ
×	०	×	०

स्वरलेखन के चिन्हों का परिचय ।

१ - रे ग ध नि इन स्वरों के नीचे '-' ऐसा रेखाचिन्ह हो तो वे स्वर कोमल होते हैं। उदाहरणार्थ - रे॒ ग॒ ध॒ नि॒। यदि ऐसा चिन्ह न हो तो वे स्वर शुद्ध होते हैं।

२ - कोमल या शुद्ध मध्यम के लिये कोई भी चिन्ह नहीं होता है। तीव्र मध्यम के ऊपर 'I' ऐसा चिन्ह होता है। उदाहरणार्थ 'म॑'।

३ - मंद्र सप्तक के स्वरों के नीचे ' . ' ऐसा बिन्दुचिन्ह होता है। उदाहरणार्थ - ऩि ध़ प़ म़।

४ - तार सप्तक के स्वरों के ऊपर ' ˙ ' ऐसा बिन्दुचिन्ह होता है। उदाहरणार्थ - सां रें गं मं पं।

५ - मध्य सप्तक के स्वरों के ऊपर या नीचे कोई भी चिन्ह नहीं होता। उदाहरणार्थ - सा रे ग म प ध नि।

६ - ‿ ऐसे अर्धचन्द्रचिन्हमें समाविष्ट स्वर एक मात्रा की अवधिवाले होते हैं। उदाहरणार्थ - रेग रेगम रेगम– रेगमप रेगमप – धपमग।

७ - जिन स्वरों के ऊपर ⁀ इस प्रकार उल्टा अर्धचन्द्राकार चिन्ह हो, वहाँ एक स्वर से दूसरे स्वर तक जाते समय 'मींड' लेकर जाना चाहिये।

८ - स्वरों को आलंकारिक बनाने के लिये तथा रागस्वरूप शुद्ध रखने के लिये जो स्वर होते हैं, वे स्वर स्वरों के ऊपर बायीं ओर दिखाये हुओ हैं। उन्हें 'कण' स्वर भी कहा जाता है। उदाहरणार्थ - ^ग^रे ^ग^रे अथवा ^प^ग ^सां^ध।

९ - स्वरों के आगे अगर ' – ' ऐसा रेखाचिन्ह हो, तो वह चिन्ह उस स्वर को आगे बढाने के लिये होता है। उदाहरणार्थ - म – – –।

१० - गीत के शब्दों के अक्षरों का मात्राकाल बढाने के लिये 'ऽ' ऐसे दीर्घचिन्ह का प्रयोग किया हुआ है।
उदाहरणार्थ - 'पि ऽ या ऽ रे ऽ'।

११ - 'सम' जो कि ताल की पहली मात्रा है, '×' इस चिन्ह से दिखाई हुई है। ताल की 'खाली' (ताल का आधा भाग समाप्त होने के बाद जो दूसरा आधा भाग शुरू होता है, उसे 'खाली' कहते हैं।) '०' इस चिन्ह से सूचित की गई है।

१२ - ताल की जितनी मात्राएं हैं और जिस प्रकार उस के विभाजक या खंड हैं, उस प्रकार 'बंदीश' या 'गीत' लिखे गये हैं।